नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, मंगलवार 13 जनवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 237 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध हालात में हाथी की मौत

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत चोपादारू गांव में एक हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने जंगल के समीप हाथी का शव देखा, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल हाथी की मौत के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है।

पूर्व सांसद पद्मभूषण कड़िया मुंडा को मिली धमकी

खूंटी(नबिटा ब्यूरो)। भाजपा के दिग्गज नेता और खूंटी के पूर्व सांसद, पद्मभूषण से सम्मानित कड़िया मुंडा को अज्ञात अपराधी ने पुलिस अधिकारी बनकर रंगदारी मांगने की धमकी दी है। यह पहला मौका है जब 80 वर्षीय आदिवासी नेता को इस तरह का फोन आया है। कड़िया मुंडा के निजी सहायक डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि मोबाइल नंबर 8208746581 से कड़िया मुंडा के नंबर 9431108685 पर बार-बार कॉल आ रहे हैं। कॉल करने वाला खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए पैसे की मांग कर रहा है और धमकी भी दे रहा है। डॉ निर्मल सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की है।

उप मुखिया के पति की गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह थाना क्षेत्र के पुतडु गांव निवासी उप मुखिया आशा रानी पाल के पति तारापादो महतो (35) की सोमवार की रात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने दारीसाई स्थित हाईवे किनारे उसकी दुकान में घुसकर कनपटी पर गोली मारी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने से पुलिस को रोक दिया और जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही मुसाबनी डीएसपी संदीप भगत, गालूडीह थाना और घाटशिला थाना की पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से एक खाली कारतूस बरामद किया है।

जलते चूल्हे को कमरे में रखा, महिला की मौत

जामताड़ा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के बिंदापाथर थाना क्षेत्र के खंतीपुर गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां बंद कमरे में चूल्हा जलाकर सोने से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस फैल गई जिससे एक महिला की मौत हो गई। वहीं, उसकी सास और दो बच्चे बेहोश हो गए। मृतका की पहचान अंजनी कुमारी पति छोटन मंडल के रूप में की गई। वहीं बेहोश होने वालों में अंजनी की सास 58 वर्षीय शोभा देवी, 7 वर्षीय इच्छा उर्फ ब्यूटी कुमारी और 5 वर्षीय अंकुश कुमार शामिल है।

झारखंड में होली से पहले होगा नगर निकाय चुनाव

चुनाव के बाद डिप्टी मेयर और उपाध्यक्ष का होगा चयन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में लंबे समय से लंबित नगर निकाय चुनाव को लेकर बड़ी तस्वीर साफ हो गई है। राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में चुनाव फरवरी महीने में कराए जाएंगे। मतदान 24 से 27 फरवरी के बीच किसी एक दिन कराया जाएगा जबकि मतगणना 28 फरवरी या 1 मार्च को होने की संभावना है। सभी नगर निकायों में एक ही दिन मतदान कराया जाएगा और होली से पहले पूरी चुनावी प्रक्रिया समाप्त कर ली जाएगी। राज्य चुनाव आयोग के प्रस्ताव पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव तीन दिन पहले 9 जनवरी को आयोग की ओर से भेजा गया था। स्वीकृति के बाद इसे मुख्य सचिव के माध्यम से राज्य चुनाव आयोग को भेजा जाएगा। इसके बाद राज्य चुनाव आयुक्त अलका तिवारी औपचारिक रूप से चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करेंगी। राज्य निर्वाचन आयोग 20 जनवरी के बाद किसी भी दिन नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी कर सकता है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन

प्रक्रिया सात दिनों तक चलेगी। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच होगी और दो दिन बाद नामांकन वापसी की अंतिम तिथि तय की जाएगी। नामांकन वापसी के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों को देखते हुए आयोग पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की तैयारी में है। कोर्ट ने राज्य सरकार को 31 मार्च से पहले नगर निकाय चुनाव संपन्न कर उसकी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इसी कारण चुनाव आयोग ने फरवरी में मतदान कराकर मार्च की शुरुआत में मतगणना कराने का रोडमैप तैयार किया है। नगर निकाय चुनाव के बाद विभिन्न नगर निगमों में डिप्टी मेयर तथा नगर परिषद और नगर पंचायतों में उपाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। इस चुनाव में नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद हिस्सा लेंगे। जीते हुए वार्ड पार्षदों में से ही डिप्टी मेयर या उपाध्यक्ष का चयन मतदान के जरिए किया जाएगा। इस तरह फरवरी-मार्च में न केवल निकायों के वार्ड प्रतिनिधि चुने जाएंगे बल्कि स्थानीय शहरी सरकार का पूरा ढांचा भी आकार ले लेगा। लंबे समय से जनप्रतिनिधियों के बिना चल रहे नगर निकायों को इससे स्थायी नेतृत्व मिलेगा। यह नगर निकाय चुनाव कई मायनों में खास है। ट्रिपल टेस्ट पूरा होने के बाद राज्य में पहली बार नगर निकाय चुनाव कराए जा रहे हैं। इन 48 निकायों में 9 नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत शामिल हैं। यहां वर्ष 2020 से ही चुनाव लंबित थे। उस समय कोरोना महामारी के कारण सरकार ने निकाय चुनाव स्थगित कर दिए थे।

निपाह वायरस को लेकर झारखंड स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। देश में तेजी से फैल रहे निपाह वायरस को लेकर झारखंड स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से अब तक दो लोगों की मौत के बाद झारखंड में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। संभावित खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निपाह वायरस के खतरे को गंभीर मानते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन को पूरी तरह तैयार रहना होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी जिलों में सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए और किसी भी संदिग्ध मामले की त्वरित रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर विशेष जोर दिया गया ताकि आम लोग इस बीमारी के लक्षण, बचाव और सावधानियों को समय रहते समझ सकें। रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि फिलहाल जिले में निपाह वायरस के लक्षण वाला कोई मरीज नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी कर रहा है और रांची पूरी तरह अलर्ट मोड में है ताकि किसी भी संभावित स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। चिकित्सकों के अनुसार निपाह वायरस के प्रमुख लक्षणों में शुरुआती बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश और तेज सिरदर्द शामिल हैं। गंभीर मामलों में यह वायरस मस्तिष्क पर तीव्र प्रभाव डालता है जिससे एन्सेफ़ेलाइटिस, ब्रेन अटैक और कोमा जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

राज्य से बच्चों का गायब होना चिंताजनक : अन्नपूर्णा देवी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्य से बच्चों के गायब होने पर चिंता जताई है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह बेहद ही चिंता का विषय है कि राज्य से छोटे-छोटे बच्चे गायब हो रहे हैं और उनका पता ही नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस पर गंभीर होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सबसे दुखद बात यह है कि पुलिस मुख्यालय के नाक के नीचे अंश और अंशिका गायब हो गए और पुलिस अब तक उसे ढूंढ नहीं पाई है। इस मामले में भी पुलिस मौन है और सरकार गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है वहां पर इससे पहले भी कई छोटे-छोटे बच्चे गायब हो चुके हैं और उनका कोई पता नहीं चला है। ऐसे में राज्य सरकार को गंभीर होना चाहिए और तत्परता से उस गिरोह के बारे में पता लगाना चाहिए जो इस तरह से छोटे-छोटे बच्चों को गायब करने में सक्रिय हैं। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को समय पर मानदेय नहीं मिलने पर दुख जताते हुए इसके लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर राज्य सरकार के साथ जब बैठक होती है तो उसी दौरान संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर निर्देशित करती रही है। फंड यूटिलाइजेशन एवं अन्य विषयों पर केंद्र सरकार के द्वारा लगातार पत्राचार भी राज्य सरकार को किया जाता रहा है। बावजूद समय पर मांगे नहीं भेजी जाने के कारण अनावश्यक परेशानी होती है। उन्होंने कामकाज के तरीके पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि यह बेहद ही दुर्भाग्य की बात है कि यदि आंगनबाड़ी सेविका को समय पर पैसे नहीं मिलते हैं। गौरतलब है कि अन्नपूर्णा देवी झारखंड दौरे पर हैं और इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन में शामिल होने वह प्रदेश कार्यालय पहुंची थीं। इससे पहले वह कल राजधानी रांची के धुर्वा से रहस्यमय ढंग से गुम अंश और अंशिका के माता पिता से मिलने भी गई थीं।

अंश-अंशिका की सकुशल बरामदगी को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा मौसीबाड़ी खटाल से दो जनवरी से लापता चार वर्षीय अंश और पांच वर्षीय अंशिका की अब तक सकुशल बरामदगी नहीं होने से जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी को लेकर मंगलवार को महानगर भाजपा ने एसएसपी कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया। यह आंदोलन महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। धरना स्थल पर कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोनों मासूम बच्चों की अविलंब सकुशल बरामदगी की मांग की। धरना के दौरान रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जब राज्य सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हो तो पुलिस प्रशासन से न्याय की उम्मीद करना कठिन हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था नीचे से ऊपर तक कमजोर हो चुकी है जिसके कारण बच्चों की तलाश में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई दे रही है। मुख्य सचेतक एवं विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि 12 दिन बीत जाने के बाद भी दोनों बच्चों का कोई सुराग नहीं मिलना प्रशासन की घोर विफलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अनुशासित आंदोलन के बावजूद सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को जगन्नाथपुर थाना में रोका गया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रेणु तिर्की ने कहा कि झारखंड में पुलिस व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और दो मासूम बच्चों को खोज न पाना बेहद चिंताजनक है। निवर्तमान डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय ने प्रशासन पर आम जनता की सुरक्षा से विमुख होने का आरोप लगाया। केके गुप्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस बालू, कोयला और पत्थर की गाड़ियों पर कार्रवाई में व्यस्त है जबकि महिलाएं, व्यापारी और अब मासूम बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं।

आदित्य साहू का झारखंड भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनना तय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आदित्य साहू का झारखंड बीजेपी का नया अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में अध्यक्ष के चयन को लेकर सुबह से ही गहमागहमी देखी गई। नामांकन के लिए निर्धारित समय दिन के 12 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच सिर्फ एक नामांकन आदित्य साहू की ओर से दाखिल किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ पार्टी द्वारा नामित चुनाव पदाधिकारी और केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव के समक्ष करीब 1 बजे आदित्य साहू ने नामांकन पर्चा भरा। इस मौके पर प्रस्तावक के रूप में वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित कई बड़े नेता मौजूद थे। आदित्य साहू के प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए जो प्रस्तावक बने हैं, उनमें बाबूलाल मरांडी, कड़िया मुंडा, रघुवर दास, चंपाई सोरेन, मधु कोड़ा, समीर उरांव, अर्जुन मुंडा, रबींद्र राय, दीपक प्रकाश, यदुनाथ पांडे और पशुपतिनाथ सिंह आदि शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में एक मात्र नामांकन प्राप्त हुआ है। ऐसे में आदित्य साहू के अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। पार्टी के निर्वाचन पदाधिकारी जुएल उरांव ने निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के नाम की घोषणा 14 जनवरी को दोपहर 2 बजे की जाएगी। आदित्य साहू वर्तमान में पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हैं। प्रदेश भाजपा कार्यालय में चल रहे निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान प्रदेश अध्यक्ष के अलावे राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के 21 पदों के लिए 21 नामांकन दाखिल किए गए हैं। इस तरह से राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी निर्वाचन महज एक औपचारिकता रह गई है।

अपने कार्यों से 'फाइटर मैन' बने एसपी अंजनी अंजन

नवीन सिन्हा / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। मधुर भाषी, सख्त प्रशासक और निडर नेतृत्व के लिए पहचाने जाने वाले एसपी अंजनी अंजन को आमजन और पुलिस महकमे में लोग आज 'फाइटर मैन' कहकर पुकारते हैं। इसका कारण कम समय में प्रभावी कार्यशैली, ठोस निर्णय और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। अपने कार्यकाल के दौरान एसपी अंजनी अंजन ने जिले में अपराध पर मजबूत नियंत्रण स्थापित किया है। उनकी रणनीति इतनी प्रभावी मानी जा रही है कि अपराधी अपराध तो कर लेता है लेकिन दो-चार दिनों की मस्ती के बाद खुद को कटघरे में खड़ा पाता है। तेज अनुसंधान, तकनीकी निगरानी और त्वरित कार्रवाई से अपराधियों के हौसले पूरी तरह पस्त हुए हैं। एसपी अंजनी अंजन की सबसे बड़ी ताकत टीम के साथ बेहतरीन समन्वय है। वे

कम समय में हासिल की बड़ी उपलब्धि

अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों के साथ लगातार संवाद में रहते हैं जिससे फील्ड लेवल पर कार्रवाई तेज, सटीक और परिणामोन्मुख होती है। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ कानून-व्यवस्था, जनता की सुरक्षा और पुलिस की छवि सुधारने पर भी उन्होंने विशेष फोकस किया है। हाल ही में जेल ब्रेक की घटना के बाद फरार अपराधियों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजना एसपी अंजनी अंजन के नेतृत्व में हजारीबाग पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। यह कार्रवाई न सिर्फ हजारीबाग बल्कि पूरे झारखंड और देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। अंतरराज्यीय समन्वय, सटीक खुफिया सूचना और तेज कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि कानून से बच निकलना अब आसान नहीं रहा। कुल मिलाकर एसपी अंजनी अंजन का कार्यकाल यह प्रमाणित करता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, स्पष्ट रणनीति और मजबूत टीमवर्क से कम समय में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। इसीलिए वे आज जनता के बीच पूरे सम्मान के साथ 'फाइटर मैन' के नाम से जाने जाते हैं।

चौपारण थाना क्षेत्र में अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई, 10 एकड़ में लगी फसल नष्ट

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुरानिया में पुलिस एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर 13 जनवरी 2026 को चलाए गए इस अभियान में लगभग 10 एकड़ क्षेत्रफल में अवैध रूप से लगी अफीम की फसल को चिन्हित कर मौके पर ही पूर्णतः विनष्ट कर दिया गया।

अभियान के दौरान घटनास्थल से 4 डिलीवरी पाइप बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों के नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान के उपरांत उनके विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है। इस संयुक्त अभियान में एसडीपीओ बरही श्री अजित कुमार बिमल, पु०नि० श्री चंद्रशेखर (बरही अंचल), थाना प्रभारी चौपारण सरोज सिंह चौधरी, रक सुनील कुमार सिंह, अरक बदल महतो, सशस्त्र बल एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मी शामिल थे। पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त एवं निरंतर कार्रवाई जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है।

चतरा में अफीम व उग्रवाद पर करारा प्रहार : अविनाश कुमार का प्रभावशाली सेवा-सफर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। झारखंड पुलिस के कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और प्रभावी अधिकारी अविनाश कुमार ने अपने सेवा-काल में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनविश्वास की मिसाल कायम की है। चतरा में एसडीपीओ रहते हुए उन्होंने अफीम के अवैध कारोबार के विरुद्ध बड़ी और निर्णायक कार्रवाइयाँ कीं। उनके नेतृत्व में चले सघन अभियानों से न केवल अफीम तस्करी पर करारा प्रहार हुआ, बल्कि जिले में सक्रिय उग्रवादियों के खात्मे में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई।

अविनाश कुमार आम आदमी का भरोसा जीतने में लगातार सफल रहे हैं। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वे एक ओर आमजनों के लिए सहज, सुलभ और संवादप्रिय रहते हैं, वहीं दूसरी ओर अपराधियों के लिए उनका रुख सख्त और बेखौफ रहता है। इसी संतुलित लेकिन दृढ़ दृष्टिकोण के कारण वे जनता और पुलिस महकमे—दोनों में भरोसेमंद अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं। कानून-व्यवस्था को संभालने में उनकी महारत सर्वविदित है; चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में त्वरित निर्णय, मजबूत रणनीति और टीम के साथ बेहतरीन समन्वय से उन्होंने कई संवेदनशील हालातों को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया। उनका प्रेरणादायी सेवा-सफर पीटीसी (Police Training Centre) से प्रशिक्षण लेकर शुरू हुआ। इसके बाद सराइकेला में प्रोबेशनर के रूप में तैनाती के दौरान उन्होंने फील्ड पुलिसिंग में दक्षता दिखाई। आगे चलकर जगुआर (STF) में सेवा के दौरान उग्रवाद-रोधी अभियानों में महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किया। बरही रउढड के रूप में उन्होंने कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जन-संपर्क में संतुलित व संवेदनशील नेतृत्व का परिचय दिया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री सुरक्षा (CM Security) की जिम्मेदारी संभालते हुए उच्च-स्तरीय सुरक्षा प्रबंधन में भरोसा कायम किया और फिर सेराइकेला रउढड रहते हुए प्रशासनिक समन्वय को मजबूती दी। उनकी सेवाएँ JAP-2, चतरा SDPO तथा आगे चलकर JAP-2 में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (Addl SP) के रूप में भी उल्लेखनीय रहीं, जहाँ उन्होंने बल प्रबंधन, प्रशिक्षण और ऑपरेशनल तत्परता को नई दिशा दी। अपने उत्कृष्ट नेतृत्व, अनुशासन और मानवीय व्यवहार के बल पर अंततः उन्हें JAP 7 का कमांडेंट नियुक्त किया गया। JAP-7 में उनके कार्यकाल के दौरान प्रशिक्षण, परेड, अनुशासन और कार्यसंस्कृति पर विशेष जोर दिया गया, जिससे बटालियन की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। कुल मिलाकर, अविनाश कुमार का यह संयुक्त सफर—चतरा में अपराध व उग्रवाद पर निर्णायक कार्रवाई से लेकर JAP-7 कमांडेंट के रूप में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण तक—यह सिद्ध करता है कि कठोर कर्तव्यबोध के साथ सौम्य व्यवहार किसी भी अधिकारी को प्रभावी और जनप्रिय बनाता है।

बिरसा विस्थापित यूनियन ने एनटीपीसी पगार साइडिंग पर की अनिश्चितकालीन नाकेबंदी की घोषणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी हजारीबाग। चट्टी बारियातू पंचायत अंतर्गत एनटीपीसी पगार साइडिंग के बाहर बिरसा विस्थापित यूनियन के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को और तेज हो गया। धरने के 14 दिन बीत जाने के बावजूद जिला प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं किए जाने पर यूनियन ने अनिश्चितकालीन संपूर्ण नाकेबंदी आंदोलन की घोषणा की।

धरना स्थल पर आयोजित प्रेस वार्ता में यूनियन ने एनटीपीसी प्रबंधन के समक्ष 18 सूत्री मांगें रखीं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष योगेंद्र साव ने कहा कि झारखंड जल, जंगल और जमीन की लड़ाई से बना राज्य है, लेकिन आज यह संघर्ष ग्रामीणों के अस्तित्व और पहचान से जुड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोयला खनन के नाम पर कंपनियों ने भोले-भाले ग्रामीणों से जमीन ली, लेकिन भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम 2013 के तहत न तो उचित मुआवजा दिया गया और न ही प्रभावित परिवारों का पुनर्वास किया गया। योगेंद्र साव ने कहा कि जब आदिवासी, दलित, शोषित-वंचित और असहाय परिवार अपने अधिकारों की मांग करते हैं, तो उन्हें न्याय देने के बजाय फर्जी मामलों में फंसा कर जेल भेज दिया जाता है। विकास के नाम पर हो रहे अत्याचार और शोषण से ग्रामीणों का जीवन नारकीय बन गया है। भय और दहशत के माहौल में स्थानीय भू-रैयतों के बच्चे दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। उन्होंने प्रदूषण और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि क्षेत्र में उड़ती धूल और जहरीली हवा ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। तेज रफ्तार हाईवा वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों की जान जा रही है। इन सभी समस्याओं को लेकर यूनियन ने एनटीपीसी से 18 सूत्री मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। प्रेस वार्ता में यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष योगेंद्र साव के अलावा रामकुमार दुबे, मुहम्मद मजहर अंसारी, मोहम्मद जिलानी, शंकर राणा, शोयब, पारसनाथ महतो, रमनी देवी, सुनीता देवी सहित दर्जनों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

14 को सरिया में महासंघ का 22वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का होगा आयोजन : रूपांशु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रत्येक साल की भांति इस वर्ष भी सरिया+2 हाई स्कूल मैदान में संघ का 22 वाँ स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है राज्य का पहला ऐसा प्रखंड सरिया बगोदर ही है जहां प्रत्येक साल संगठन का स्थापना दिवस विगत 2004 से मनाया जा रहा है इस अवसर पर सरिया बगोदर के सभी सहायक अध्यापकों का जुटान सरिया में होने जा रहा है इसके साथ ही जिले भर के सभी सहायक अध्यापक अपने संघ का 22 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे महासंघ पारा शिक्षकों का क्रांतिकारी व हितार्थ संगठन के नाम से अपना अस्तित्व स्थापित किया है जो बिल्कुल अपने हक और अधिकार के लिए लगातार संघर्षरत है।

गिरिडीह पुलिस व आम जनता के मध्य समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने की कड़ी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के द्वारा सरिया थाना अंतर्गत अमनारी पंचायत के बिरहोर कॉलोनी में जाकर जरूरतमंद लोगों के बीच ठंढ से बचाव के लिए कंबल एवं अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया एवं बिरहोर समुदाय के लोगों से भेंट कर उनके समस्याओं से अवगत हुए तथा गिरिडीह पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के साथ अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बगोदर-सरिया एवं संबंधित थाना ओ०पी० प्रभारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बगोदर-सरिया के कार्यालय में सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया एवं विधि व्यवस्था की समीक्षा कर कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया गया।

गिरिडीह में राधास्वामी संगठन का व प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिवस वार्षिकोत्सव मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा के सशक्त नेतृत्व में राधास्वामी संगठन द्वारा वार्षिक उत्सव एवं प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिवस भव्य और ऐतिहासिक रूप से मनाया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा के जन्मदिवस पर किया गया एक महत्वपूर्ण वादा 70% सहयोग पर वाहन सहयोग प्रदान करनेश पूरा किया गया वंही मौके पर जिन कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों को वाहन सहयोग का आश्वासन दिया गया था।

उन्हें संगठन द्वारा वाहन उपलब्ध करा दिए गए, जिससे हजारों परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस वजह से यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बना। इस कार्यक्रम में देशभर से राधास्वामी संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से दीपक शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की गरिमा को और ऊँचाई प्रदान की प्रकाश सहाय सीनियर एडवोकेट एवं जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष, गिरिडीह की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन ने आयोजन को विधिक और सामाजिक दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाया।

रामकृष्ण महिला महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द की जयंती मनाई गई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रामकृष्ण महिला महाविद्यालय गिरिडीह में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस यूनिट 1 और 2 तथा एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण कर किया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ के. एन. शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवाओं को शिक्षित, आत्मनिर्भर,और आध्यात्मिक रूप से जागरूक करना चाहते थे। उन्होंनेकहा कि छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी अनुशासन, सेवा, और शिक्षा ही देश के विकास की प्रमुख आधार है। कार्यक्रम में एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ संजीव कुमार सिन्हा, प्रो नम्रता तिर्की और एनसीसी सीटीओ डॉ पूनम प्रभा मुंडू , डॉ आतिश रंजन प्रो. दीपिका कुमारी,डॉ मनीषा रतन होरो चिंता देवी,प्रतिमा देवी, तथा छात्राएं उपस्थित थे।

चट्टीबारियातु कोल माइंस का प्रदूषण बना आदिम जनजाति बिरहोर के अस्तित्व पर संकट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ बीमारियाँ बढ़ीं, फसलें नष्ट, जंगल उजड़े–राहत और कार्रवाई की मांग तेज

केरेडारी (हजारीबाग)। चट्टीबारियातु क्षेत्र में संचालित कोल माइंस से फैल रहा प्रदूषण अब गंभीर मानवीय संकट का रूप ले चुका है। इसका दुष्प्रभाव केवल सामान्य ग्रामीणों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि क्षेत्र में निवास करने वाली आदिम जनजाति बिरहोर भी इसकी चपेट में आ गई है। खनन कार्यों से उड़ने वाली कोयले की धूल, जहरीला धुआं और दूषित जल ने इस अत्यंत संवेदनशील समुदाय के स्वास्थ्य, खेती और पारंपरिक जीवनशैली को गहरे संकट में डाल दिया है।

पहले से ही सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर बिरहोर समुदाय अब लगातार बढ़ती बीमारियों से जूझ रहा है। समुदाय के लोगों के अनुसार खांसी, सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन, त्वचा रोग तथा बच्चों में कमजोरी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उचित इलाज, नियमित स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है।

प्रदूषण का सीधा असर उनकी आजीविका पर भी पड़ा है। जंगल, जो बिरहोर समुदाय की जीवनरेखा है, खनन गतिविधियों और प्रदूषण के कारण लगातार नष्ट हो रहा है। जंगल से मिलने वाले कंद-मूल, फल और लकड़ी की उपलब्धता घटती जा रही है। वहीं, सीमित स्तर पर की जाने वाली खेती भी कोयले की धूल और दूषित पानी के कारण प्रभावित हो रही है, जिससे फसलें खराब हो रही हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ बिरहोर समुदाय ने प्रशासन से मांग की है कि खनन कंपनियों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए। साथ ही प्रभावित परिवारों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, फसल क्षति का मुआवजा और वैकल्पिक रोजगार की सुविधा सुनिश्चित की जाए।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते आदिम जनजाति बिरहोर को राहत नहीं दी गई, तो उनकी सेहत के साथ-साथ उनका अस्तित्व भी गंभीर खतरे में पड़ सकता है। प्रशासन की ओर से मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया है। चट्टीबारियातु कोल माइंस से उत्पन्न प्रदूषण अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट बन चुका है, जिसकी सबसे बड़ी मार आदिम जनजाति बिरहोर झेल रही है। अब आवश्यकता है त्वरित, ठोस और प्रभावी कार्रवाई की।

मकर संक्रांति पर सेवा की मिसाल : बिरहोर परिवारों संग पर्व की खुशियां बांटते आपदा मित्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ चुड़ा-गुड़ से लेकर शिक्षा सामग्री तक का वितरण, पांच वर्षों से जारी है निःस्वार्थ सेवा

चौपारण, हजारीबाग। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर मानवीय संवेदना और सामाजिक दायित्व की एक प्रेरक तस्वीर देखने को मिली, जब आपदा मित्र सेवा फाउंडेशन एवं चौपारण क्वींस की टीम ने आदिम जनजाति बिरहोर परिवारों के बीच पहुँचकर पर्व की खुशियाँ साझा कीं। कठंबा क्षेत्र में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री के साथ-साथ बच्चों के लिए उपयोगी शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई।

कार्यक्रम के दौरान बिरहोर बच्चों को बिस्कुट, मिक्चर, पतंग, धागा, कॉपी, पेंसिल और रबर प्रदान किए गए, जबकि प्रत्येक परिवार को मकर संक्रांति के पारंपरिक प्रसाद स्वरूप चुड़ा-गुड़ एवं तिलकुट दिया गया। इस आत्मीय पहल से बिरहोर परिवारों के चेहरों पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। आपदा मित्रों ने बताया कि वे बीते पाँच वर्षों से अपनी खुशियाँ जरूरतमंदों के साथ बाँटते आ रहे हैं और पर्व-त्योहारों को सेवा के माध्यम से मनाने की यह परंपरा आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उनका कहना है कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के साथ खड़े रहना ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है। इस पुनीत कार्य में चौपारण क्वींस की टीम की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय राणा, व्यवसायी अनिल केशरी, सुधीर केशरी, प्रमोद केशरी, संतोष केशरी, कुंदन केशरी, विवेक कुमार एवं शिक्षक बद्दी उज्जमा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। वितरण कार्यक्रम के दौरान जिप भाग-3 प्रतिनिधि सुधीर कौशल, प्रकाश केशरी, बिक्रम सिंह राठौड़, महेश यादव, अध्यक्ष बिनोद स्वर्णकार, सचिव शशि शेखर, दिलीप राणा, हेमंत साहु, मनीष साहु तथा आपदा मित्र एंबुलेंस चालक शक्ति चंद्रवंशी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मकर संक्रांति के अवसर पर की गई यह पहल न केवल पर्व की खुशियाँ बाँटने का माध्यम बनी, बल्कि समाज के प्रति संवेदना, सेवा और समर्पण का सशक्त संदेश भी दे गई।

बाल तस्करी का शिकार होने से चार नाबालिग बचाये गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ बनवासी विकास आश्रम, आरपीएफ की मदद बाल तस्कर कानून के गिरफ्त में

गिरिडीह। जस्ट रायट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठन बनवासी विकास आश्रम, गिरिडीह, आर पीफ एफ सरिया तथा आभा की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से चार नाबालिग बच्चों को बाल तस्करी के संभावित खतरे से सुरक्षित बचा लिया गया।

यह मामला 13 जनवरी 2026 का है, बाल तस्करी की की सुचना कोडरमा चाइल्डलाइन द्वारा बनवासी विकास आश्रम, गिरिडीह के कार्यक्रम समन्वयक उत्तम कुमार को दी गई सूचना मिलते ही उत्तम कुमार ने मामले की गंभीरता को समझते हुए रेलवे सुरक्षा बल रपफ हजारीबाग रोड को तत्काल अवगत कराया। इसके पश्चात RPF द्वारा ट्रेन संख्या 12365 के OXe–5 कोच में संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार नाबालिग बच्चों एवं एक वयस्क व्यक्ति (तस्कर) को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के दौरान पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम पिंटू राठौड़, पिता लालन राठौड़, निवासी नदीयावां थाना काको, जिला जहानाबाद बिहार बताया बच्चों की उम्र लगभग 3 से 8 वर्ष के बीच पाई गई। पूछताछ के दौरान बच्चों के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर मामले को संदिग्ध मानते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु बाल कल्याण समिति, गिरिडीह भेजा गया रेस्क्यू किए गए सभी नाबालिग बच्चों को सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान करते हुए बाल कल्याण समिति सीडब्लूसी गिरिडीह के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अडानी फाउंडेशन की पहल से गोंदुलपारा की तीन बालिकाएं बनेंगी फायर फाइटर, चार युवकों का राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी में चयन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

■ नागपुर में छह माह की निःशुल्क प्रोफेशनल ट्रेनिंग, प्रशिक्षण उपरांत रोजगार में भी मिलेगा सहयोग

हजारीबाग। अडानी फाउंडेशन द्वारा गोंदुलपारा खनन परियोजना से प्रभावित परिवारों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। इस पहल के तहत परियोजना क्षेत्र की तीन बालिकाओं का चयन फायर फाइटिंग प्रोफेशनल ट्रेनिंग के लिए किया गया है, जबकि गोंदुलपारा एवं चंदौल पंचायत के चार युवकों का चयन अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण के लिए हुआ है।

चयनित तीनों बालिकाओं में दो गाली गांव तथा एक चंदौल गांव की निवासी हैं। अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से इन छात्राओं को नागपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग में छह माह की निःशुल्क प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जा रही है। यह प्रशिक्षण फायर फाइटिंग, फायर सेफ्टी, रेस्क्यू ऑपरेशन एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित है। तीनों छात्राएँ प्रशिक्षण के लिए नागपुर पहुंच चुकी हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद अदाणी फाउंडेशन द्वारा इन बालिकाओं को फायर एंड सेफ्टी विभाग में रोजगार दिलाने हेतु भी सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और सुरक्षित करियर की ओर आगे बढ़ सकें। वहीं गोंदुलपारा एवं चंदौल पंचायत से चयनित चार युवकों को अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी में तीन माह की निःशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात उन्हें रोजगार से जोड़े जाने की भी व्यवस्था की जाएगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग देश के प्रतिष्ठित फायर सेफ्टी प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल है, जहां आधुनिक उपकरणों के माध्यम से प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाती है। इस कोर्स के बाद उद्योग, फैक्ट्री, पावर प्लांट, माइनिंग, एयरपोर्ट एवं बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों में फायर एंड सेफ्टी से जुड़े रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होते हैं। उल्लेखनीय है कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा हजारीबाग जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, खेल एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े अनेक सीएसआर कार्यक्रम लगातार संचालित किए जा रहे हैं। गोंदुलपारा परियोजना क्षेत्र में यह पहल विशेष रूप से बेटियों और युवाओं के उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल पहुंचे पश्चिम बंगाल के शिक्षाविद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ शिक्षाविदों से मिले मार्गदर्शन से हमारी शिक्षा प्रणाली और मजबूत होगी : प्राचार्य

बरही हजारीबाग। बरही प्रखंड अंतर्गत देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में पश्चिम बंगाल से आए शिक्षाविदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य कैलाश कुमार ने सभी अतिथियों का गुलदस्ता भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान शिक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राममोहन मिशन स्कूल, कोलकाता के प्राचार्य सुजय बिस्वास ने किया।

प्रतिनिधिमंडल में अनिमेष कुमार डे डायरेक्टर, गुरुकुल विद्या मंदिर, जोका कोलकाता, पूर्व प्राचार्य आर्मी पब्लिक स्कूल, बीकेपी कैंट, प्रो. जे. चक्रवर्ती सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, शोभन दत्ता एडवोकेट एवं कंसल्टेंट, राजीव मजूमदार सीनियर एग्जीक्यूटिव एवं संजय बिस्वास सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान आधुनिक शिक्षा प्रणाली, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, नैतिक शिक्षा और डिजिटल लर्निंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी ने कहा कि श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहा है।

प्रियंका हत्याकांड में शामिल तीन और आरोपी धराए

पहले ही प्रेमिका के साथ पति कर चुका है सरेंडर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के तुकबेरा में 25 वर्षीया प्रियंका देवी उर्फ पूजा देवी की हत्या के मामले में पुलिस ने पति व उसकी प्रेमिका समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए 40 हजार रुपए की सुपारी दी थी। जान से मारने के बाद सभी मिलकर प्रियंका देवी के शव को प्रेमिका द्वारा खुदवाए गए एक गड्ढे में लाश को दफना दिया। साथ ही वहां पर एक कुत्ते को मारकर फेंक दिया ताकि दुर्गंध फैलने पर लोगों को जानवर के मरने का भ्रम हो जाए व शव दफनाने का राज न खुले। हालांकि, घटना के पांच दिनों बाद पुलिस ने जेसीबी से खुदाई कर महिला के शव को बरामद कर लिया था। दो सुपारी किलर लाला कुमार व गोविंद कुमार व गांव के ही सुनील कुमार को गिरफ्तार किया गया। विश्रामपुर एसडीपीओ आलोक टूटी ने मंगलवार को बताया कि वारदात 28 दिसंबर की रात को की गई थी। प्रियंका को पहले नशे की दवा दी गई। इससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे बाइक पर बैठाकर प्रेमिका गुड्डी देवी के घर तुकबेरा ले जाया गया। वहां मफलर से गला दबाकर प्रियंका की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को पहले से खोदे गए एक गड्ढे में दफना दिया गया था। जांच में सामने आया कि प्रियंका के पति रंजीत मेहता का गुड्डी देवी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। प्रियंका इसका विरोध कर रही थी। इसके कारण दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। एक जनवरी को दंडाधिकारी की उपस्थिति में जेसीबी से खुदाई कर शव बरामद किया गया था। पुलिस के दबाव में प्रियंका के पति रंजीत मेहता व प्रेमिका गुड्डी देवी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। रिमांड पर पूछताछ के बाद पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें दो सुपारी किलर लाला कुमार (26) व गोविंद कुमार (27) शामिल हैं। वहीं, गांव के ही सुनील कुमार ने हत्या में सहयोग किया था। प्रियंका की मां अनिता देवी ने 31 दिसंबर को विश्रामपुर थाने में बेटी के लापता होने की सूचना दी थी। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि महिला की हत्या कर शव को नावाबाजार थाना क्षेत्र के तुकबेरा टोला डेरौवना में एक टावर के पास गड्ढे में दबाया गया है। 1 जनवरी को दंडाधिकारी की उपस्थिति में जेसीबी से खुदाई कर शव बरामद किया गया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया मफलर, मोबाइल फोन व मोटरसाइकिल भी जब्त कर लिया है। सनसनीखेज हत्याकांड के सभी पांचों आरोपी न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए हैं।

कपड़ा कारोबारी से मांगी एक करोड़ की रंगदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला में एक बड़े कपड़ा कारोबारी से अपराधी प्रिंस खान ने एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। प्रिंस खान ने व्हाट्सएप कॉल व मैसेज के माध्यम से कपड़ा कारोबारी को धमकी देते हुए रंगदारी की मांग की है। कपड़ा कारोबारी का प्रतिष्ठान मेदिनीनगर पंचमुहान के इलाके में है। इस मामले को लेकर पीड़ित कपड़ा कारोबारी ने पूरे मामले की शिकायत शहर थाना पुलिस से की है। पुलिस ने शिकायत आने के बाद मेदिनीनगर टाउन थाना में अपराधी प्रिंस खान के खिलाफ एफआइआर दर्ज किया है। मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार में पूरे मामले की पुष्टि की है। थाना प्रभारी ने बताया कि रंगदारी व धमकी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूरे मामले में अनुसंधान शुरू किया गया है। कारोबारी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस पूरे मामले में छापेमारी कर रही है। प्रिंस खान ने इंटरनेशनल नंबर से कपड़ा कारोबारी को व्हाट्सएप कॉल किया है। साथ ही व्हाट्सएप मैसेज भेजा है। व्हाट्सएप मैसेज व कॉल में पलामू के एक गैंगस्टर का जिक्र किया है। कहा है कि वह भी उसे नहीं बचा पाएगा। दरअसल, पलामू पुलिस ने प्रिंस खान से जुड़े हुए तीन शूटरों को कुछ दिनों पहले गिरफ्तार किया था। शूटरों से कुवैत में बैठा एक व्यक्ति प्रिंस खान के तरफ से संपर्क किया था। इससे पहले प्रिंस खान ने पलामू के एक सोना कारोबारी से एक करोड़ की रंगदारी मांगी थी। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान के शूटरों को पकड़ लिया था। इस दौरान हथियार भी बरामद हुए थे। सोना कारोबारी के बाद यह दूसरा मामला है कि पलामू में प्रिंस खान ने रंगदारी की मांग की है।

चोरों का अंतर्राज्यीय गैंग, मां-बेटे समेत पांच गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू पुलिस ने चोर के अंतर्राज्यीय गैंग को गिरफ्तार किया है। गैंग से जुड़े पांच सदस्यों को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर प्रेस के समक्ष प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार सदस्यों में मां बेटे भी शामिल हैं। ये गिरोह झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के इलाके में चोरी के घटनाओं को अंजाम देते थे। दरअसल, पलामू में चैनपुर के इलाके में थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा के नेतृत्व में कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों के पास कुछ चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार मिले। थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने सभी से पूछताछ की। इसके बाद पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुलिस ने गिरोह से जुड़े हुए मेदिनीनगर के कुंड मोहल्ला के रहने वाले राजा कुमार उर्फ राजा डोम, लक्की कुमार, आकाश कुमार, आशु कुमार व सुनीता देवी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार गिरोह के पास से पुलिस ने 30 ग्राम सोने के जेवर व 350 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। तस्करों के पास से पुलिस ने लोहे के कई उपकरण को बरामद किया है। उपकरण ताला व गेट तोड़ने में इस्तेमाल होता था। चोरों का अंतर्राज्यीय गैंग किसी भी तरह के मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करता था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरोह के सदस्य नशे के आदि हैं। दिन में यह घूमते हैं। खाली घरों को खोजते है। रात में गिरोह का सदस्य खाली घर को निशाना बनाते हैं व चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। गिरोह के सदस्य स्थानीय जेवर के कारोबार को चोरी की सामग्री को बेच देते हैं। कई मामलों में पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि रांची के अपर बाजार के इलाके में सोने के जेवरात को बेचा गया है। एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि पुलिस ने पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सदस्यों में एक महिला है, जो मास्टरमाइंड की मां है। गिरफ्तार एक सदस्य का बहन भी गिरोह में शामिल है। इसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार सदस्यों ने उत्तर प्रदेश, गढ़वा व पलामू के इलाके में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। बताया कि 24 चोरी के घटनाओं का उद्भेदन हुआ है। 15 अगस्त को राजा व आकाश जेल से निकले थे बाहर गिरोह के सदस्यों का सीसीटीवी उत्तर प्रदेश व कई इलाकों में चोरी के दौरान कैद हुए हैं। 15 अगस्त को राजा व आकाश जेल से बाहर निकले थ। इसके बाद चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। छापेमारी में डीएसपी राजीव रंजन, इंस्पेक्टर पूनम टोप्पो, ज्योतिलाल रजवार, चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे।

लिलिपुट स्कूल में लोहड़ी व मकर सक्रांति का किया गया ग्रैंड सेलिब्रेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। नावाटोली स्थित लिलिपुट स्कूल में मंगलवार को लोहड़ी व मकर सक्रांति का त्योहार भव्य रूप से मनाया । सभी बच्चों ने एक साथ लोहड़ी के गीतों पर भांगड़ा डांस किया। लोहड़ी की परंपरा के अनुसार आलाव के पास बच्चों ने सरसों, रेवड़ी, गुड़, मकई, चूड़ा डालकर पवित्र अग्नि के चारों तरफ परिक्रमा की। स्कूल की प्राचार्या रेणु गोयल ने कहा कि परिक्रमा कर हम अपनों के लिए दुआ मांगते हैं। एक दूसरे को गले लगाकर लोहड़ी की बधाई देते हैं।लोहड़ी का त्यौहार सभी मोहल्लों में बड़े हर्ष के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत मन्नत सिंह बग्गा ने अरदास करके की। उन्होंने लोहड़ी का इतिहास बताया कि कैसे पंजाब के नायक दुल्ला भट्टी ने लड़कियों की खरीद- बिक्री का विरोध किया। उन्हें सम्मानपूर्वक विवाहित जीवन जीने का अधिकार दिलवाया। इस विजय गाथा को लोहड़ी के गीतों में गाया जाता है व दुल्ला भट्टी को याद किया जाता है । सभी बच्चे व शिक्षक -शिक्षिकाओं ने पंजाब की परंपरागत वेशभूषा में बहुत प्यारे लग रहे थे। लोहड़ी के गीतों पर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी भांगड़ा किया। साथ ही साथ स्कूल प्रबंधन सदस्य अनुज सिंह मकर सक्रांति के अवसर पर बच्चों के साथ पतंग उड़ाते नजर आए। बच्चों ने खूब एंजॉय किया। स्कूल के डायरेक्टर राजीव गोयल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से हमारा मकसद सभी धर्मों के त्यौहार के बारे में जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि यह समय किसानों के लिए उल्लास का समय होता है। क्योंकि खेतों में अनाज की फसलें लहलहाने लगती है। इसे किसान सबसे पहले अग्नि को समर्पित कर भगवान से आशीर्वाद लेते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष रूप से मन्नत सिंह, श्याम तिवारी, फलक आफरीन, अश्विनी कुमार, निधि, गणेश, तनु, करनाली, लक्ष्मी, मेघा, दीक्षा, जानवी, सपना, मुस्कान, आंचल, नैंसी, ईशा विशेष रूप से सक्रिय रहे। मौके पर आंचल, आयुषी, वंशिका, पलक, नगमा, राजनन्दिनी, नमिता, इशिता, तृप्ति, शिखा व दूर्गा सभी शिक्षक -शिक्षिकाएं शामिल थे ।

आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन लगाने से बच्चों की प्रतिभा में आता है निखार : प्राचार्य रेणु

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन लगाने से बच्चों की प्रतिभा में निखार आता है।

उक्त बातें स्थानीय बैरिया स्थित कैलाश कुसुम पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रेनू गुप्ता ने कही। वे कैलाश कुसुम पब्लिक स्कूल परिसर में लगे इन्द्रधनुष प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणु गुप्ता व निदेशक विनोद कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की आराधना के पश्चात फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। आयोजन में विद्यालय के वर्ग एलकेजी से वर्ग 10वीं तक के सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल अभिभावकों ने प्रदर्शनी का काफी साराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक दिनेश कुमार, सतीश सिंह, अशोक पाण्डेय, धनंजय सिंह, सत्येन्द्र कुमार; सुनिल सिंह, अनिल कुमार, अनिता देवी, चंदा पाण्डेय, रूपा कुमारी, स्वाति, हर्षिता व रिया ने छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया। प्रदर्शनी में बच्चों ने श्रीराम मंदिर, इंडिया गेट, स्वचालित सीड़ी, माइक्रोस्कॉप, क्ले पेंटिंग, ग्लिटर पेंटिंग, सोलर सिस्टम, चंद्रयान, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, कूलर व हीटर आदि का निर्माण किया था। कक्षा दसवी के बच्चों ने अनेक रचनात्मक कला कृतियां प्रदर्शित किए। इसमें अतिशय राज ने मिनी कुलर बनाया। अभिनव पाण्डेय ने मिनी पवन चक्की बनाया। रौशन मेहता ने मिनी स्टेयर लाइट बनाया। कक्षा नवम के छात्र-छात्राओ ने पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट के अलावा साइंस प्रोजेक्ट पर आधारित वस्तुओं बनाकर प्रदर्शित किया। इरफान ने रेन वाटर हारवेस्टिंग, विशाल ने वाटर प्यूरीफायर, किशन व रिशु ने एयर प्यूरीफायर, हर्षित सिंह नाम माइक्रोस्कोप, आकाश ने भूकंप मापी यंत्र बनाया गया।

पार्टी को बूथ स्तर से अधिक सक्रिय बनाने को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के कासमा रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में रफीगंज विधानसभा क्षेत्र के सातों मंडलों की संयुक्त संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त, सक्रिय और प्रभावी बनाना रहा। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष सह प्रखंड कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू ने की, जबकि संचालन वार मंडल अध्यक्ष मिथिलेश राम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा प्रभारी अनीता सिंह तथा जिला मंत्री सुबोध कुमार सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर, दीप प्रज्वलन तथा राष्ट्रगान और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुई। इसके बाद संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भाजपा को विधानसभा क्षेत्र में और अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को समन्वय के साथ सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ पर 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से आयोजित किया जाए। साथ ही विकसित भारत और श्रीराम से जुड़े कार्यक्रमों के लिए संयोजक नियुक्त कर जनसंपर्क अभियान को और तेज किया जाए।

एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज(औरंगाबाद)। रफीगंज पुलिस ने न्यायालय द्वारा वारंट निर्गत के आलोक में हरिहरगंज धीरेंद्र राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि औरंगाबाद न्यायालय द्वारा निर्गत हुई थी उसी के आलोक में गांव से ही धीरेंद्र को हिरासत में लेकर औरंगाबाद न्यायालय में पेश किया गया।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के कार्यक्षेत्र के अधीन) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **एनआईटी सं. 245_2025-26, कार्य का विवरण** : एईएन/लिलुआ के तहत लिलुआ वर्कशॉप कैंपस में ट्रैक लोडिंग, पी. वे सामग्री के स्टैकिंग और अन्य संबंधित सहायक कार्यों में सुधार के संबंध में विशेष कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु.75,06,474.76, **बयाना राशि:** रु. 1,50,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** शून्य। **समापन अवधि:** 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 27.01.2026 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान : ई-निविदा प्रणाली के मामले में बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-530/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के कार्यक्षेत्र के अधीन) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **एनआईटी सं. 247_2025-26, कार्य का विवरण:** सेवड़ाफुली से बिष्णुपुर सहित बेलुड़ से हुगली तक विभिन्न लेवल क्रॉसिंग गेट के बीसीएम कार्य के बाद लेवल क्रॉसिंग रोड की सतह की मरम्मत और लेवल क्रॉसिंग गेट की अन्य सहायक बुनियादी संरचना। **अनुमानित मूल्य :** रु.77,95,520.62, **बयाना राशि:** रु. 1,55,900/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** शून्य । **समापन अवधि** : 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 28.01.2026 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान: ई-निविदा प्रणाली के मामले में बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।।

HWH-529/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रामगढ़ में हाथी की मौत, वन विभाग और पुलिस मामले की कर रही जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। गोला वन क्षेत्र के जोरावर गांव में आलू के खेत में एक विशाल हाथी की मौत से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। हाथी के शव के पास खून के निशान हैं। हाथी की मौत की खबर जैसे ही फैली, उसे देखने के लिए आसपास के गांवों से सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते घटनास्थल के पास भारी भीड़ जमा हो गई। गोला पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

मौके पर पहुंचे वनकर्मी और पुलिस

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सुबह जोरावर गांव के आलू के खेत में ग्रामीणों ने हाथी को मृत देखा। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद गोला वन क्षेत्र के अधिकारी और वनकर्मी के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की तहकीकात कर रही है।

पिछले एक महीने में 8 लोगों की हुई मौत

आपको बता दें कि जिले में इन दिनों हथियों का विचरण बड़े पैमाने पर हो रहा है। हाथी गोला, रामगढ़, कुजू, वेस्ट बोकारो इलाके में डेरा जमाए हुए है। हाथियों के हमले से पिछले एक महीने में बड़े पैमाने पर संपत्तियों का नुकसान हुआ है। 8 लोगों की दर्दनाक मौत हाथी के कुचलने से हो चुकी है। लगातार इनके द्वारा फसल भी बर्बाद किया जा रहा है। वन विभाग की टीम हाथियों को सुरक्षित जंगल में भेजने का लगातार प्रयास कर रही है।

रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा

वन विभाग द्वारा हाथी की मौत के कारणों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हाथी की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। विभाग सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रहा है, जिसमें बीमारी, आपसी संघर्ष या अन्य मानवीय कारणों की भी आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। रेंजर आर.के. सिंह ने बताया कि हाथी की मौत को लेकर विभाग गंभीरता से जांच कर रहा है। वन्यजीव संरक्षण के तहत सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही ग्रामीणों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की गई है।

आरजेडी कार्यालय में दही-चूड़ा मिलन समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) कार्यालय में सोमवार को मकर संक्रांति के अवसर पर दही-चूड़ा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष उदय यादव एवं नवादा के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी सरवन कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नेता उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को दही-चूड़ा खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दी। जिला अध्यक्ष उदय यादव ने कहा कि दही-चूड़ा केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रतीक है। ऐसे आयोजन से कार्यकर्ताओं में आपसी सौहार्द बढ़ता है और संगठन और अधिक मजबूत होता है। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा ने कहा कि आरजेडी हमेशा गरीब, किसान और वंचित वर्ग की आवाज उठाती रही है। दही-चूड़ा मिलन जैसे कार्यक्रमों से आम जनता और कार्यकर्ताओं के बीच सीधा संवाद स्थापित होता है। उन्होंने आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के

दौरान संगठनात्मक मुद्दों पर भी चर्चा की गई तथा आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर विचार-विमर्श हुआ। अंत में सभी ने एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: ईएलआईएन/टीआरएस/ बोगी-ओएच/डब्ल्यूएजी7/01, दिनांक: 12.01.2026। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ डीएमई-ईएलआईएन, दक्षिण पूर्व रेलवे, बोकारो स्टील सिटी, झारखण्ड-827010 निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या: ईएलआईएन-टीआरएस-बीओजी-ओएच-26-28-03। कार्य का नाम:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, इस्पातनगर के डब्ल्यूएजी7 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की फैब्रिकेटेड सीओ-सीओ बोगी की ओवरहॉलिंग। **मात्रा:** 192 अदद बोगी। **शेड का नाम/स्थान:** इलेक्ट्रिक लोको शेड/इस्पातनगर, दक्षिण पूर्व रेलवे। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,17,71,566.72। **बयाना राशि:** ₹ 3,08,900। **ठेके की अवधि:** 24 (चौबीस) महीना। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 10.02.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा दस्तावेज का विवरण ई-निविदा पोर्टल पर उपलब्ध है तथा आईआरईपीएस वेबसाइट का यूआरएल www.ireps.gov.in है। (PR-1057)

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा। **ई-निविदा सं.: 248_2025-26 वरिष्ठ डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : एईएन/रामपुरहाट के तहत एसएसई/पी. वे/नलहाटी के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य (स्थान नलहाटी-104/500 से 141/800 (अप और डाउन), 104/500 से 130/0 (रिव), 45/900 से 43/740 (अप, डाउन और कॉमन/एल) एजेड लाइन के बीच)। **अनुमानित मूल्य :** रु.1,18,84,028.93, **बयाना राशि:** रु. 2,09,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** शून्य । **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 02.02.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-531/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अभ्रक खनन को लेकर कांग्रेस की त्रिपक्षीय बैठक, लोगों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। प्रखंड क्षेत्र के बांके मोड़ स्थित अर्चना वाटिका में मंगलवार को राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) द्वारा अभ्रक खनन को लेकर त्रिपक्षीय बैठक की गई।इस दौरान इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह व नवादा जिलाध्यक्ष मनीष कुमार, कांग्रेस के नवादा जिलाध्यक्ष सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह, रजौली प्रखंड अध्यक्ष रामरतन गिरी एवं उपाध्यक्ष मोहन चौधरी भी मौजूद रहे। बैठक में घंटों तक सवैयाटांड़ पंचायत से आए दर्जनों लोगों ने इंटक के प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष अपनी आजीविका से संबंधित परेशानियों को व्यक्त किए।

सवैयाटांड़ में खनन बंद होने से बढ़ी बेरोजगारी

मुख्यालय से सुदूरवर्ती पंचायत सवैयाटांड़ में दर्जनों अभ्रक के खदान बंद होने से ग्रामीणों में भुखमरी हो रही है। अवैध खनन के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई में कई केस दर्ज है और गाड़ियां भी जब्त की गई है। पंचायत के अधिकांश लोग खनन बंद होने के बाद बेरोजगार हो गए हैं।

आधारभूत सुविधाओं से भी वंचित हैं लोग

प्रखंड मुख्यालय से धमनी व बुढ़ियासाख गांव के रास्ते सवैयाटांड़ के लोगों की दूरी लगभग 22 किलोलीटर है। किंतु वन विभाग के अंतर्गत लगभग 4 किलोमीटर लंबे रास्ते खराब होने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। इन रास्तों का निर्माण व मरम्मती का कार्य वन विभाग द्वारा ही किया जाता रहा है। वहीं पंचायत में स्वास्थ्य सेवा बिल्कुल नदारद है। वहीं विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है। बिजली की आपूर्ति निरंतर नहीं होती है।

लोगों में रोजगार की कमी

मनरेगा के तहत पंचायत के बहुत ही कम लोगों को जॉब कार्ड बनाया गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होते जा रही है। बैठक में वरीय पदाधिकारियों से बातचीत कर रोजगार सृजन करने का आश्वासन दिया गया।

कागजातों के लिए रजौली पर है निर्भरता

पूर्व मुखिया मो. इसराइल ने बताया कि पंचायत के अधिकांश लोगों का कामकाज, व्यवसाय, स्वास्थ्य सुविधा, शादी-विवाह, अंतिम संस्कार आदि झारखंड क्षेत्र में होता है। उन्हें रजौली सिर्फ जाति, आवासीय, आय आदि कागजातों के लिए आवागमन करना पड़ता है।

आरा सदर अस्पताल को मिला प्रशस्ति पत्र

समर्पण और पेशेवर दक्षता के साथ टीम ने की मरीजों की सेवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। बिहार में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की सशक्त होती तस्वीर सदर अस्पताल आरा ने पेश की है। भोजपुर जिले के इस प्रमुख अस्पताल में अप्रैल 2025 से सितंबर 2025 के बीच 956 सफल सी-सेक्शन आपरेशन किए गए, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित हुआ है।

यह उपलब्धि राज्यभर के सरकारी अस्पतालों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर सामने आई है। इस उल्लेखनीय सफलता पर बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय ने सदर अस्पताल आरा की मातृ-शिशु देखभाल इकाई को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

मंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों और निरंतर बढ़ते मरीजों के दबाव के बावजूद अस्पताल की टीम ने जिस समर्पण और पेशेवर दक्षता के साथ सेवाएं दी हैं, वह राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र में उल्लेख किया गया है कि जटिल प्रसव मामलों में समय पर लिए गए निर्णय और सुरक्षित सी-सेक्शन आपरेशन से सैकड़ों माताओं एवं नवजात शिशुओं का जीवन सुरक्षित हुआ। यह अस्पताल की चिकित्सकीय क्षमता, अनुशासित कार्यप्रणाली और मानवीय संवेदनशीलता का प्रमाण है।

मंत्री ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि सदर अस्पताल आरा भविष्य में भी मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि सदर अस्पताल आरा अब केवल भोजपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों की गर्भवती महिलाओं के लिए भी सुरक्षित प्रसव का भरोसेमंद केंद्र बनता जा रहा है। बढ़ती मरीज संख्या इस बात का संकेत है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर आम जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

सदर अस्पताल आरा का प्रदर्शन बताता है कि यदि संसाधनों का सही उपयोग और समर्पित टीम हो, तो सरकारी अस्पताल भी मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में निजी संस्थानों से बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

राजस्वकर्मी चढ़ा निगरानी के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। प्रखंड कार्यालय स्थित अंचल कार्यालय में मंगलवार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने कार्रवाई करते हुए अंचल के राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह को 6,500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

निगरानी टीम ने यह कार्रवाई दाखिल-खारिज के नाम पर की जा रही अवैध वसूली की शिकायत के आधार पर की। गिरफ्तार अधिकारी के पास से रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली गई है।

जानकारी के अनुसार, बघेजी गांव निवासी अमरेंद्र साह से 9.30 डिसमिल जमीन की दाखिल-खारिज के लिए राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह द्वारा 6,500 रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। इससे आहत होकर अमरेंद्र साह ने इसकी लिखित शिकायत निगरानी विभाग से की थी।

शिकायत की जांच के बाद निगरानी टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही राजस्व अधिकारी ने अपने चेंबर में रिश्वत की रकम ली, टीम ने छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद एक अन्य ग्रामीण ने भी निगरानी टीम के समक्ष आरोप लगाया कि उससे भी दाखिल-खारिज कराने के लिए 8000 रुपये की मांग की गई थी।

इस बयान के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। निगरानी टीम का नेतृत्व डीएसपी नागेंद्र कुमार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपी राजस्व अधिकारी को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

टीम में डीएसपी अमरेंद्र पांडेय, इंस्पेक्टर संतोष दुबे, मनोज पासवान, अभिषेक कुमार और कुंदन कुमार शामिल थे। निगरानी की इस कार्रवाई के बाद अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया है, वहीं आम लोगों में इस कार्रवाई को लेकर चर्चा का माहौल है।

बेलगाम ट्रैक्टर ने मजदूरों को रौंदा, एक की मौत, एक अन्य घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया जंक्शन स्थित रेलवे मालगोदाम में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मालगोदाम परिसर में अफरातफरी मच गई और कुछ देर के लिए कामकाज पूरी तरह ठप हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही रेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। वहीं, मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंगलवार सुबह मालगोदाम में सीमेंट और अन्य सामान की लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रैक्टर तेज रफ्तार में मालगोदाम परिसर में पहुंचा और वहां काम कर रहे दो मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मजदूर गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना होते ही आसपास मौजूद मजदूर और रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तुरंत घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

हादसे में गंभीर रूप से घायल 55 वर्षीय राजकुमार पासवान को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां अस्पताल में दाखिल होने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

मृतक राजकुमार पासवान गयाजी जिले के चंदौती थाना क्षेत्र के ढकाईन गांव के निवासी थे और पिछले कई वर्षों से रेलवे मालगोदाम में मजदूरी कर रहे थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

वहीं दूसरे घायल मजदूर की पहचान गया जिले के परैया थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव निवासी 32 वर्षीय चितरंजन के रूप में की गई है। हादसे में चितरंजन का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसे काटना पड़ा।

उनकी हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज शहर के एक निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, चितरंजन की स्थिति गंभीर है और लगातार निगरानी में रखा गया है।

घटना की सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही संबंधित थाना की पुलिस भी मालगोदाम पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस ट्रैक्टर चालक और लापरवाही के पहलुओं की जांच कर रही है। हादसे के बाद मजदूरों में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

सौ फीट नीचे खोजा जा रहा खनिज तेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। इटाढ़ी प्रखंड के बसाव खुर्द गांव में खनिज तेल की खोज को लेकर बड़े पैमाने पर सर्वे कार्य चल रहा है।

गांव के विभिन्न खेतों में करीब 15 स्थानों पर लगभग 100 फीट गहरे गड्ढे खोदे गए हैं। इन गड्ढों में सेंसर डाले जाएंगे, जिनके माध्यम से भूगर्भीय जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि जमीन के नीचे खनिज तेल मौजूद है या नहीं। इस कार्य को ऑयल इंडिया कंपनी द्वारा कराया जा रहा है।

हालांकि, खेतों में खुदाई किए जाने से किसानों के गेहूं के पौधे को नुकसान पहुंच रहा है। गड्ढा खोदने के कारण कई जगहों पर गेहूं के पौधे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, जिससे किसान खासे चिंतित नजर आ रहे हैं। पुरुषोत्तम ओझा, बिनोद ओझा, ललन ओझा सहित अन्य किसानों ने बताया कि उनके खेतों में बिना कटाई के ही गड्ढे खोद दिए गए, जिससे फसल को नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि गेहूं उनकी प्रमुख फसल है और इसी पर उनकी आजीविका निर्भर करती है। इधर, इस कार्य में लगी कंपनी ऑयल इंडिया के प्रतिनिधियों ने किसानों को आश्वासन दिया है कि फसल क्षति की भरपाई की जाएगी।

कंपनी की ओर से बताया गया कि गेहूं के पौधों के नुकसान के एवज में किसानों को निर्धारित मुआवजा राशि दी जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि जांच में खनिज तेल की उपलब्धता की पुष्टि होती है, तो सरकार खेत मालिकों से अनुबंध करेगी।

इस अनुबंध के तहत किसानों को भी उचित मुआवजा और लाभ देने की योजना है। फिलहाल किसान मुआवजे की प्रक्रिया और भविष्य की संभावनाओं को लेकर उम्मीद और चिंता दोनों के बीच हैं। ग्रामीणों की मांग है कि सर्वे कार्य के साथ-साथ किसानों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक क्षति न हो।

दही-चूड़ा में घुली राजनीति की मिठास

तेज प्रताप पहुंचे विजय सिन्हा के आवास

राजनीतिक चर्चाओं का दौर हुआ शुरू

राजनीतिक विश्लेषक लगा रहे तरह-तरह के कयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मकर संक्रांति के मौके पर दही-चूड़ा भोज ने इस बार सिर्फ पारंपरिक स्वाद नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में नई हलचल भी परोस दी।

पटना में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के सरकारी आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज उस वक्त सियासी चर्चा का केंद्र बन गया, जब राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजप्रताप यादव अचानक वहां पहुंच गए। उनके पहुंचते ही सत्ता और विपक्ष के बीच की सियासी रेखाएं कुछ देर के लिए धुंधली नजर आने लगीं।

भोज के दौरान एनडीए खेमे से तेजप्रताप यादव को लेकर ऐसे बयान आए, जिसने राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नेता जीतनराम मांझी के बेटे संतोष सुमन ने तेजप्रताप को खुले मंच से एनडीए में शामिल होने का ऑफर दे दिया।

संतोष सुमन ने कहा कि अगर तेजप्रताप यादव एनडीए के साथ आना चाहें, तो उनका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा। उनके इस बयान को विपक्ष में हलचल पैदा करने वाला कदम माना जा रहा है।

इतना ही नहीं, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने भी तेजप्रताप यादव को एनडीए में आने का न्योता दिया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि तेजप्रताप ने दही-चूड़ा भोज का निमंत्रण दिया है, हम उनके यहां खाने जाएंगे।

अगर वे एनडीए में आना चाहते हैं, तो दरवाजे खुले हैं।

रामकृपाल यादव के इस बयान के बाद राजनीतिक विश्लेषक इसे महज भोज नहीं, बल्कि सियासी संदेश के तौर पर देखने लगे हैं। भोज के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा पूरी तरह पारंपरिक और आत्मीय अंदाज में नजर आए। उन्होंने खुद अपने हाथों से मेहमानों को दही-चूड़ा परोसा।

खास बात यह रही कि उन्होंने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को अपने हाथों से मिठाई भी खिलाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी ने भी इसे और खास बना दिया। उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय चौधरी, संतोष सुमन, संजय झा, मंगल पांडे, संजय पासवान, संजय सिंह समेत एनडीए के कई बड़े नेता और मंत्री शामिल हुए।

विजय सिन्हा ने इस मौके पर बीजेपी के साथ-साथ एनडीए के सभी घटक दलों के नेताओं को आमंत्रित किया था।

वहीं, जमुई से आई एक दूसरी तस्वीर ने उत्सव के माहौल में हल्का तनाव भी दिखा दिया। जमुई के सांसद अरुण भारती के दही-चूड़ा भोज में उनके जाने के बाद लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकताओं के बीच खाने को लेकर विवाद हो गया।

कुल मिलाकर, मकर संक्रांति का यह दही-चूड़ा भोज परंपरा से आगे बढ़कर बिहार की सियासत में नए संकेत और संभावनाओं की थाली बन गया, जिसकी चर्चा अभी लंबे समय तक चलने वाली है।

निर्माण कार्यों में हो रही गुणवत्ता की अनदेखी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर निगम क्षेत्र में चल रहे सड़क और नाला निर्माण कार्यों में गंभीर लापरवाही सामने आई है। गुणवत्ता मानकों की अनदेखी और योजनाओं की धीमी प्रगति को लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। सहायक अभियंता ने एक दर्जन संवेदकों को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर संवेदकों के विरुद्ध अनुबंध की शर्तों के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नगर निगम के अभियंताओं द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में निमार्णाधीन योजनाओं का निरीक्षण किया गया, जिसमें कई जगहों पर तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य नहीं पाए गए।

अभियंताओं के अनुसार, न केवल कार्य तय समय सीमा में पूरा नहीं किया जा रहा है, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता भी स्वीकृत अनुमान और तकनीकी विनिदेशों के अनुरूप नहीं है।

जिन संवेदकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है, उनमें ब्रज किशोर साह, सोनी इंटरप्राइजेज, निक्तम देवी, अन्नपूर्णा देवी, अरविंद कुमार, बंगलामुखी इंटरप्राइजेज, विनायक कंस्ट्रक्शन, प्रकाश कुमार, सोनी केडिया और सिटी कंस्ट्रक्शन शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्यों में लापरवाही के कारण स्थानीय लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

सहायक अभियंता ने सभी संवेदकों को तीन कार्यदिवस के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि विनायक कंस्ट्रक्शन द्वारा वार्ड 36 के मोहन नगर मदनानी गली में ब्रजेश सिंह के घर से विपिन सिंह के घर तक पीसीसी सड़क और आरसीसी नाला निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है।

गुड़-तिलकुट की सोंधी महक से गुलजार हुआ बाजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खलारी। मकर संक्रांति का पावन पर्व इस वर्ष 15 जनवरी, गुरुवार को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर खलारी में उत्सव का माहौल बनने लगा है। बाजारों में तिलकुट की सोंधी खुशबू वातावरण में घुलने लगी है और मकर संक्रांति की मिठास चारों ओर फैल गई है। खलारी कोयलांचल में तिलकुट, तिल पापड़ी, रेवड़ी, गजक, तिल लड्डू आदि की दुकानें सज चुकी हैं। कारीगर दिन-रात चीनी और गुड़ से निर्मित तिलकुट, खोया तिलकुट, तिल पापड़ी और रेवड़ी तैयार करने में जुटे हैं। क्षेत्र के प्रमुख बाजार केडी, डकरा, राय, लपरा, धमधमिया, करकट्टा समेत अन्य स्थानों पर तिलकुट की जमकर बिक्री हो रही है। इसके अलावा होटलों और राशन दुकानों में भी तिलकुट की विभिन्न वैरायटी उपलब्ध कराई जा रही है।

स्थानीय उत्पाद के साथ-साथ बाहर से मंगवाए गए तिलकुट की भी बिक्री की जा रही है। इस वर्ष भी तिलकुट पर महंगाई का असर नहीं दिख रहा है।

दुकानदारों के अनुसार चीनी, गुड़, तिल और दूध के दामों में खास बढ़ोतरी नहीं होने के कारण तिलकुट के दाम पिछले वर्ष के समान ही बने हुए हैं। बाजार में तिलकुट 200 रुपए से लेकर 500 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। खुशबू तिलकुट भंडार के संचालक मनोजप्रसाद केशरी ने बताया कि तिल लड्डू 300 रुपए प्रति किलो, चीनी से निर्मित तिलकुट 260 रुपए, गुड़ तिलकुट 280 रुपए, तिल पापड़ी और गजक 300 रुपए, रेवड़ी 120 रुपए पैकेट, खोया तिलकुट 500 रुपए प्रति किलो तथा लाई 25 रुपए प्रति पैकेट की दर से बिक्री की जा रही है।

दुकानदारों और थोक विक्रेताओं ने उम्मीद जताई है कि इस वर्ष अच्छी बिक्री होगी, क्योंकि प्रखंड क्षेत्र में चीनी, गुड़ और तिल की खपत पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हो रही है।

पहाड़ी मंदिर खलारी के पुजारी बृजराज दुबे और खलारी बाजारटांड़ शिव मंदिर के पुजारी संतोषकुमार मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष मकर संक्रांति 15 जनवरी, गुरुवार को मनाई जाएगी। 14 जनवरी, बुधवार की रात 9 बजकर 19 मिनट पर सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ ही सूर्य उत्तरायण होंगे और खरमास का समापन होगा। 15 जनवरी को दोपहर 1 बजकर 03 मिनट तक पुण्यकाल का मुहूर्त रहेगा, इसलिए इसी दिन स्नान, दान और अन्य धार्मिक कार्य किए जाएंगे।

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, दोनों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेडिकल फ्लाईओवर, एनएच-27 के पास हुआ। दुर्घटना की पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

मृतकों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र निवासी विनोद कुमार चौधरी की 19 वर्षीय पुत्री अनुराधा कुमारी और मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र निवासी रामप्रवेश प्रसाद के 25 वर्षीय पुत्र राजीव कुमार के रूप में की गई है। दोनों बाइक पर सवार थे। जानकारी के अनुसार, राजीव कुमार अनुराधा कुमारी को जगन्नाथ मिश्रा कॉलेज से परीक्षा दिलवाकर बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने बाइक को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

मृतका के परिजन आमोद कुमार चौधरी ने बताया कि उनका परिवार पूर्वी चंपारण के राजेपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

एक दिन पूर्व जयंती मनाकर बुरे फंसे नेताजी

कांग्रेस व राजद बोले- मोदी है तो मुमकिन है

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के गौरव और 'माउंटेन मैन' के नाम से दुनिया भर में मशहूर बाबा दशरथ मांझी की जयंती को लेकर सोशल मीडिया पर एक अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई है। अमूमन 14 जनवरी को मनाई जाने वाली उनकी जयंती, इस बार एक दिन पहले यानी 13 जनवरी को ही सुर्खियों में आ गई। बिहार की राजनीति में उस वक्त सुगबुगाहट तेज हो गई जब भाजपा बिहार के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल और पूर्व मंत्री जनक राम के अकाउंट से दशरथ मांझी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि और शुभकामनाएं दी जाने लगीं। देखते ही देखते ये पोस्ट वायरल हो गए और आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए।

दशरथ मांझी का जन्म आधिकारिक तौर पर 14 जनवरी को माना जाता है। ऐसे में एक दिन पहले ही सत्ताधारी दल के बड़े मंचों से दी गई इन शुभकामनाओं ने लोगों को हैरान कर दिया। आमलोगों ने तुरंत इस पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। लोग पूछ रहे हैं कि क्या यह कोई तकनीकी गलती है या फिर दशरथ मांझी की जयंती की तिथि को लेकर कोई नया संशोधन हुआ है।राजनीतिक पंडित इसे जल्दबाजी और सोशल मीडिया टीम की लापरवाही के रूप में देख रहे हैं, जिसने पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है। दशरथ मांझी की जयंती बिहार के स्वाभिमान का प्रतीक मानी जाती है। जब तक तोड़ेंगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहीं

दशरथ मांझी का यह संवाद आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करता है, लेकिन इस बार उनकी जयंती 'तारीखों के फेर' में फंसकर खबरों में आ गई है।

गया जिले के गहलौर के रहने वाले दशरथ मांझी ने 22 साल की अथक मेहनत के बल पर अकेले दम पर पहाड़ को काटकर एक चौड़ा रास्ता बना दिया। सिर्फ एक छेनी और हथौड़े के दम पर 360 फुट लंबा और 30 फुट चौड़ा पहाड़ काट दिया था। अपने इसी भागीरथी प्रयास के जरिए मांझी ने देश दुनिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने दिखाया कि कैसे एक आम आदमी अगर जीवन में कुछ ठान ले तो कुछ भी आसान किया जा सकता है। पहाड़ काटने का ये सिलसिला शुरू हुआ एक दुर्घटना से जब मांझी की पत्नी फाल्गुनी देवी उनके लिए खाना लाते समय पहाड़ से गिरकर चोटिल हो गई थी। दशरथ मांझी घायल पत्नी की जान बचाने के लिए उसे अस्पताल ले जाना चाहते थे लेकिन वो गांव से 70 किलोमीटर की दूरी पर था। दिक्कत ये थी कि उस समय आने जाने के लिए कोई साधन भी नहीं थे। नतीजा ये हुआ कि गरीब मांझी की पत्नी ने गांव में ही वैध के उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पत्नी की मौत ने मांझी को झकझोर दिया। जिसके बाद उन्होंने एक ऐसा निश्चय लिया जिससे हर कोई उन्हें अचंभे से देखने लगा। दशरथ मांझी ने अतरी और वजीरगंज के बीच की 75 किलोमीटर की दूरी को कम करने के लिए गहलौर के एक पहाड़ को काटने का निर्णय किया। इसके कटने से दोनों ब्लाक के बीच की दूरी मात्र 15 किलोमीटर रह जाती। साल 1960 से शुरू हुआ यह सिलसिला 1982 तक बिना रुके चलता रहा। जिसके बाद मांझी ने विशालकाय पहाड़ को काटकर 360 फीट लंबा, 25 फीट ऊंचा और 30 फीट चौड़ा रास्ता बना दिया।

कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि भाजपा इतनी हड़बड़ी में हैं कि उसे जयंती की तारीख ही मालूम नहीं है। दलितों का इनलोगों ने इतना अपमान किया है कि इन्हें किसी दलित की जयंती की सही तारीख तक याद नहीं। इसलिए एक दिन पहले ही यह लोग बधाई दे रहे। हर भवन हीन को पक्का मकान देने का वादा करने वाले पीएम मोदी दशरथ मांझी के परिवार को पक्का मकान तक नहीं दे पाएं? यह लोग बाबा दशरथ मांझी को सम्मान देते ही नहीं है। इसलिए उनकी जयंती की तारीख भूलकर उनका और दलित समाज का अपमान कर रहे हैं।

वहीं राजद के महासचिव और ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र गोप ने कहा कि भाजपा की पुरानी आदत है। भाजपा वाले कुछ भी कर सकते हैं। अगर वो चाहे तो दिन को रात भी कह सकती है। भाजपा के लोग संविधान से देश नहीं चला रहे हैं।

महिला की गोलीमार कर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरादपुर गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। अपराधियों ने करीब 40 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। महिला का शव उसके पति के होटल से मात्र 500 मीटर की दूरी पर बरामद किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, जानीपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव में हुई इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह और पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 दीपक कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और जांच का जायजा लिया। मृतक की पहचान जहानाबाद जिले की रहने वाली माला देवी (उम्र करीब 40 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि माला देवी के पति सुबोध शर्मा जानीपुर थाना क्षेत्र के बभनपुरा में एक होटल का संचालन करते हैं। परिजनों के अनुसार, माला देवी रविवार को अपने मायके जहानाबाद से ससुराल बभनपुरा पहुंची थीं। देर रात अज्ञात अपराधियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने महिला का शव उसके पति के होटल के पीछे करीब 500 मीटर की दूरी से बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि महिला के साथ न तो दुष्कर्म हुआ है और न ही लूटपाट की कोई घटना सामने आई है। हत्या के कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है, हालांकि पुलिस पारिवारिक विवाद की संभावना से भी इनकार नहीं कर रही है।

इस संबंध में सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर एफएसएल की टीम के माध्यम से तकनीकी जांच कराई जा रही है। साथ ही परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है ताकि हत्या के पीछे की वजहों का खुलासा किया जा सके।

घटना की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के निर्देश पर मामले की गहन जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस का कहना है कि हर पहलु से जांच की जा रही है।

श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई प्रयाग नारायण सिंह की 11वीं पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। गांधीवादी विचारक, चिंतक, धर्मसुधारक एवं समाजसेवी स्व. प्रयाग नारायण सिंह की 11वीं पुण्यतिथि समारोह श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अतुलनीय सामाजिक योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विधायक अजय दांगी, आयोजक हिमांशु शेखर, सुभाष यादव, सतेन्द्र नारायण, बृजमोहन शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। आयोजनकर्ता हिमांशु शेखर ने सभी अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर किया।

स्मृति समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अजय दांगी ने कहा कि आज के समाज को स्व. प्रयाग नारायण सिंह द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

उन्होंने शिक्षा के प्रसार हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना में अहम भूमिका निभाई तथा समाज में व्याप्त धार्मिक कुरीति बलि प्रथा को समाप्त कराने में उल्लेखनीय योगदान दिया। विधायक ने कहा कि उनके अधूरे कार्यों को पूरा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस सभा का संचालन पत्रकार संजय अथर्व एवं बीपीएन ग्लोबल स्कूल के निदेशक नामित राजा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन हिमांशु शेखर ने किया।

इस अवसर पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में सैकड़ों मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। चिकित्सा शिविर में डॉ. विश्वमूर्ति मिश्रा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अपराजिता कुमारी, डॉ. बी.डी. शर्मा, डॉ. कृतिका अग्रवाल, डॉ अनुराग कुमार, डॉ. मृत्युंजय कुमार, डॉ. गोपाल कृष्ण, डॉ. आनंद राज, डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. अमित नारायण रघु एवं डॉ. ऋचा कुमारी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अनुमंडलीय अस्पताल टिकारी की ओर से मरीजों के लिए दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

समारोह में प्रो. मुन्द्रिका प्रसाद नायक, डॉ उपेन्द्र नारायण शर्मा, पूर्व जिला पार्षद रवीश कुमार, पूर्व पत्याशी सुमंत कुमार, विनोद शर्मा, नागेंद्र सिंह, बेचन चंद्रवंशी, अमिताभ कुमार, स्वामी विवेकानंद मिशन स्कूल के निदेशक मुकेश सिंह, रामाधार सिंह सहित सैकड़ों गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

लोगों में बदल गयी हथियारों की पसंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले में आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने वालों की पसंद में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां पहले दो नाली बंदूक और रायफल का वर्चस्व था। वहीं अब लोग तेजी से रिवॉल्वर की ओर शिफ्ट हो रहे हैं।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जिले में लगभग 45 प्रतिशत (करीब 360 लाइसेंसधारी) रिवॉल्वर रखते हैं, जबकि करीब 55 प्रतिशत लोग अब भी दो नाली बंदूक और रायफल का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार हथियारों की गुणवत्ता, तकनीक और डिजाइन के कारण विदेशी हथियार लोगों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। इंग्लैंड, फ्रांस, इटली और जर्मनी में बने हथियारों की मांग सबसे अधिक है। खासकर इंग्लैंड की दो नाली बंदूक का वजन देशी बंदूकों की तुलना में काफी कम होता है, जिस कारण अब भी इसकी अच्छी-खासी मांग बनी हुई है।हथियार कारोबार से जुड़े लोगों ने बताया, कई लाइसेंसधारी अपनी पुरानी दो नाली बंदूक और रायफल बेचकर रिवॉल्वर खरीद रहे हैं। वहीं, पिस्टल की लाइसेंस प्रक्रिया अपेक्षाकृत जटिल होने के कारण उसकी ओर लोगों का रुझान सीमित बना हुआ है। पुराने हथियार दुकानदारों द्वारा नहीं खरीदे जाने पर लोगों को या तो उन्हें अपने पास रखना पड़ता है या फिर थाना में जमा कराना होता है।

रिवॉल्वर की कीमत डेढ़ लाख से लेकर पांच लाख रुपये तक बताई जाती है। हथियार लाइसेंस का हर पांच साल में नवीकरण अनिवार्य है। इसके अलावा हर वर्ष आर्म्स मजिस्ट्रेट के समक्ष हथियार का निरीक्षण कराना होता है, जिसमें 250 रुपया शुल्क जमा करना होता है।

इसके साथ ही किसी भी चुनाव से पहले थाना में सत्यापन कराना जरूरी होता है। लाइसेंस नवीकरण के लिए एक हथियार पर 2500 रुपये और दो हथियार पर 5000 रुपये शुल्क निर्धारित है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने किया कार्यशाला का आयोजन

उपभोक्ता की सुविधा को ध्यान में रख तैयार की जाएं योजनाएं : प्रत्यय अमृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत उपभोक्ता कार्य विभाग द्वारा 'पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला' का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला होटल ताज सिटी सेंटर, पटना में आयोजित हुई जिसका उद्देश्य पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना और उपभोक्ता अधिकारों को लेकर जागरूकता व प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करना था। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, भारत सरकार के उपभोक्ता कार्य विभाग की सचिव निधि खरे, अपर सचिव अनुपम मिश्रा और बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रत्यय अमृत ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह

की कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जो भी योजनाएं बनाई जाएं, वे उपभोक्ता की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी निर्देशों और नीतियों का केंद्र एक आम आदमी होता है। आमतौर पर सरकारी अधिकारी आम आदमी को एक लाभान्वित व्यक्ति के रूप में देखते हैं, यानी वह व्यक्ति जो कल्याणकारी सेवाओं का प्राप्तकर्ता है। इस मॉडल के तहत योजना बनाई जाती है, राशि जारी की जाती है, योजना को लागू किया जाता है और उसका उद्घाटन किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल आवश्यक है, लेकिन अब यह अधूरा प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब सरकार को नागरिकों को केवल सेवाओं के लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के रूप में देखना चाहिए जो स्पष्ट जानकारी, निष्पक्ष व्यवहार, समयबद्ध समाधान और जवाबदेह परिणाम के हकदार हैं। उनके अनुसार ये चारों बिंदु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि जब कोई व्यक्ति कोई सामान या सेवा खरीदता है तो उसकी अपेक्षाएं सरल और तात्कालिक होती हैं। वह चाहता है कि उत्पाद या सेवा सही ढंग से काम करे, सुरक्षित हो और किफायती हो। किसी भी ऐप या प्रणाली के डिजाइन में आम आदमी को केंद्र में रखना आवश्यक है। निधि खरे, सचिव, उपभोक्ता कार्य विभाग, भारत सरकार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ता संरक्षण एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है जो हम सभी के ऊपर है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपने नागरिकों और उपभोक्ताओं के अधिकारों की प्रभावी रूप से रक्षा करें। श्रीमती खरे ने कहा कि यह जानकर सभी को आश्चर्य होगा कि मात्र आठ महीनों की अवधि, यानी मई 2025 से दिसंबर 2025 के बीच उपभोक्ताओं को 45 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया गया है। यह उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और प्रभावी उपभोक्ता शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मकर संक्रांति को लेकर कॉम्फेड की व्यापक तैयारी, दूध-दही की रिकॉर्ड आपूर्ति का लक्ष्य

125 लाख लीटर दूध, 35 लाख किलोग्राम दही, 22 हजार किलो तिलकुट के विपणन का लक्ष्य

बिहार और झारखण्ड में 37,210 बिक्री केंद्रों से उपलब्ध कराए जाएंगे सभी उत्पाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मकर संक्रांति के अवसर पर बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, कॉम्फेड ने व्यापक स्तर पर तैयारी पूरी कर ली है। विगत चार दशकों के अपने कार्यकाल में कॉम्फेड लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है। स्थापना काल से अब तक कॉम्फेड का विस्तार निरंतर होता रहा है और वर्तमान में यह बिहार के सभी 38 जिलों में दुग्ध सहकारिता के माध्यम से किसानों से दूध संग्रह कर उसका विपणन कर रहा है। पिछले वर्षों में मकर संक्रांति के अवसर पर सुधा दूध और दही की मांग में भारी वृद्धि को देखते हुए कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक द्वारा सभी संघों और इकाइयों को बिहार एवं झारखण्ड के सभी शहरों में इस वर्ष भी सुधा दूध, दही और सुधा तिलकुट के पर्याप्त विपणन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वर्ष 2025 में मकर संक्रांति के दौरान बिहार और झारखण्ड में 113.65 लाख लीटर दूध, 28.65 लाख किलोग्राम दही और 19.28 हजार किलोग्राम तिलकुट की बिक्री हुई थी। इस वर्ष मकर संक्रांति पर 125 लाख लीटर सुधा दूध, विभिन्न पैक साइज में लगभग 35 लाख किलोग्राम दही तथा 22 हजार किलोग्राम सुधा तिलकुट के विपणन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बिहार और झारखण्ड में सुधा के 944 पूर्णकालिक दुग्ध मंडपों और लगभग 37,210 बिक्री केंद्रों से सभी उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही स्पेशल मिष्टी दही, सुधा स्पेशल घी, सुधा डिलाइट दूध, सुधा अनरसा, प्रीमियम मिठाइयां, नमकीन, कुकीज और सलिल सुधा पेयजल जैसे नए उत्पादों की भी व्यवस्था की गई है। दूध की बढ़ती मांग को देखते हुए विभिन्न शहरों में मिल्क टैंकरों से आपूर्ति की जाएगी और दही की उपलब्धता के लिए विशेष दही एक्सप्रेस पूरे दिन संचालित होगी। उपभोक्ताओं को पॉली पैक के अलावा टेट्रा पैक और इलेक्स्टर पैक दूध भी उपलब्ध कराया जाएगा जिसकी शेल्फ लाइफ सामान्य तापमान पर क्रमशः छह और तीन माह है। मकर संक्रांति के बाद बिहार और झारखण्ड में 'दही खाओ इनाम पाओ' प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें उपभोक्ता निःशुल्क भाग ले सकेंगे। ग्राहकों की सुविधा के लिए सभी शहरों में उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं जो उपलब्धता और उचित मूल्य सुनिश्चित करेंगे। पटना मुख्यालय में टॉल फ्री नंबर 18003456199 सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक कार्यरत रहेगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर प्रेम कुमार ने मंगलवार को नई दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात पूरी तरह से संगठनात्मक विषयों और आगामी कार्ययोजनाओं के केंद्र में रही। भेंट के दौरान संगठन की वर्तमान गतिविधियों, भविष्य की रणनीति तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। दोनों नेताओं के बीच कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर

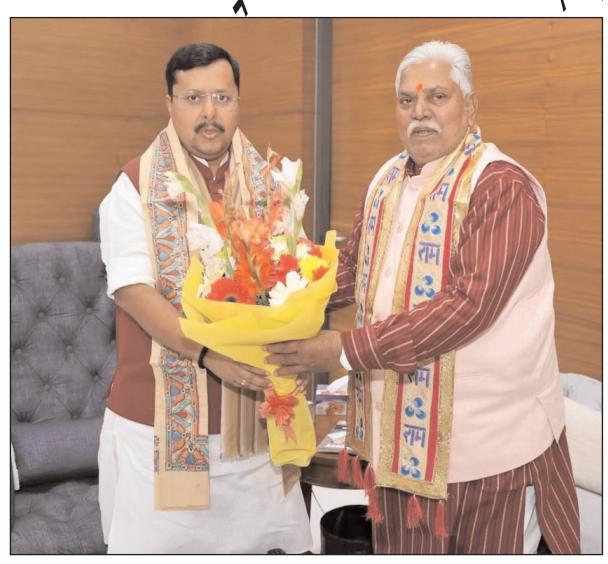

विचार-विमर्श किया गया। चर्चा का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती प्रदान करना रहा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर प्रेम कुमार ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का आधार बनता है। मुलाकात के दौरान यह भी रेखांकित किया गया कि संगठनात्मक एकता, अनुशासन और निरंतर संवाद के माध्यम से ही आगामी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया जा सकता है। यह शिष्टाचार भेंट आपसी सहयोग और समन्वय को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कैलिफोर्निया बादाम के साथ फसल के जश्न में पोषण जोड़ें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मकर संक्रांति भारत भर में नई फसल, ऊर्जा और खुशहाली का प्रतीक है। पोंगल, लोहड़ी, उत्तरायण और माघ बिहू जैसे रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व पारंपरिक व्यंजनों और पारिवारिक मेल-मिलाप से जुड़ा है। इस अवसर पर कैलिफोर्निया बादाम उत्सव और सेहत के बीच संतुलन बनाने का आसान तरीका पेश करते हैं। प्रोटीन, हेल्दी फैट और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर कैलिफोर्निया बादाम इम्युनिटी, ऊर्जा और संपूर्ण स्वास्थ्य को सपोर्ट करते हैं। रितिका समद्दार, रीजनल हेड डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली ने कहा बादाम पोषक तत्वों से भरपूर और तृप्ति देने वाले होते हैं। रोजाना मुट्ठी भर कैलिफोर्निया बादाम पारंपरिक व्यंजनों के साथ लेने से ब्लड शुगर संतुलित रहता है और सेहत से समझौता नहीं करना पड़ता।

राष्ट्र निर्माण में एआइ और डिजिटल दक्षता की आवश्यकता : आनंद किशोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'एआई साक्षरता और राष्ट्र निर्माण' विषय पर एक ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि एक दिन पूर्व ही पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा इस विषय को पाठ्यक्रम के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई थी और कॉलेज में पहली बार इस समसामयिक विषय पर औपचारिक शैक्षणिक आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष सह अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग, बिहार सरकार आनंद किशोर रहे। उन्होंने अपने संबोधन में

राष्ट्र निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका, युवाओं के लिए डिजिटल दक्षता की आवश्यकता तथा शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचारों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मगध विश्वविद्यालय के कुलपति शशिप्रताप शाही, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव अबू बकर रिजवी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता राजीव रंजन, कॉलेज निरीक्षक कृष्णानंद सिंह सहित कई विश्वविद्यालय एवं शैक्षणिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की विषयवस्तु, आयोजन की गुणवत्ता और अकादमिक प्रासंगिकता की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

पंजाबी बरादरी, पटना एवं लेडीज विंग के संयुक्त तत्वावधान में लोहड़ी पर्व मना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पंजाबी ब्रादरी, पटना एवं लेडीज विंग, पंजाबी बरादरी के संयुक्त तत्वावधान में लोहड़ी का पावन पर्व लाला लाजपत राय भवन, पटना में अत्यंत पारंपरिक, गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के सदस्य, उनके परिजन एवं गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पंजाबी बरादरी, पटना के अध्यक्ष दिलजीत खन्ना ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं उनके परिवारजनों का आत्मीय स्वागत किया तथा लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में श्री खन्ना ने लोहड़ी के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कृषि-परंपरागत महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व पंजाब की जीवनशैली, भाईचारे, समृद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेजर जनरल ए. एस. बजाज, अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय, पटना (बिहार) तथा विशिष्ट अतिथि सुनील आनंद, चेयरमैन, संजय आनंद फाउंडेशन, न्यूयॉर्क उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने लोहड़ी उत्सव की भव्यता एवं पारंपरिक स्वरूप की सराहना की तथा पंजाबी बरादरी द्वारा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

महामना हॉकी गोल्ड कप 2026 के शुभंकर का मंत्री श्रवण कुमार ने किया अनावरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली बालक-बालिका अंडर-16 श्रेणी की तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता महामना हॉकी गोल्ड कप 2026 के शुभंकर एवं ट्रॉफी का अनावरण मंगलवार को परिवहन विभाग कार्यालय, विश्वेश्वरैया भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया गया। शुभंकर एवं ट्रॉफी का अनावरण ग्रामीण विकास सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार, पूर्व विधायक राजेश्वर राज

एवं महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई के अध्यक्ष सह आयोजन समिति के सचिव बिपिन कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के राजगीर हॉकी स्टेडियम में 19 से 21 जनवरी, 2026 तक इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बिहार अन्य क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है, उसी तरह खेल के क्षेत्र में भी राज्य आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय खेल हॉकी में बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करें, इस दिशा में महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिहार में सड़क सुरक्षा पर सवाल, हेलमेट और सीट बेल्ट तक सिमटा पुलिस का नजरिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन का रवैया केवल हेलमेट, सीट बेल्ट और वाहन की गति तक सीमित होकर रह गया है। जानकारों का कहना है कि हेलमेट और सीट बेल्ट दुर्घटना के समय मृत्यु दर को कम कर सकते हैं, लेकिन इनसे दुर्घटनाओं की संख्या कम नहीं होती। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन रोजाना चालान काटकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान रहा है जबकि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। राजधानी पटना से लेकर मगध क्षेत्र के सुदूर ग्रामीण इलाकों तक अवैध छकड़ा गाड़ियों का संचालन धड़ल्ले से हो रहा है। यह वाहन सड़क पर चलने की किसी भी मानक कसौटी पर खरे नहीं उतरते और अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। बावजूद इसके पुलिस और परिवहन विभाग की आंखों के सामने लाखों की संख्या में ये वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिन पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण नाबालिग ऑटो और ट्रैक्टर चालक भी हैं। शहरों से लेकर गांवों तक, राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर कच्ची गलियों तक, बिना लाइसेंस और नाबालिग चालक खुलेआम वाहन चलाते नजर आते हैं।

पूर्णिया पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, कार्यकर्ता सम्मान समारोह में हुए शामिल

गांव के विकास के बिना भारत विकसित नहीं बन सकता : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी आज अपने प्रवास कार्यक्रम के क्रम में भागलपुर से पूर्णिया पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उनका कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सरावगी कला भवन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह को संबोधित किया। कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि

भाजपा सत्ता में भी आती है तो हम अपनी विचारधारा को नहीं छोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज जम्मू कश्मीर से 370 समाप्त हो गई तो अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया। अब पुनौरा धाम में मां जानकी का भव्य मंदिर बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो जाति और परिवार के नाम पर काम नहीं करती है। यहां बूथ पर काम करने वाला सामान्य कार्यकर्ता भी संगठन के सर्वोच्च पद पर पहुंच सकता है। भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने भाजपा कार्यकर्ता सम्मान सम्मेलन में कहा कि संगठन की असली ताकत समर्पित कार्यकर्ता हैं। विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिला प्रचंड बहुमत उन कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, अनुशासन, समर्पण और जनता के विश्वास का परिणाम है। यही कारण है कि जब मुझे प्रदेश में पार्टी का नेतृत्व मिला तो मैंने निर्णय लिया कि मैं खुद जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करूंगा। पूर्णिया की धरती को मक्का और मखाना की धरती बताते हुए कहा कि मखाना के किसानों की चिंता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी है।

सुन्दरकाण्ड सामूहिक पाठ के वार्षिकोत्सव पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आध्यात्मिक सत्संग समिति के तत्वावधान में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले सुन्दरकाण्ड सामूहिक पाठ का वार्षिकोत्सव आज महाराणा प्रताप भवन, आर्य कुमार रोड में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मध्याह्न से हनुमानजी महाराज के भंडारे का शुभारंभ किया गया। भंडारे के संयोजक सुरेन्द्र प्रसाद एवं सुशील सुन्दरका ने बताया कि विगत कई वर्षों से लगातार भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। आज के भंडारे में

लगभग छह हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आध्यात्मिक सत्संग समिति के अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि सुन्दरकाण्ड वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में हनुमानजी महाराज को लड्डू का विशेष भोग अर्पित किया गया। संध्या पांच बजे से सर्वकल्याणार्थ संकल्प के साथ सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ आरम्भ हुआ। लगभग पांच सौ श्रद्धालुओं के समवेत स्वर में चौपाइयों का गान गूंज उठा।

बिहार ने मधुमक्खी पालन एवं मधु उत्पादन में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की : रामकृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि बिहार ने मधुमक्खी पालन एवं मधु उत्पादन के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की है जो किसानों की आय वृद्धि, कृषि विविधीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। विगत एक दशक में राज्य के मधु उत्पादन में 177 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय मधु उत्पादन में बिहार का

योगदान 12.30 प्रतिशत रहा जिससे राज्य ने अग्रणी मधु उत्पादक राज्यों में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। वर्तमान में राज्य का मधु उत्पादन लगभग 18,600 मीट्रिक टन है तथा वर्ष 2025-26 के लिए 22,000 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि इस उपलब्धि को और गति देने के लिए राज्य सरकार शीघ्र हीं शहद की समग्र अर्थव्यवस्था को सशक्त करने हेतु नीति लाने जा रही है। इसके माध्यम से मधु उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता, ब्रांडिंग और मार्केटिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य कर रही है। ताकि बिहार के शहद को देश-विदेश के बाजारों में बेहतर पहचान और उचित मूल्य मिल सके। कृषि मंत्री ने कहा कि मधुमक्खी पालन, शहद, मोम एवं अन्य उप-उत्पादों से प्रत्यक्ष आय के साथ-साथ प्राकृतिक परागण के जरिए फल, सब्जी और तिलहनी फसलों की उपज एवं गुणवत्ता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योजना के अंतर्गत मधुमक्खी कॉलोनी, छत्ता/बॉक्स, शहद निष्कर्षण उपकरण (हनी इक्सट्रैक्टर) व फूड-ग्रेड कंटेनर (जो स्वच्छ निष्कर्षण, सुरक्षित भंडारण व गुणवत्ता संरक्षण में सहायक होगा) सहित आवश्यक उपकरणों पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया मंडल के पांच रेलकर्मियों को पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर विनोद कुमार द्वारा संरक्षा की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में विगत दिनों मंडल के अलग-अलग हिस्सों में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने एवं संरक्षा हेतु उत्कृष्ट कार्य में योगदान देने वाले कुल पांच रेलकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। इन रेल

कर्मियों में 27.05.2025 को एसएसई पीवे दानापुर के अधीन कार्य करने वाले मोहम्मद असलम के द्वारा किलोमीटर संख्या 581/30-32 पर क्रैक देखा गया एवं रेल पथ को तत्काल संरक्षित किया गया जिससे होने वाली संभावित दुर्घटना को टाला जा सका। 24.11.2025 को एसएसई पीवे मोकामा के अधीन कार्य करने वाले रंजीत कुमार एवं राजीव कुमार के द्वारा रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान किलोमीटर संख्या 453/29-31 पर रेल पथ टूटा हुआ पाया गया। इन्होंने तत्काल इसको संरक्षित करते हुए किसी भी प्रकार की रेल दुर्घटना होने से बचाया। 25.11.2025 को एसएसई पीवे मोकामा के अधीन कार्य करने वाले ट्रैक मेंटेनर सुरेश पासवान ने किलोमीटर संख्या 443/1-3 पर रेल पथ को क्रैक पाया एवं संभावित दुर्घटना से बचाया।

संपादकीय

क्या भारतीय रेल में सचमुच बेहतर हो रहा है सफर?

भारत में रेल सेवा आर्थिक विकास के साथ-साथ आम लोगों के सफर को आसान और सुगम बनाने की जीवन रेखा मानी जाती है। लंबी यात्रा के लिए रेलगाड़ियां ही एकमात्र किफायती साधन हैं। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर एक तरफ सरकार की ओर से नई-नई घोषणाएं और दावे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर रेलगाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जस का तस बना हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था न होने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।रेल मदद पोर्टल पर दर्ज इस तरह की शिकायतों में सितंबर 2025 की तुलना में अक्तूबर और नवंबर में लगभग पचास फीसद की वृद्धि देखी गई है। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्थागत खामियों और सरकारी अमले में विभिन्न स्तर पर लापरवाही की वजह से यात्रियों को सफर के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल किराए में सरकार जब चाहे बढ़ोतरी कर देती है। सवाल है कि किराए में वृद्धि के साथ क्या सुविधाओं में भी सुधार नहीं होना चाहिए? जब मौजूदा सुविधाएं ही बेहाल हों, तो ऐसे में आधुनिकीकरण के दावों का क्या औचित्य रह जाता है। गौरतलब है कि कैग की वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की एक रपट में भी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि इस व्यवस्थागत खामी के लिए संबंधित अधिकारियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। इसके अलावा साफ-सफाई से जुड़े रेल कर्मियों का अभाव और इस कार्य के लिए साजो-सामन की कमी की ओर भी इशारा किया गया था। हालांकि रेलवे ने कुछ खास स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के शौचालय, दरवाजे और कुछ अन्य हिस्सों की सफाई मशीनों से करने की योजना लागू की है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षाजनक सुधार नजर नहीं आता है। रेलवे मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रेल मदद पोर्टल पर सितंबर 2025 में चादर और कंबल से संबंधित 8,758 शिकायतें मिली थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 13,406 और नवंबर में 13,196 हो गईं। इसी तरह डिब्बों की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें सितंबर 2025 में 24,758 थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 33,804 और नवंबर में 36,673 हो गईं।हाल में सरकार ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं का किराया बढ़ाने की घोषणा की थी। हालांकि यह वृद्धि देखने में मामूली लगती है, लेकिन देश भर में प्रतिदिन रेल में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या की लिहाज से देखें, तो सरकार को हर साल इससे करोड़ों रुपए की कमाई होगी।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा।

(उमेश चतुर्वेदी)

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है।

अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है।

उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज़्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज़्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। हालांकि पहले उन्हें इसके लिए आगाह किया जाएगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है। वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंग्शी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमज़ोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है, जहां कई सालों से चल रहे मातृभाषा आंदोलन और सांस्कृतिक शिक्षा का दमन किया गया। इसकी वजह से वहां निजी स्कूल बंद कर दिए गए और उनके संस्थापक गिरफ्तार कर लिए गए। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है। साल 1994 में फ्रांस ने अपने यहां अंग्रेजी के बिलावजह प्रयोग को कानून के जरिए रोक लगाई थी। अब चीन का अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून आया है। यह सब देखते हुए भी भारत की मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना भी संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषायी बोध के बहान अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं यह उनके निजी विचार हैं)

अमेरिकी राष्ट्रपति के वार रूम में क्या चल रहा है? किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं?

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो साल 2026 की शुरुआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र।

आज पूरी दुनिया एक ही सवाल पूछ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के वार रूम में इस समय क्या चल रहा है। व्हाइट हाउस के भीतर कौन से देश के नक्शे खुले हैं, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं और किन मोर्चों पर सैन्य और आर्थिक हमले की तैयारी हो रही है। देखा जाये तो अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानों, नीतिगत संकेतों और सैन्य गतिविधियों से साफ झलकता है कि अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आइये आज इसी पर बात करते हैं और आपको तथ्यों के साथ पूरी जानकारी देते हैं कि ट्रंप के निशाने पर इस समय कौन कौन से देश हैं और उनके खिलाफ अमेरिका किस स्तर की तैयारी कर रहा है।

देखा जाये तो साल 2026 की शुरुआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र। इस बार मंच पर हैं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी भाषा पहले से अधिक तीखी, अधिक उकसाने वाली और अधिक विस्फोटक बनी हुई है।

सबसे पहले वेनेजुएला की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने खुद को सार्वजनिक रूप से वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मर्यादा को जानबूझकर तोड़ा है। इसका सीधा संदेश यह है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को एक संप्रभु राष्ट्र की तरह नहीं बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र के एक प्रशासित इलाके की तरह देख रहा है। देखा जाये तो वेनेजुएला का सामरिक महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि ऊर्जा पर आधारित है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। ट्रंप का खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति बताना दरअसल यह बताने का तरीका है कि अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन को अब छिपाकर नहीं बल्कि खुले तौर पर संचालित करना चाहता है। यह सीधे तौर पर संसाधन नियंत्रण की राजनीति है।

इसी कड़ी में क्यूबा को लेकर ट्रंप का रवैया भी ध्यान खींचता है। क्यूबा को तेल आपूर्ति रोकने की धमकी और उसके बाद यह कहना कि मार्को रुबियो का क्यूबा का राष्ट्रपति बनना उन्हें ठीक लगता है, यह सब मजाक नहीं है। यह एक राजनीतिक संदेश है। इसका अर्थ यह है कि अमेरिका अब वैचारिक असहमति को सहन करने के मूड में नहीं है। वह खुले तौर पर यह संकेत दे रहा है कि जो सरकारें उसकी लाइन पर नहीं चलेंगी, उन्हें आर्थिक और राजनीतिक रूप से कुचल दिया जाएगा। देखा जाये तो मार्को रुबियो का नाम लेना प्रतीकात्मक है। एक ऐसा नेता जिसकी पहचान क्यूबा विरोधी राजनीति से जुड़ी रही है, उसे वहां के राष्ट्रपति पद से जोड़ना यह बताता है कि अमेरिका लोकतंत्र नहीं बल्कि अपने हितों के प्रति वफादार शासन चाहता है। यह बयान भले ही अनौपचारिक हो लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गहरे हैं।

ईरान की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका ईरान के लिए बहुत मजबूत सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। देखा जाये तो यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है क्योंकि अमेरिका इस समय फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम एशिया तक अपनी सैन्य तैनाती मजबूत कर रहा है। हवाई हमलों से लेकर साइबर और ड्रोन हमलों तक की तैयारी की जा रही है। सवाल यह नहीं है कि हमला होगा या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि हमला कब और कितना बड़ा होगा?

देखा जाये तो यदि अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। पूरा पश्चिम एशिया अस्थिर हो सकता है। तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट सकती है। मुस्लिम देशों का रुख इस मामले में एक जैसा नहीं होगा। कुछ देश रणनीतिक मजबूरी में अमेरिका का सीमित समर्थन कर सकते हैं, लेकिन व्यापक इस्लामी दुनिया में इसका तीखा विरोध होगा।

मकर संक्रान्ति और उसका महत्व

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। मकर संक्रांति पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है। इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है। वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

(रीतेश कुण्डले)

भारत समेत नेपाल में उत्साह के साथ मनाया जाता यह भारतवर्ष तथा नेपाल के सभी प्रांतों (प्रान्तों) में अलग-अलग नाम व भांति-भांति के रीति-रिवाजों द्वारा भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जाता है। छत्तीसगढ़, गोआ, ओड़ीसा, हरियाणा, बिहार, झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, गुजरात और जम्मू।

ताइ पोंगल, उझवर तिरुनल -तमिलनाडु
उत्तरायण - गुजरात, उत्तराखण्ड
उत्तरैन -माघी संगरांद = जम्मू
शिशुर सेंक्रात - कश्मीर घाटी
माघी - हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब
भोगाली बिहु - असम
खिचड़ी - उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार
पौष संक्रान्ति - पश्चिम बंगाल
मकर संक्रमण - कर्नाटक

मकर संक्रान्ति का महत्व व दान की महिमा: इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद्ध, तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुनः प्राप्त होता है। इस दिन शुद्ध घी एवं कम्बल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है। जैसा कि निम्न श्लोक से स्पष्ट होता । माघे मासे महादेव- यो दास्यति घृतकम्बलम। स भुक्त्वा सकलान भोगान अन्ते मोक्षं प्राप्यति॥ मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगास्नान एवं गंगातट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। सामान्यतः सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त फलदायक है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छः-छः माह के अन्तराल पर होती है। भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है। सामान्यतः भारतीय पंचांग पद्धति की समस्त तिथियाँ चन्द्रमा की गति को आधार मानकर निर्धारित की जाती हैं, किन्तु मकर संक्रान्ति को सूर्य की गति से निर्धारित किया जाता है। हमारे पवित्र वेद, भागवत गीता जी तथा पूर्ण परमात्मा का संविधान यह कहता है कि यदि हम पूर्ण संत से नाम दीक्षा लेकर एक पूर्ण परमात्मा की भक्ति करें तो वह इस धरती को स्वर्ग बना देगा और आप जी की और इच्छा को पूरा करें।

मकर संक्रान्ति के दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं

मकर संक्रान्ति के अवसर पर भारत के विभिन्न भागों में, और विशेषकर गुजरात में, पतंग उड़ाने की प्रथा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूँकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। । मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं।

मकर संक्रान्ति और नये पैमाने: अन्य त्योहारों की तरह लोग अब इस त्यौहार पर भी छोटे-छोटे मोबाइल-सन्देश एक दूसरे को भेजते हैं। इसके अलावा सुन्दर व आकर्षक बधाई-कार्ड भेजकर इस परम्परागत पर्व को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

जाम से आम जनजीवन हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी /कटिहार। नगर पंचायत क्षेत्र में यातायात की खस्ताहाल व्यवस्था से आये दिन लोगों को जूझना पड है। मनिहारी अम्बेदकर चौक से सेन्ट्रल बैंठ शाखा चौक तक सडक किनारे दो पहिया तीन पहिया वाहन बेतरतीब ढंग से खडी करने, दूकान व उत्पाद संबंधी प्रचारवाली बडी बडी वोर्ड सडक किनारे लगा देने से भी उक्त मार्ग पर पैदल चलना दूभर हो जाता है।

सडकों पर गतिरोध के कारण लोगों को गणतव्य तक निर्धारित समय पर नहीं पहुंचपाने का खामियाजा भी भुगतना पडा है। मनिहारी क्षेत्र के कुछ विद्यालयों में बिहार लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में नियत समय पर नहीं पहुच पाने मे हुई विलंब के कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होने से वंचित होना पडा है. तब ऐसे छात्रों ने सडक मार्ग मे जाम की समस्या कारण बताया था। बाबजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं आया है. जबकि आनेवाले दिनों में मैट्रिक व ईन्टर मिडिएट की परीक्षा देने मनिहारी के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर जिले के अन्य क्षेत्रों से परीक्षार्थी शामिल होनेवाले हैं। ऐसे मे

परीक्षार्थी निर्वाध रुप से अपने परीक्षा केन्द्रों पर ससमय पहुंच सके इस दिशा मे सार्थक पहल समय रहते करने की आवश्यक्ता है। शवदाह के मनिहारी घाट तक पहुंचने की सुगम मार्ग के रूप में महर्षि मेही आश्रम मार्ग का अनुशरण करने की व्यवस्था की गयी है। लेकिन महर्षि मेही कुटी के पास मार्ग अवरुद्ध रहने, मार्ग खंडित किये जाने से शववाहनों को मनिहारी बाजार होकर ले जाने की विवशता से भी जाम की समस्या बनी रहती है। आनेवाले दिनों में माघ पूर्णिमा के मांगलिक शुभ मौके पर भी लाखों श्रद्धालुओं के गंगा स्नान को लेकर उमड़ने की संभावना है ऐसे में मार्ग से अनावश्यक बाधा दूर कर बेहतर ईंतजामात व यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की आवश्यकता है।

डुमर चौक पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी का भव्य स्वागत

कार्यकर्ताओं ने सौंपे कई मांग पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली /कटिहार। जिले के समेली प्रखंड के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 स्थित डुमर चौक पर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी का एनडीए के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष को बुके, शॉल, अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया एवं क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से संबंधित मांग पत्र सौंपे गये।

स्वागत समारोह का आयोजन समेली प्रखंड भाजपा अध्यक्ष कुमोद कुमार मंडल की अध्यक्षता में किया गया। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता पंचानंद झा ने बरारी विधानसभा क्षेत्र में पिछले 50 वर्षों से लंबित बरारी-काढ़ागोला गंगा घाट से पीरपैंती गंगा नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर लिखित ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भागलपुर से कटिहार होते हुए पूर्णिया एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान एनडीए कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला। वहीं पंचायत समिति सदस्य बबिता देवी ने भी एक विस्तृत मांग पत्र सौंपते हुए प्रमुख रूप से बरारी प्रखंड को अनुमंडल का दर्जा,समेली प्रखंड व अंचल को भवन निर्माण, एनएच-31 पर थाना निर्माण, ट्रामा सेंटर अस्पताल, डिग्री कॉलेज की स्थापना, डुमर-छोहार पंचायत सीमा पर कोशी बरंडी नदी में रिंग बांध निर्माण, जीविका भवन, अग्निशमन वाहन की उपलब्धता जैसी महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इस मौके पर पूर्व जिला मंत्री राजीव कुमार भारती, बरारी मुख्यालय अध्यक्ष विक्की कुमार, संतोष भगत, अजय भारद्वाज, विकास सिंह, जयप्रकाश यादव,माहेश्वरी ठाकुर, महेंद्र प्रसाद चौधरी, राजेंद्र मंडल, राजेश रजक, कैलाश पासवान, श्रीराम चौधरी, सुगम कुमार निगम, अनूप लाल सिंह, मौसम कुमार सिंह, राजेश शर्मा, संजय कुमार शर्मा, भुवनेश्वर राय, अखिलेश कुमार कुशवाहा, मुकेश सिंह, राजकुमार पंडित, मनीष कुशवाहा, विशाल गुप्ता, आनंद जायसवाल, संतोष कुमार, भगत कुमोद, पांचलाल मंडल,सत्यम झा, रामजतन पाल सहित बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर जिलास्तरीय बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले में होने वाले गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर विकास भवन सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह को सफलतापूर्वक मनाने को लेकर की जाने वाली सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।

डीएम ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को उनके दायित्वों को स्पष्ट करते हुए समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का निर्देश दिया। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी, सामान्य प्रशाखा ने बताया कि गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम झंडोत्तोलन पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने पदाधिकारियों को स्टेडियम की साफ-सफाई, शौचालयों की मरम्मत, रंग-रोगन, मंच निर्माण, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, वॉच टावर की स्थापना, मीडिया कर्मियों का बैठने का व्यवस्था तथा दर्शक दीर्घा में महिला एवं पुरुषों के लिए बैरिकेडिंग एवं घेराबंदी की ससमय पूरा कर लेने का निर्देश दिया।तो वहीं जिले के सभी प्रखंड/अंचल मुख्यालयों सहित अन्य वैसे स्थलों जहाँ झंडोत्तोलन किया जाता है, साफ-सफाई एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। इस दौरान आयोजित होने वाली राष्ट्रगान,झांकी के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुति के लिए स्कूली बच्चों एवं सांस्कृतिक दलों को तैयार करने का दायित्व जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपा गया।पुलिस पदाधिकारी को मुख्य समारोहस्थल पर सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त कानून-व्यवस्था एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी सौंपी गई। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि सभी नागरिक एक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में गणतंत्र दिवस के इस राष्ट्रीय पर्व का आनंद ले सकें। बैठक में अपर समाहर्ता डॉ. बिनोद कुमार, उप विकास आयुक्त अमित कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी प्रदुम्न सिंह यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय प्रशाखा, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी अभिषेक रंजन सहित संबंधित जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

नहीं रहे साहित्य सम्मेलन के सबसे पुराने वयोवृद्ध कर्मी महेश प्रसाद

निधन पर सम्मेलन में शोक व्याप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में वर्ष 1975 से सेवा दे रहे सम्मेलन के सबसे पुराने और समर्पित 90 वर्षीय कर्मी महेश प्रसाद नहीं रहे। मंगलवार की संध्या चार बजे, उन्होंने सम्मेलन-परिसर स्थित अपने आवास पर अपनी अंतिम साँस ली। वे विगत डेढ़ महीने से बीमार थे। उन्हें साँस लेने में कठिनाई हो रही थी।

सूचना मिलते ही सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ अपने पदाधिकारियों कुमार अनुपम, कृष्ण रंजन सिंह तथा नन्दन कुमार मीत के साथ पहुँच कर उनका अंतिम दर्शन किया और पुष्पांजलि अर्पित की। अपने शोकोदगार में डा सुलभ ने कहा कि महेश जी सम्मेलन के सर्वाधिक विश्वस्त और समर्पित सेवी थे। उनकी आत्मा सम्मेलन में बसती थी। उनके जैसे समर्पित लोग अब नहीं होते। उनकी कमी की भरपाई कभी नहीं हो सकती। इस आयु में भी वे सम्मेलन का कार्य करते थे। सम्मेलन भवन की चाभियाँ उन्हीं के पास रहा करती रही है। बुधवार को उनका अग्नि-संस्कार गुल्बी घाट पर संपन्न होगा । इसके पूर्व उनके अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर सम्मेलन-सभागार में पूर्वाह्न 9 बजे रखा जाएगा।

शोक प्रकट करने वालों में सम्मेलन के उपाध्यक्ष जिया लाल आर्य, उपेन्द्रनाथ पाण्डेय , डा शंकर प्रसाद, डा मधु वर्मा, डा कल्याणी कुसुम सिंह, सम्मेलन के प्रधानमंत्री डा शिववंश पाण्डेय, अर्थ मंत्री कुमार अनुपम, प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह, साहित्यमंत्री भगवती प्रसाद द्विवेदी, लोकभाषा मंत्री डॉ. पुष्पा जमुआर, प्रचारमंत्री विभा रानी श्रीवास्तव, संगठन मंत्री डॉ. शालिनी पाण्डेय, पुस्तकालय मंत्री अशोक कुमार, कलामंत्री डा पल्लवी विश्वास, आरपी घायल, बच्चा ठाकुर, डा पूनम आनंद, श्याम बिहारी प्रभाकर, आचार्य विजय गुंजन, प्रवीर पंकज, आराधना प्रसाद, बांके बिहारी साव, डा नागेश्वर प्रसाद यादव, डा सुमेधा पाठक, शमा कौसर ह्रशमाह्व, डा अर्चना त्रिपाठी, चंदा मिश्र, डा अमरनाथ प्रसाद,डा मनोज गोवर्धनपुरी, सागरिका राय, जय प्रकाश पुजारी, डा मीना कुमारी परिहार, सिद्धेश्वर, नन्दन कुमार मीत, रूबी झा, मेनका कुमारी, डॉली कुमारी, वीरेन्द्र प्रसाद, उमेश कुमार, सुनीता देवी और राजाराम के नाम सम्मिलित हैं। अपने पीछे वे एक मात्र पुत्र कृष्ण मोहन प्रसाद, पुत्रवधू पुष्पा देवी, पुत्री रंजू देवी, पौत्र प्रेम श्रीवास्तव, पौत्रियाँ शिखा श्रीवास्तव, दामिनी कुमारी तथा वर्षा कुमारी भारती को शोक-संतप्त छोड़ गए हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद/कटिहार। प्रखंड मुख्यालय में पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना लालसन एजेंसी पावर सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में असिस्टेंट मैनेजर पवन कुमार साह ने आम नागरिकों को योजना से मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को सौर ऊर्जा से जोड़कर विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। कहा कि योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे लाभुक अपनी बिजली जरूरतें पूरी कर सकेंगे और अतिरिक्त बिजली ग्रिड में बेचकर आय भी अर्जित कर सकेंगे। बताया कि योजना के अंतर्गत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा दी जाएगी। साथ ही सोलर सिस्टम की क्षमता के आधार पर 30 हजार रुपये से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा लाभुकों को कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना न केवल आय का स्रोत बनेगी, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी सहायक होगी।शिविर के दौरान आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया गया कि आवेदन के लिए आधार कार्ड, बिजली बिल और बैंक खाता विवरण आवश्यक हैं। जागरूकता शिविर पर विक्रम कुमार, नीरज कुमार,अजय ततमा,सन्नी साह, अरिजीत कुमार मौजूद रहे ।

मध्य विद्यालय बैरिया में दो शिक्षकों के स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय बैरिया में दो शिक्षकों का स्थानान्तरण होने पर भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बड़ी संख्या में बच्चे एवं अभिभावक एकत्रित हुए थे।कक्षा 6 व 8 के शिक्षक अवेश आलम तथा कक्षा 1, 2 व 5 के टीआरई-2 शिक्षक मजहर आलम का स्थानांतरण कटिहार से बाहर हुआ था।

विद्यालय प्रबंधन कमेटी के शिक्षा प्रेमी सदस्य शेख जमील ने सभा की अध्यक्षता की। मंच संचालन उच्च विद्यालय के हिंदी शिक्षक आनंद त्रिपाठी ने किया। अपने संबोधन में विद्यालय प्रधान पंकज कुमार ने कहा कि ये दोनों शिक्षक विद्यालय की रीढ़ थे। जिनके स्थानांतरण से विद्यालय को काफी क्षति हुई है।विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों की सराहना की गई। अंतिम समय में शिक्षक, ग्रामीण और बच्चे सभी रो-रोकर भावुक हो गए। सभी की जुबान पर एक ही बात थी कि ऐसे शिक्षक अब नहीं मिलेंगे। कांग्रेस नेता राजीक परवाना ने भी स्थानांतरित शिक्षकों की प्रशंसा की। संगीत के शिक्षक मनीष कुमार ने बैंजो पर विदाई गीत बजाकर समारोह को गमगीन कर दिया। छात्राओं द्वारा भी मार्मिक विदाई गीत गाया गया। स्थानांतरित शिक्षक इतने भावुक हो गए कि अपने संबोधन में कुछ भी नहीं कह सके। इस अवसर पर सुनील पासवान, मोहम्मद नूर आलम नूर, खैरुल आलम, शहाबुद्दीन, सगीर आलम, विक्रम कुमार मंडल, कमर खान,सफीक आलम, राजेश पासवान, जावेद खान, किरण कुमारी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे ।

सरकारी विद्यालय के बच्चे किसी से कम नहीं : आनंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। कहते हैं प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती हैं बस उसे सही दिशा एवं उचित संसाधन प्राप्त हो जाए। कौन कहता हैं कि सरकारी विद्यालय के बच्चे किसी से कम हैं ऐसा ही नजारा आदर्श मध्य विद्यालय धनपाड़ा के वर्ग आठवी की छात्रा सुहानी भारती एवं वर्ग सातवीं की छात्रा नैंसी कुमारी ने बिना संगीत शिक्षक के मार्गदर्शन एवं संगीत शिक्षा प्राप्त किए ही कर दिखाया राज्य सरकार द्वारा संगीत सज्जा सिस्टम सभी उच्च से लेकर मध्य एवं प्राइमरी विद्यालयों को उपलब्ध कराया गया हैं, जिसका उपयोग करते हुए इन दोनों छात्राओं ने विद्यालय को संगीतमय बना दिया।

एक ओर जहां सुहानी भारती ने केसियो पर,हरे गोविंद कृष्ण मुरारी, राम आएंगे राम आएंगे की धुन बजाकर सबका दिल जीत लिया। वहीं नैंसी कुमारी द्वारा अपने मधुर आवाज से सब का मन मोह लिया। विद्यालय में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम को सफल बनाने में ढोलक पर विद्यालय के शिक्षक अमित कुमार एवं बांसुरी पर फिजिकल शिक्षक कालेश्वर साह बच्चों की हौसला अफजाई कर रहे थे।वहीं अपने मधुर आवाज से शिक्षा सेवक तारकेश्वर कुमार ऋषि ने भी देशभक्ति,गीत हर करम अपना करेंगे, पर मन मोह लिया इन बच्चों की प्रतिभा को देखकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार आनंद ने कहा कि सही मायने में इन बच्चों को सही प्रशिक्षण मिल जाए तो हमारे बच्चे भी संगीत की बुलंदियों को छू सकते हैं। इस रंगारंग कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों में श्वेता सिंह, रवि कुमार, सियाराम यादव, सवेरा खातून, मनोज कुमार के साथ करताल पर विद्यालय के छात्र ऋषभ कुमार, स्वीटी कुमारी, अनिकेत कुमार ने सहभागिता निभायी।

बकाये होल्डिंग टैक्स के एकमुश्त भुगतान पर ब्याज राशि में छूट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी /कटिहार। नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से शहरी के उन नागरिको के लिए राहतभरी कदम की घोषणा की है। जिन्होने अपनी हाल्डिंग टैक्स का लम्बे अर्से से भुगतान नहीं किया है। जिस पर ब्याज की मोटी राशि जूड गयी है।

नगर कार्यपालक पदाधिकारी मनिहारी अरविंद पासवान ने जानकारी दी कि सरकारी निर्देश के आलोक में नगरवासी को टैक्स की राशि 31 मार्च 2026 तक जमा कर ब्याज की राशि में मिल रही छूट का लाभ उठाने की अपील की है। बताया कि बकाये हाल्डिंग टैक्र एक मुश्त 31 मार्च तक जमा करने पर लगनेवाली ब्याज की राशि में पूरी छुट दी जाएगी। निर्धारित तिथि 31 मार्च 2026 के बाद हाल्डिंग टैक्स की राशि जमा करने 18 प्रतिशत ब्याज के साथ हाल्डिंग टैक्स जमा देना होगा। उन्होने आम जनों से सरकार की इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

दीपक अग्रवाल मारवाड़ी युवा मंच कटिहार अध्यक्ष को मिला सर्वोत्तम प्रांतीय प्रकाशन का खिताब

■ विकास खंडेलिया बने लगातार दूसरी बार राष्ट्र के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय सहायक मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की 45वीं राष्ट्रीय लघु अधिवेशन बैंगलोर में संपन्न हुई। सत्र 2024 -25 के राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा सुरेंदर भट्टर के कार्यकाल के वार्षिक पुरस्कारों का वितरण किया गया।

जिसमें कटिहार शाखा के पूर्व शाखा अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विकास खंडेलिया को राष्ट्रीय स्तर पर 15 प्रांतों में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय सहायक मंत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में 2024-25 के लिए कटिहार के वर्तमान शाखा अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल को बिहार प्रांत के लगातार 12 माह तक 12 मंच पत्रिका प्रकाशित करने पर पूरे राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम प्रांतीय प्रकाशन हेतु पुरस्कार मिला। विदित हो कि पूर्व में भी दीपक को उनके लेखनीय हेतु प्रांतीय पुरस्कार मिल चुका है। कटिहार शाखा के सदस्यों ने इसके लिये दोनों ही पदाधिकारियों को बधाईयां प्रेषित की। बधाई प्रेषित करने में शाखा के मंच संरक्षक एमएलसी अशोक अग्रवाल,पूर्व अध्यक्ष अनिल चमरिया, बिमल सिंह बेंगानी, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष आकाश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, राहुल मुरारका, अमित सुरेका, सचिव नितेश मित्तल, रितेश अग्रवाल, संजीव सुरेका, चंचल अग्रवाल, हैप्पी मंदीवाल आदि ने दिया। यह पुरस्कार अधिवेशन स्थल पर निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा सुरेन्द्र भट्टर, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा विकास अग्रवाल द्वारा इन्हें प्रदान किया गया। आगामी दिनों में कटिहार शाखा अपने कार्यों से और अधिक सामाजिक लाभ जन जन तक पहुंचाए यही लक्ष्य ले कर टीम आगे बढ़ रही है।दोनों युवा साथियों ने अपने पुरस्कार को तमाम युवा को समर्पित किया जिन्होंने पूरे 2 साल उनका सहयोग किया। अभी वर्तमान में श्री विकास खंडेलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं पूरे राष्ट्र को दे रहे है। आगामी 14 जनवरी से प्रांतीय स्तर पर खेल महोत्सव हो रहा है कटिहार शाखा अपनी सक्रियता से इस महोत्सव में अपनी भागीदारी सुनिचित कर रही है।

कब्रिस्तान की घेराबंदी विवाद को लेकर अल्पसंख्यक आयोग ने मांगी रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने जिले के डंडखोरा प्रखंड में कब्रिस्तान की घेराबंदी को लेकर उत्पन्न विवाद और शव दफनाने में बाधा की घटना को गंभीरता से लिया है। मामले को लेकर प्राप्त आवेदन पर संज्ञान लेते हुए जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को संयुक्त रुप से तत्काल उचित कार्रवाई करने एवं कृत कार्रवाई से आयोग को अवगत कराने का निर्देश दिया है।आयोग ने अपने पत्र में मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन से त्वरित और निष्पक्ष कदम उठाने की आवश्यकता जताई है। ताकि क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे। मामला डंडखोरा प्रखंड के सौरिया पंचायत अंतर्गत अनखोर मौजा स्थित कब्रिस्तान से संबंधित है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर खेल मैदान में दिखी युवा ऊर्जा

विद्यार्थी परिषद ने कराया बैडमिंटन टूर्नामेंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कटिहार इकाई की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शहर के माहेश्वरी एकेडमी के इंदौर स्टेडियम में बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जी के विचारों शारीरिक, मानसिक एवं चारित्रिक विकास को समर्पित रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबी झा महाविद्यालय के एकाउंट्स विभागाध्यक्ष प्रो. विनय पांडे एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. जितेश कुमार मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश कार्यकारी परिषद सदस्य आशीष झा, विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह, जिला संयोजक रोहन, नगर मंत्री राजा यादव, नगर सह मंत्री अमित गुप्ता एवं मोनू यादव, विशाल सिंह, जय, राहुल, ध्रुव झा, कृष कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कार्यकारी परिषद सदस्य आशीष झा ने किया। जिन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों और राष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. विनय पांडे ने अपने संबोधन में कह कि स्वामी विवेकानंद जी का संपूर्ण दर्शन युवा शक्ति पर आधारित है। खेल युवाओं को अनुशासन, धैर्य और संघर्ष की भावना सिखाता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा इस प्रकार के आयोजन निश्चित रूप से युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री आशीष झा ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है।स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सशक्त, आत्मनिर्भर और राष्ट्रनिष्ठ युवा की कल्पना की थी,उसे साकार करने का माध्यम खेल, शिक्षा और संगठन हैं। एबीवीपी निरंतर इसी दिशा में कार्य कर रही है। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता एवं उपविजेता में बालक अंडर-10 के विजेता आयुष अग्रवाल, उपविजेता आदित्य अग्रवाल, बालक एकल अंडर-13 के विजेता मेधांश शर्मा, उपविजेता विराज, बालिका एकल विजेता लामिया, उपविजेता कनक, बालक एकल विजेता उदय, उपविजेता आशु, बालक डबल के विजेता दीपक एवं संयम उपविजेता आंसू एवं उदय रहा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में हेड कोच अश्वंत विश्वास एवं कोच दीपक झा का विशेष योगदान रहा। जिनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंत में विजेता एवं उपविजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा आयोजन की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी गई।

विधान पार्षद व महापौर के आवास पर मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल एवं उनकी पत्नी कटिहार नगर निगम की महापौर उषा देवी अग्रवाल के आवास पर मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिले भर से हजारों की संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठन के लोग एवं अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विधान पार्षद के आवास पर मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर मिलन समारोह का आयोजन कर तमाम जनप्रतिनिधियों एवं आम आवाम के सम्मान में दोनो ने सबों का स्वागत कर महापर्व को धूमधाम से मनाया। मौके पर सांसद तारिक अनवर, पूर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी, कोढ़ा विधायक कविता पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, पूर्व विधायक पुनम पासवान, उप महापौर मंजूर खान सहित अन्य विधायक गण, पूर्व विधायकगण नगर पंचायत के अध्यक्षगण, जिलेके जिला परिषद, मुखिया, समिति, वार्ड सदस्य, नगर निगम के पार्षद एवं अन्य तमाम संगठनों के लोगों सहित शुभचिंतक गण भी इस समारोह में शामिल हुए।

77 प्रतिशत चढ़ सकता शेयर, एक्सपर्ट बुलिश

विजय केडिया के पास भी हैं 22.5 लाख शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में हालिया गिरावट के बावजूद ब्रोकरेज हाउस एक मल्टीबैगर स्टॉक को लेकर अब भी भरोसा जता रहे हैं, जो दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो का भी हिस्सा है। हम बात कर रहे हैं- एलकॉन इंजीनियरिंग की। कंपनी के तिमाही नतीजे अनुमान से कमजोर रहे, लेकिन इसके बावजूद एनालिस्ट्स का मानना है कि स्टॉक में आगे अच्छी तेजी की गुंजाइश है। ब्रोकरेज के टारगेट प्राइस के मुताबिक, इसमें मौजूदा स्तर से करीब 77 प्रतिशत तक का अपसाइड दिख रहा है। सोमवार को एलकॉन इंजीनियरिंग का शेयर करीब 7 प्रतिशत और टूट गया। बीते कुछ दिनों में यह स्टॉक तेज दबाव में रहा है और जनवरी में 513.9 के आसपास के स्तर से अब तक करीब 23 प्रतिशत गिर चुका है। कंपनी का मार्केट कैप भी घटकर 8,900 करोड़ से नीचे आ गया है। जून 2025 में बने 52-वीक हाई

716.55 से यह शेयर करीब 45 प्रतिशत टूट चुका है और पिछले एक साल में इसमें लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि लंबी अवधि में देखें तो पिछले 5 साल में इसने करीब 1,650 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। तिमाही नतीजों की बात करें तो दिसंबर 2025 तिमाही में एलकॉन इंजीनियरिंग का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33 प्रतिशत घटकर 72 करोड़ रह गया। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू 4.3 प्रतिशत बढ़कर 551.7 करोड़ रहा। इबीटीडीए में 23 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई और मार्जिन घटकर 19.8 प्रतिशत रह गया। एक्सिस सिक्योरिटीज के मुताबिक, कंपनी ने एफवाय26 के लिए अपनी रेवेन्यू और मार्जिन गाइडेंस घटाई है, जिससे शॉर्ट टर्म में दबाव दिख सकता है। फिर भी ब्रोकरेज का कहना है कि मजबूत ऑर्डर बुक और अच्छी एनक्वायरी पाइपलाइन के चलते आगे हालात सुधर सकते हैं। विजय केडिया के पास हैं 22.5 लाख शेयर एमके ग्लोबल और एक्सिस सिक्योरिटीज दोनों ने स्टॉक पर रेटिंग बरकरार रखी है। वहीं, मशहूर निवेशक विजय केडिया के पास दिसंबर 2025 तक एलकॉन के 22.5 लाख शेयर, यानी करीब 1 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसकी मौजूदा कीमत करीब 92.5 करोड़ आंकी जा रही है । बाजार के जानकारों का मानना है। कि कमजोर तिमाही के बावजूद यह स्टॉक लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अब भी दिलचस्प बना हुआ है।

अल्फाबेट का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। सोमवार को कंपनी के शेयरों में एक फीसदी से ज्यादा तेजी आई और इसके साथ ही उसकी मार्केट वैल्यू 4.016 ट्रिलियन पहुंच गई। अल्फाबेट यह मुकाम हासिल करने वाली दुनिया की चौथी कंपनी है। एनवीडिया ने पिछले साल जुलाई में यह मुकाम हासिल किया था। ऐपल और माइक्रोसॉफ्ट भी इस मुकाम पर पहुंच चुकी हैं। फिलहाल इस क्लब में एनवीडिया और अल्फाबेट ही शामिल हैं। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया 4.502 ट्रिलियन के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। अल्फाबेट दूसरे नंबर पर है। एनवीडिया की मार्केट वैल्यू अक्टूबर के अंत में 5 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गई थी। लेकिन एआई बुलबुले के डर ने इसके शेयर की कीमत प्रभावित हुई है। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल 3.845 ट्रिलियन के साथ तीसरे और माइक्रोसॉफ्ट

3.546 ट्रिलियन के साथचौथे नंबर पर है। इस लिस्ट में ऐमजॉन (2.6 ट्रिलियन) पांचवें, ताइवान की टीएसएमसी (1.720 ट्रिलियन) छठे, ब्रॉडकॉम (1.669 ट्रिलियन) सातवें, पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स (1.618 ट्रिलियन) आठवें, सऊदी अरामको (1.564 ट्रिलियन) नौवें और टेस्ला (1.493 ट्रिलियन) दसवें नंबर पर है। दुनिया की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों में 8 अमेरिका की हैं। इंडस्ट्रीज 220.12 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में 77वें नंबर पर है। इसके अलावा भारत की कोई भी कंपनी टॉप 100 में शामिल नहीं है। चीन की 10 कंपनियां टॉप 100 में शामिल हैं। इसके अलावा एग्रीकल्चरल बैंक ऑफ चाइना, आईसीबीसी, चाइना कंसट्रक्शन बैंक, पेट्रोचाइना, बैंक ऑफ चाइना, सीएटीएल, चाइना मोबाइल और पिंग एन इंश्योरेंस को भी इसमें जगह मिली है।

ग्राहक की गलती नहीं तो बैंक खाते से निकली रकम 10 दिन में लौटानी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बैंक खातों से होने वाली ठगी पर अहम फैसला सुनाया है। आयोग ने कहा कि यदि खाते से अवैध तरीके से रकम निकाली गई और इसमें खाताधारक की गलती या लापरवाही नहीं है, तो दस दिन के भीतर रकम वापस करना बैंक की जिम्मेदारी है। शीर्ष उपभोक्ता आयोग ने भारतीय रिजर्व बैंक के 2017 के सर्कुलर के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए यह फैसला दिया है। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस एपी शाही, सदस्य भरत कुमार पांड्या की पीठ ने महिला खाताधारक के हक मे फैसला देते हुए राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के फैसले के खिलाफ बैंक की अपील खारिज कर दी। शीर्ष उपभोक्ता आयोग ने फैसले में कहा कि खाते से लेनदेन की प्रकृति और समय (शाम सात बजे और रात के 12 से एक बजे के बीच) से इसका कोई संदेह नहीं रह जाता है कि यह बैंकिंग तंत्र की गड़बड़ी है या किसी तरह की हैकिंग। आयोग ने कहा कि कहा कि शिकायतकर्ता ने खाते में गड़बड़ी की सूचना तुरंत बैंक को दी थी, इसलिए उसके रकम का कुशल संरक्षक होने में बैंक पूरी तरह से विफल रहा। इंडसइंड बैंक की बेंगलुरु निवासी खाताधारक सरोजा ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत की थी कि उनके खाते और एफडी को मिलाकर कुल 9 लाख 52 हजार रुपये की अवैध निकासी की गई। फोरम ने महिला के हक में फैसला दिया था। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता बैंक ऐसा साक्ष्य पेश करने में विफल रहा कि खाताधारक ने ओटीपी किसी अनजान के साथ साझा की थी। ऐसे में मौजूदा मामला आरबीआई सर्कुलर के क्लॉज 6(ए) के तहत आता है। जो खाताधारक की 'शून्य देयता' निर्देशित करता है। पीठ ने कहा कि बैंक की यह जिम्मेदारी है कि जब खाताधारक की कोई लापरवाही नहीं हो तो वह खाते से गायब रकम 10 कार्य दिवसों में वापस करें।

ट्रंप के रास्ते में पॉवेल बने दीवार

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के कटक जिले के मानस रंजन दास की कहानी दृढ़ इच्छाशक्ति की अनूठी मिसाल है। एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी भी उन्हें नहीं रोक पाई। यह बीमारी गर्दन की हरकत को सीमित करती है। कम लागत वाली तकनीकों और वैज्ञानिक प्रशिक्षण के बल पर मानस ने मशरूम की खेती को एक सफल बिजनेस मॉडल में बदल दिया है। आज वह न केवल सालाना लाखों का कारोबार कर रहे हैं, बल्कि सैकड़ों अन्य किसानों और स्वयं सहायता समूहों के लिए मार्गदर्शक के रूप में उभरे हैं। कभी 600 रुपये महीने की नौकरी करने वाले मानस आज 24 लाख के टर्नओवर वाले बिजनेस के मालिक हैं। आइए, यहां मानस रंजन दास की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ओडिशा के कटक जिले के मानस रंजन दास ने शारीरिक अक्षमता को अपनी तरक्की में बाधा नहीं बनने दिया। एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस से जूझने के बावजूद उन्होंने अपनी छोटी सी मशरूम यूनिट को एक

टिकाऊ कृषि व्यवसाय में बदल दिया है। मानस की सफलता की कहानी संघर्षों से भरी है। 2000 में कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने एक मोबाइल फोन की दुकान में सेल्समैन के तौर पर काम किया, जहां उन्हें महीने के सिर्फ 600 रुपये मिलते थे।

इसके बाद उन्होंने कई और भी काम किए। 2016 में उन्होंने ढेंकनाल के साई कृपा कॉलेज में नौकरी शुरू की, जहां उन्हें 10,000 रुपये प्रति माह मिलते थे। इसी दौरान, उनकी मुलाकात ढेंकनाल जिले के मुक्तापासी गांव के चार सफल मशरूम किसानों से हुई। उनसे प्रेरित होकर मानस ने मशरूम की खेती का रास्ता चुना। 2017 में एक नौसिखिए के तौर पर मानस ने ट्रायल बेस पर मशरूम की खेती शुरू की। मानस की सफलता का मुख्य मंत्र लागत में कटौती है। उन्होंने लोहे या स्टील के महंगे स्ट्रक्चर के बजाय 250 बांस के डंडों और किफायती शेड नेट का इस्तेमाल करके अपना फार्म तैयार किया। इससे उनकी शुरुआती लागत काफी कम हो गई। मानस साल भर खेती सुनिश्चित करने के लिए मार्च से अक्टूबर तक पैडी स्ट्रॉ मशरूम और नवंबर से फरवरी तक ऑयस्टर मशरूम उगाते हैं। इससे उनकी लगातार इनकम बनी रहती है। जहां ज्यादातर किसान मशरूम के बीज (स्पॉन) बनाने के लिए महंगे गेहूं के दानों का इस्तेमाल करते हैं।

वहीं मानस पश्चिम बंगाल से मंगवाई गई वेस्ट कॉटन का उपयोग करते हैं। यह कपास न केवल 19 रुपये प्रति किलो की सस्ती दर पर मिलती है, बल्कि इसमें मौजूद सेल्युलोज मशरूम की तेजी से ग्रोथ में भी मदद करता है। उनके फार्म से हर महीने 70-80 किलो ऑयस्टर मशरूम और रोजाना लगभग 30 किलो पैडी स्ट्रॉ मशरूम का उत्पादन होता है। इससे वह औसतन 2 लाख का मासिक टर्नओवर हासिल कर रहे हैं।वैल्यू एडिशन पर फोकस मानस ने केवल कच्चे उत्पाद बेचने के बजाय वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) पर फोकस किया है।

वह बिना बिके मशरूम को सुखाकर पाउडर बना लेते हैं, जो 1000 रुपये प्रति किलो तक बिकता है।

विदेशी निवेशकों की बेरुखी, 1.6 लाख करोड़ निकल गए

मुंबई, एजेंसी। कैलेंडर का हर नया साल एक नई सुबह लेकर आता है। साल 2026 भी कुछ ऐसा ही लग रहा था। इस साल ऐसा लग रहा है कि दुनिया भर के निवेशक अमेरिका और ताइवान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित निवेश से हटकर उभरते बाजारों की ओर देख रहे हैं। लेकिन दुनिया का एक बाज़ार अभी भी नो-गो एरिया बना हुआ है। वह है अपना भारत । हम बता रहे हैं कि इसकी वजह क्या है?

इस समय जहां अमेरिका से आने वाला विदेशी पैसा दूसरे उभरते बाजारों की ओर लौट रहा है, वहीं भारत को इस पैसे के बंटवारे में अभी भी जगह नहीं मिल पा रही है। साल 2025 भारतीय बाजार के लिए सबसे खराब सालों में से एक रहा। इस साल के अंत तक विदेशी निवेशकों ने करीब 1.6 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों में निवेश करने से हिचकिचा क्यों

रहे हैं? इसकी वजह है भारतीय बाज़ार का महंगा होना और कंपनियों की कमाई में वैसी बढ़ोतरी नहीं हो रही है, जैसा बताया जा रहा है। इसके अलावा, ट्रम्प के टैरिफ (शुल्क) से परेशान अर्थव्यवस्था, अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की लहर से मजबूत हुए अमेरिकी बाज़ार जैसे कारणों ने भी भारत से बिकवाली को प्रोत्साहित किया। जब हम वैल्यूएशन (मूल्यांकन) की बात करते हैं।

999 में शुरू हुई बुकिंग, ओला ने लॉन्च किया नया प्रॉडक्ट शक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक ने सोमवार को अपने पहले रेजिडेंशियल बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम ओला शक्ति के रोलआउट की घोषणा की है। कंपनी ने तमिलनाडु के कृष्णागिरी में स्थित अपनी गीगाफैक्ट्री से ओला शक्ति को रोलआउट किया है। ओला इलेक्ट्रिक की वेबसाइट पर 999 रुपये के बुकिंग अमाउंट से ओला शक्ति का रिजर्वेशन ओपन हो गया है। ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि यह डिवेलपमेंट स्वदेशी 4680 भारत सेल प्लेटफॉर्म को बढ़ाने से जुड़ी कंपनी की कोशिशों और ऑटोमोटिव सेक्टर से अलग अपने ऑपरेशंस के विस्तार को दर्शाता है।4680 भारत सेल्स से पावर्ड है ओला शक्ति ओला शक्ति ओला इलेक्ट्रिक की तरफ से घरेलू स्तर पर डिवेलप किए गए 4680 भारत सेल्स से पावर्ड है। ओला शक्ति, देश के पहले बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के रूप में पोजिशन्ड है। ओला शक्ति को पूरी तरह से देश में ही डिजाइन, इंजीनियर्ड और मैन्युफैक्चर किया गया है। यह प्रॉडक्ट घरों, खेतों और स्मॉल बिजनेसेज की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह पोर्टेबल और ऑन-डिमांड एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशन के रूप में काम करेगा। एक साल में 43 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर ओला इलेक्ट्रिक के शेयर सोमवार को बीएसई में

39.40 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले एक साल में ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में 43 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 13 जनवरी 2025 को 70.18 रुपये पर थे। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 12 जनवरी 2026 को 39.40 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 4 महीने में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 31 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। 52 हफ्ते के हाई लेवल से कंपनी के शेयर 50 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 80.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 30.79 रुपये है। ओला इलेक्ट्रिक का मार्केट कैप सोमवार को 17,378 करोड़ रुपये के पार रहा है।

गर्दन नहीं मुड़ती पर इरादे फौलादी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फेडरल रिजर्व के चेयरम अगर अमेरिकी दर में कटौती को आर्थिक रूप से उचित होने के बजाय राजनीतिक रूप से प्रेरित माना जाता है तो जोखिम की भावना जल्दी से उलट सकती है। निवेशक शुरू में उन कटौतियों के राजनीतिक रूप से प्रेरित होने की परवाह किए बिना भारत की ओर पूंजी को दोबारा आवंटित करके कम अमेरिकी दरों पर प्रतिक्रिया करेंगे। लेकिन, कटौतियां फेड और डॉलर में विश्वास को जितना अधिक कमजोर करेंगी, वे प्रवाह उतने ही सतर्क और अस्थिर होंगे। कम नीतिगत दरों के साथ भी अगर फेड की विश्वसनीयता कम हो जाती है तो लंबी अवधि की अमेरिकी यील्ड बढ़ सकती है। यह दर में कटौती के फायदे को ऑफसेट कर सकता है। इससे भारत में पूंजी प्रवाह उलट सकता है। ऊंची लंबी अवधि की यील्ड भी अमेरिका में पूंजी को वापस आकर्षित कर सकती है।

ठंड में ही खरीदना होगा एसी गर्मियों से पहले दाम बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाली गर्मियों में रूम एयर कंडीशनर खरीदना आम लोगों की जेब पर भारी पड़ सकता है। नए साल की शुरुआत के साथ ही एसी की कीमतें बढ़ने की आहट तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, नया स्टार रेटिंग नियम लागू होने और लागत बढ़ने के चलते कंपनियां मई तक दो बार कीमतें बढ़ा सकती हैं। ऐसे में जो उपभोक्ता एसी लेने की योजना बना रहे हैं, उन्हें जल्द फैसला लेना पड़ सकता है। स्टार रेटिंग सिस्टम लागू हो गया है। इसके चलते एसी कंपनियों को ज्यादा ऊर्जा दक्ष मॉडल तैयार करने होंगे, जिससे उनकी लागत बढ़ेगी। यही वजह है कि जनवरी में ही 7-8 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की तैयारी है। इसका सीधा असर नए लॉन्च होने वाले रूम एसी मॉडल पर ज्यादा दिखाई देगा। नए स्टार रेटिंग नियम का क्या असर होगा नए नियमों के तहत मौजूदा 5-स्टार एसी को 4-स्टार में, 4-स्टार को 3-स्टार में और 3-स्टार को 2-स्टार में डाउनग्रेड किया जाएगा। उद्योग से जुड़े जानकारों के मुताबिक, नया 5-स्टार एसी पहले के मुकाबले करीब 10 फीसदी ज्यादा ऊर्जा बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, यह तकनीकी सुधार एसी को महंगा भी बना देगा, क्योंकि यह उत्पाद पुराने 6 या 7-स्टार स्तर के बराबर माना जा रहा है। कमोडिटी महंगी, लागत बढ़ी एसी निर्माण में इस्तेमाल होने वाली तांबा जैसी कमोडिटी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इससे कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी है और मुनाफे पर दबाव पड़ा है। इसी कारण जनवरी के बाद अप्रैल-मई में कीमतों में दूसरी बार बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। इसका मतलब है कि गर्मियों के चरम पर एसी और महंगे हो सकते हैं। बिक्री का क्या अनुमान है पिछले दो वर्षों में रूम एसी उद्योग ने उतार-चढ़ाव देखा है। 2024 में 40 फीसदी की तेज वृद्धि के बाद 2025 में मौसम और अन्य कारणों से मांग प्रभावित रही।

मांस-मछली, अंडा, दाल, मसाले के दाम बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते महीने के दौरान खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो बढ़कर 1.33 फीसदी रही है। इससे पहले नवंबर में सीपीआई 0.71 फीसदी थी। वहीं, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर -2.71 फीसदी दर्ज की गई है, जो नवंबर में -3.91 प्रतित रही थी। आंकड़ों से पता चलता है कि सब्जियों, मांस-मछली, अंडा, दाल, मसाले और व्यक्तिगत देखभाल के सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कुल स्तर पर महंगाई दर में इजाफा हुआ है। सोमवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर के मुकाबले दिसंबर में महंगाई दर 0.62 अंकों को बढ़ोतरी हुई है लेकिन उसके

बाद भी महंगाई दर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के अनुमान से कम रही है। चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में आरबीआई ने महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। इन राज्यों में महंगाई सबसे ज्यादा राज्यों के लिहाज से देखा जाए तो केरल में सबसे अधिक महंगाई है। जहां पर बीते महीने औसत महंगाई दर 9.49 फीदी रही है। इसके बाद कर्नाटक का नंबर आता है। जहां पर महंगाई दर 2.99 फीसदी दर्ज की हई है। इसके बाद आंध्र प्रदेश (2.71 प्रतिशत), तमिलनाडु (2.67 प्रतिशत) और जम्मू-कश्मीर (2.26 प्रतिशत) रही है। बीते महीने ग्रामीण इलाकों में महंगाई दर बढ़कर 0.76 फीसदी रही, जो नवंबर में 0.10 फीसदी थी। वहीं, शहरी क्षेत्रों में महंगाई बढ़कर 2.03 फीसदी पहुंच गई, जो उससे पहले महीने 1.40 फीसदी थी। इस अवधि में कई क्षेत्रों से जुड़ी महंगाई दर में नरमी भी देखने को मिली है। जैसे मकान (हाउसिंग) की महंगाई 2.86 फीसदी रही है जो एक महीने पहले 2.96 प्रतिशत थी। शिक्षा महंगाई 3.38 से घटकर 3.32 फीसदी रही है। वहीं, स्वास्थ्य महंगाई 3.60 से घटकर 3.43 फीसदी रही है। ईंधन और बिजली की महंगाई दर 1.97 फीसदी रही है जो नवंबर में 2.32 प्रतिशत रही थी। जबकि परिवहन और संचार क्षेत्र की महंगाई 0.88 प्रतिशत से घटकर 0.76 फीसदी रही।महीने के आधार पर बढ़ी और सालाना आधार पर घटी कीमतें अगर महीने के आधार पर देखा जाए तो नवंबर के मुकाबले दिसंबर में सब्जियों, अनाज और मसालों की कीमतें बढ़ी है।

अनिल अंबानी को मिली राहत के खिलाफ बैंकों की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन बैंकों ने सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के एकल-न्यायाधीश पीठ द्वारा पिछले महीने उद्योगपति अनिल अंबानी को दी गई अंतरिम राहत के खिलाफ अपील दायर की। न्यायाधीश ने 2020 की फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर अंबानी के खातों के खिलाफ कार्रवाई करने से ऋणदाताओं को रोका था।

दिसंबर में हाईकोर्ट ने अंबानी की इस दलील से सहमति जताई थी कि स्नक्र 2020 की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वाणिज्यिक बैंकों में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर जारी 2024 के मास्टर निर्देश का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश श्रीचंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ के समने अपील सुनवाई में, एक बैंक की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया

कि जब तक आदेश पर रोक नहीं लगती, इसके विनाशकारी नतीजे होंगे। मेहता ने कहा कि न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव द्वारा दर्ज किए गए निष्कर्ष, अंबानी द्वारा दायर मुकदमे या अंतरिम राहत की उनकी याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत में प्रस्तुत तथ्यों पर आधारित नहीं थे। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि आरबीआई के 2024 के मास्टर परिपत्र को प्रत्यावर्ती प्रभाव दिया गया है, जो स्पष्ट रूप से अनुमेय नहीं है। दिल्ली से ऑनलाइन पेश होते हुए मेहता ने कहा कि ऑडिट रिपोर्ट में तथ्यों पर निष्कर्ष हैं, जिसमें कहा गया है कि फंड दुरुपयोग किए गए और हटा लिए गए। आधार पर चुनौती नहीं दी। बैंकों का कहना था कि बाहरी ऑडिटर की रिपोर्ट 2016 के आरबीआई सर्कुलर के तहत थी, जिसका पालन किया गया था। अंबानी के वकील ने पहले तर्क दिया था कि 2024 के आरबीआई मास्टर निर्देश अनिवार्य रूप से पहले के 2016 के निर्देशों की जगह लेते हैं और फोरेंसिक ऑडिट के लिए नियुक्त बाहरी ऑडिटर को कंपनी अधिनियम के तहत एक ऑडिटर होना चाहिए।

टायर फटने से डिवाइडर पर चढ़ी यात्री बस

कई यात्री हुए चोटिल, टला बड़ा हादसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कोलकाता से आरा जा रही सिंह लोक नामक यात्री बस सोमवार देर रात निरसा के हटिया मोड़ के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस संख्या बीआर-06 पीडी 3772 का आगे का बायां टायर अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर एनएचएआइ की रेलिंग और स्ट्रीट लाइट को तोड़ते हुए फोरलेन के डिवाइडर पर आधी चढ़ गई।

हादसे में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि छह टायर पूरी तरह खराब हो गए। गनीमत रही कि बस पलटी नहीं, अन्यथा बड़ा जान-माल का नुकसान हो सकता था।बस में सवार 30 से 35 यात्रियों को आंशिक चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी यात्रियों को उसी कंपनी की पीछे से आ रही दूसरी बस से उनके गंतव्य आरा के लिए रवाना किया गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए एनएच-19 पर यातायात प्रभावित रहा।दुर्घटनाग्रस्त बस के चालक गौतम कुमार यादव ने बताया कि बस सोमवार शाम पांच बजे कोलकाता के बाबू घाट से आरा के लिए रवाना हुई थी। रात में निरसा हटिया मोड़ के पास पहुंचते ही अचानक आगे का बायां टायर ब्लास्ट हो गया। तेज आवाज के साथ बस का संतुलन बिगड़ गया और वह रेलिंग व स्ट्रीट लाइट को तोड़ते हुए डिवाइडर से जा टकराई। चालक के अनुसार डिवाइडर होने के कारण ही बस पलटने से बच गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार बस में यात्रियों की तुलना में अत्यधिक सामान लोड था। बस के छज्जे पर करीब 40 से 50 बोरे, अंदर तथा डिक्की में भी भारी मात्रा में सामान रखा गया था। बताया जा रहा है कि अधिकतर सामान कपड़ों का था। सोमवार को कोलकाता में मंगरा हाट होने के कारण दूर-दराज के व्यापारी बड़ी मात्रा में कपड़े खरीदकर बसों के जरिए ले जाते हैं। लोगों का कहना है कि छज्जे पर अधिक वजन होने से बस में झोल आ रहा था, जिससे टायर पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और वह ब्लास्ट हो गया।

स्थानीय लोगों ने इस घटना को लेकर प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि एनएच-19 पर रोजाना यात्री बसों को मालगाड़ी की तरह चलाया जा रहा है, जिससे न केवल यात्रियों की जान जोखिम में पड़ती है, बल्कि राजस्व की भी भारी चोरी हो रही है। कोलकाता से आरा के बीच कई थाना और जिले पड़ते हैं, लेकिन न तो पुलिस और न ही परिवहन विभाग द्वारा ऐसी बसों पर प्रभावी कार्रवाई की जाती है। लोगों का आरोप है कि मिलीभगत के कारण ही नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है, जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ता है।

ट्रेन दुर्घटना की साजिश रचने के आरोप में एक संदिग्ध धराया

90 किलो वजन का लोहा रखा था पटरी पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़-बड़हरवा रेलखंड पर शनिवार की देर रात तिलभीटा स्टेशन के समीप कुमारपुर में रची गई सुनियोजित साजिश में रेलवे पुलिस की टीम ने एक संदिग्ध को धर दबोचा है। अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों ने रेल पटरी पर लगभग 90 किलो वजन का भारी लोहा रख दिया था, ताकि गुजरने वाली ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त किया जा सके।संयोगवश, वानांचल एक्सप्रेस से पहले मालगाड़ी गुजर गई और चालक की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। रेलवे सुरक्षा बल, आरपीएफ, सीआइबी और जीआरपी इस साजिश की गंभीरता को समझते हुए जांच में जुटी है।

आरपीएफ, सीआईबी, जीआरपी और मुफस्सिल थाना की संयुक्त टीम ने सोमवार देर शाम कुमारपुर से संदिग्ध नाजमी शेख को हिरासत में लिया। पूछताछ जारी है और संदिग्धों के अन्य ठिकानों पर लगातार सघन छापेमारी की जा रही है।

आरपीएफ इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और जीआरपी प्रभारी प्रीतम रंजन ने बताया कि यह घटना शरारत नहीं बल्कि यात्रियों की जान लेने की सुनियोजित कोशिश थी। अब तक कुछ अहम सुराग और नाम सामने आए हैं, लेकिन गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

तिलभीटा के कुमारपुर पोल संख्या-156/04-02 के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हावड़ा और कोलकाता से अतिरिक्त सुरक्षाबल मंगाए गए हैं।

रेलवे सुरक्षा बल, सीआईबी, जीआरपी और मुफस्सिल थाना की टीम ने घटनास्थल से लोहे की पटरी जब्त कर सुरक्षित रखी है।

कुमारपुर, रानीपुर और तिलभीटा इलाके में लगातार छापेमारी जारी है। संदिग्धों और शक के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की जा रही है।

मेयर पद की उम्मीदवारी को ले भाजपा में बगावती सुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड में नगर निकाय चुनाव-2026 की प्रशासनिक तैयारियां तेज हो चुकी हैं। वार्ड से लेकर मेयर तक की आरक्षण सूची जारी कर दी गई है और माना जा रहा है कि 26 जनवरी के बाद 27 से 31 जनवरी के बीच चुनाव की तारीखों का ऐलान हो जाएगा।

भले ही नगर निकाय चुनाव गैर-दलीय होंगे, लेकिन राजनीतिक दलों के भीतर सियासी सरगर्मी अपने चरम पर है। झामुमो, भाजपा और कांग्रेस अंदर खाने रणनीति बनाने में जुटे हैं। इनमें सबसे ज्यादा उथल-पुथल भारतीय जनता पार्टी के भीतर देखने को मिल रही है, खासकर धनबाद नगर निगम के मेयर पद को लेकर।

एकता की राह पार्टी के लिए मुश्किल

भाजपा ने प्रत्याशियों के नाम पर सहमति बनाने के उद्देश्य से प्रमंडल स्तर पर समितियों का गठन किया है। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जिसमें धनबाद विधायक राज सिन्हा, पूर्व मंत्री अमर बाउरी और पूर्व सांसद रवींद्र राय शामिल हैं।

कमेटी को धनबाद, बोकारो और गिरिडीह जिले के नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में प्रत्याशियों के नाम पर एक राय बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, धनबाद नगर निगम के मेयर पद को लेकर पार्टी के भीतर हालात इतने उलझे हुए हैं कि सहमति बनना बेहद कठिन नजर आ रहा है।

धनबाद में भाजपा के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल का चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है। सवाल यह है कि क्या पार्टी उनके नाम पर एकजुट हो पाएगी। वहीं, धनबाद के पूर्व सांसद पीएन सिंह अपने छोटे बेटे प्रवीर प्रियदर्शी को मेयर पद के लिए आगे बढ़ाना चाहते हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पीएन सिंह का टिकट काटकर ढुलू महतो को उम्मीदवार बनाया था, जिसे पीएन सिंह ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार भी किया। अब वे चाहते हैं कि पार्टी के फैसले का सम्मान करने के बदले उनके बेटे के नाम पर विचार किया जाना चाहिए।

दूसरी ओर, धनबाद के मौजूदा सांसद ढुलू महतो भी अपनी पत्नी सावित्री देवी को मेयर पद के लिए मैदान में उतारने के इच्छुक हैं। वे चाहेंगे कि पार्टी नेतृत्व उनके प्रस्ताव को हरी झंडी दे।

इसके अलावा कुंभनाथ सिंह, भृगुनाथ भगत, रमा सिन्हा, मुकेश पांडेय, शांतनु चंद्रा उर्फ बबलू पासवान, अंकेज राज और उदय प्रताप सिंह भी मेयर पद की दौड़ में सक्रिय हैं। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह पर भी सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, हालांकि उन्होंने अब तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं और समय आने पर निर्णय लेने की बात कह रहे हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस समय धनबाद भाजपा में एकजुटता का घोर अभाव दिख रहा है। गुटबाजी और आपसी कटुता इस कदर बढ़ चुकी है कि कई नेता एक-दूसरे के साथ सहज नहीं हैं।

विधायक राज सिन्हा और चंद्रशेखर अग्रवाल के बीच का टकराव जगजाहिर है। राज सिन्हा और सांसद ढुलू महतो के रिश्ते भी तनावपूर्ण बताए जाते हैं। वहीं, झरिया की विधायक रागिनी सिंह के भी राज सिन्हा और ढुलू महतो से संबंध सहज नहीं माने जाते।

भाजपा के लिए यह स्थिति नई नहीं है। वर्ष 2015 के धनबाद नगर निगम चुनाव में भी मेयर प्रत्याशी के नाम पर पार्टी एक राय नहीं बना पाई थी। तब प्रदेश नेतृत्व ने उद्योगपति प्रदीप संथालिया को आगे बढ़ाया था, जिन्हें तत्कालीन सांसद पीएन सिंह और विधायक राज सिन्हा का समर्थन था।

जिला संगठन भी उनके साथ था, लेकिन चंद्रशेखर अग्रवाल और राजकुमार अग्रवाल नहीं माने और दोनों ने नामांकन दाखिल कर दिया। अंततः प्रदीप संथालिया ने चुनाव मैदान छोड़ दिया और पार्टी ने राजकुमार अग्रवाल को समर्थन दिया, जिन्हें हार का सामना करना पड़ा। उस चुनाव में चंद्रशेखर अग्रवाल मेयर चुने गए।

अब एक बार फिर वही तस्वीर उभरती दिख रही है। पार्टी ने राज सिन्हा, अमर बाउरी और रवींद्र राय को सहमति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है, लेकिन मौजूदा हालात में यह जिम्मेदारी आसान नहीं दिखती। चंद्रशेखर अग्रवाल का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा उनके नाम पर एकजुट हो पाएगी या फिर अंदरूनी खींचतान पार्टी की राह एक बार फिर मुश्किल कर देगी।

जरूरतमंदों के बीच 120 कंबलों का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा हजारीबाग। बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गोरहर परिसर में झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए 120 कंबलों का वितरण जरूरतमंदों के बीच किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन पंचायत स्तर पर किया गया, जिसमें मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल, उप मुखिया शीला देवी, पंचायत समिति सदस्य लखन महतो एवं वार्ड सदस्य कुंजलाल महतो ने संयुक्त रूप से जरूरतमंद बुजुर्गों एवं महिलाओं को कंबल प्रदान किए।

इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर आसपास रहने वाले बुजुर्गों का हाल-चाल और उनकी जरूरतों का ध्यान रखना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।कंबल प्राप्त करने वाले बुजुर्गों एवं महिलाओं ने पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सरकार की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से वार्ड सदस्य कुंजलाल महतो, रत्नेश कुमार, उमेश प्रसाद , प्रमोद यादव, प्रेम कुमार, सुनीता देवी, रोहित टुडू, सुनील कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

निपाह वायरस ने बढ़ायी स्वास्थ्य विभाग की चिंता

स्वास्थ्य मंत्री ने की अधिकारियों और सिविल सर्जनों से बातचीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। देश में तेजी से फैल रहे निपाह वायरस को लेकर झारखंड स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से अब तक दो लोगों की मौत के बाद झारखंड में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। संभावित खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं।स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निपाह वायरस के खतरे को गंभीर मानते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन को पूरी तरह तैयार रहना होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी जिलों में सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए और किसी भी संदिग्ध मामले की त्वरित रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि आम लोग इस बीमारी के लक्षण, बचाव और सावधानियों को समय रहते समझ सकें।

रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि फिलहाल जिले में निपाह वायरस के लक्षण वाला कोई मरीज नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी कर रहा है और रांची पूरी तरह अलर्ट मोड में है, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

चिकित्सकों के अनुसार निपाह वायरस के प्रमुख लक्षणों में शुरूआती बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश और तेज सिरदर्द शामिल हैं। गंभीर मामलों में यह वायरस मस्तिष्क पर तीव्र प्रभाव डालता है, जिससे एन्सेफेलाइटिस, ब्रेन अटैक और कोमा जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

निपाह वायरस एक अत्यंत खतरनाक जूनोटिक बीमारी है, जो जानवरों से इंसानों में फैलती है। यह मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों से फैलता है। इसके अलावा संक्रमित जानवरों, विशेषकर सूअरों के सीधे संपर्क, संक्रमित मांस के सेवन या संक्रमित व्यक्ति के शरीर से निकलने वाले द्रवों के संपर्क से भी संक्रमण फैल सकता है।

इस बीमारी की मृत्यु दर बहुत अधिक मानी जाती है, जो प्रकोप की स्थिति के अनुसार 40 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक हो सकती है। इसी कारण निपाह वायरस को अत्यंत गंभीर और घातक रोग माना जाता है और झारखंड सरकार इसकी रोकथाम को लेकर हर स्तर पर सतर्कता बरत रही है।

पति-पत्नी सहित चार धराये

हाजीपुर। मादक पदार्थ हेरोइन के साथ चार तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार की है। गिरफ्तार तस्करों में एक महिला भी शामिल है। गिरफ्तार तस्करों को पुलिस न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस संबंध में एसडीपीओ ने बताया की अनुमंडल के महिसौर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि एनएच 322 पर समस्तीपुर की तरफ से एक कार से मादक पदार्थ हेरोइन की खेप आ रही है।इसकी सूचना वरीय पदाधिकारियों को देते हुए महुआ एसडीओ ने अपने नेतृत्व में एनएच 322 के पनसल्ला चौक के निकट वाहन चेकिंग अभियान लगाया। समस्तीपुर की तरफ से आ रही एक वैगनआर कार को जब पुलिस ने रोकना चाहा तो कार चालक तेजी से भागने की कोशिश करने लगा। जिसे वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने पकड़ लिया। पकड़े गए कार की जब पुलिस ने तलाशी ली तो उससे मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई। एसडीपीओ ने बताया कि कार से महिसौर थाना क्षेत्र के डीह बुचौली गांव निवासी विजय सिंह के पुत्र अविनाश कुमार सिंह, उसकी पत्नी सोनम कुमारी शामिल हैं।

पिकनिक मनाने गये परिवार के घर में लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। कहते हैं हादसा कभी बताकर नहीं आता। चक्रधरपुर रेल मंडल में कार्यरत रेलवे गार्ड तपन कुमार चक्रवर्ती के परिवार के लिए कुछ ऐसी ही दुखद यादें छोड़ गया। जब पूरा परिवार साल की शुरूआत के जश्न में राजरप्पा में पिकनिक मना रहा था, तब पीछे चक्रधरपुर स्थित उनके घर और दुकान 'बनारसी पैलेस' को आग की लपटों ने अपनी आगोश में ले लिया।

खिड़कियों से निकलता धुआं और दहशत का मंजर घटना चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र की रिटायर्ड कॉलोनी स्थित एलआईसी बिल्डिंग के ठीक सामने की है। सुबह करीब 11:30 बजे का समय था, जब अचानक एक फ्लैट से काला और घना धुआं निकलने लगा।

इसी फ्लैट के एक हिस्से में 'बनारसी पैलेस' नामक साड़ियों और सूट की दुकान संचालित थी। धुएं का गुबार देखते ही एलआईसी बिल्डिंग में मौजूद कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घर में थे बुजुर्ग माता-पिता और नौकरानी

हादसे के वक्त स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई जब पता चला कि दुकान के पीछे वाले हिस्से में परिवार के बुजुर्ग माता-पिता और एक नौकरानी मौजूद हैं। परिवार के अन्य सदस्य सुबह ही पिकनिक के लिए राजरप्पा निकल गए थे। स्थानीय लोगों को सबसे ज्यादा चिंता पीछे के कमरों में फंसे बुजुर्गों की थी। हालांकि, समय रहते लोगों ने मुस्तैदी दिखाई और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया।

लाखों की साड़ियां बनीं राख का ढेर घटना की जानकारी मिलते ही चक्रधरपुर थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय युवाओं और पड़ोसियों ने साहस का परिचय देते हुए दमकल कर्मियों के साथ मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया।

घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन तब तक दुकान में रखी लाखों रुपये की बेशकीमती बनारसी साड़ियां, सूट और महंगा फर्नीचर जलकर पूरी तरह राख हो चुका था।

प्राथमिक जांच और प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो आग लगने की मुख्य वजह बिजली का शॉर्ट सर्किट है। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को भी दुकान के अंदर घुसकर सामान बचाने का मौका तक नहीं मिला। तपन चक्रवर्ती को जब फोन पर इस तबाही की खबर मिली, तो परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। लाखों रुपये के निवेश से खड़ी की गई दुकान अब मलबे के ढेर में तब्दील हो चुकी है। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है और पूरे रिटायर्ड कॉलोनी क्षेत्र में शोक का माहौल है।

चोरी के क्रम में लगी आग, भागे चोर

शेखपुरा। शहर की घनी आबादी में स्थित एक आभूषण दुकान में चोरी करने के प्रयास एक दौरान दुकान में आग लग गई। दुकान में आग लगने से चोर घबरा गए और चोरी की घटना को अंजाम दिये बिना भाग निकले। उक्त दुकान में लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर थे। यह घटना शहर के माहुरी टोला तथा कमिश्नरी बाजार की सीमा पर मड़पसौना गली के मुहाने पर हुई। आभूषण की यह दुकान कमिश्नरी बाजार निवासी राजेश सर्राफ उर्फ पाटो जी की है।

मंगलवार की सुबह सूचना पर शेखपुरा थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची तथा मामले की जांच पड़ताल शुरू की है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया दुकान के आस-पास स्थित सिविटीवी कैमरों के फूटेज देखकर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों ने भीषण ठंड में सोमवार की रात उक्त आभूषण दुकान का शटर गैस कटर से काटने का प्रयास किया है। इसी प्रयास में गैस कटर से दुकान के भीतर फर्श पर बिछे गद्दे में आग लग गई। आग लगने के बाद दुकान के भीतर से धुआं उठने के कारण चोर भयभीत होकर भाग गए,

हाथी की संदिग्ध मौत से इलाके में हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत चोपादारू गांव में एक हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने जंगल के समीप हाथी का शव देखा, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल हाथी की मौत के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर बीमारी, आपसी संघर्ष, करंट की चपेट में आने या किसी मानवीय गतिविधि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक तरीके से पता लगाने के लिए हाथी का पोस्टमार्टम घटनास्थल पर ही कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।खबर फैलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग के साथ स्थानीय प्रशासन भी सतर्क हो गया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही लोगों को सुरक्षा और स्वास्थ्य कारणों से हाथी के शव के पास न जाने की हिदायत दी गई है।

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में किसी तरह की लापरवाही, अवैध गतिविधि या करंट से मौत की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

17 को झारखंड बंद का आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। आदिवासी नेता पहाड़ा राजा दिवंगत सोमा मुंडा की हत्या के बाद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से आदिवासी समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इसी नाराजगी के बीच झारखंड आदिवासी समन्वय समिति ने 17 जनवरी को पूरे राज्य में झारखंड बंद का आह्वान किया है।

यह निर्णय सोमवार को खूंटी प्रखंड अंतर्गत जियरपपा गांव में आयोजित दिवंगत सोमा मुंडा की श्रद्धांजलि सभा के बाद लिया गया। सभा में झारखंड के विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में आदिवासी समाज के अगुवा शामिल हुए।

दिवंगत सोमा मुंडा द्वारा संचालित विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मौजूद रहे।

नये बालू घाटों की निलामी से सस्ता हुआ बालू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में तमाम बालू घाटों की नीलामी की संभावना मात्र से इसकी आपूर्ति में बढ़ोतरी होने लगी है और अब दरों में कमी आने लगी है। पेसा लागू नहीं होने के कारण हाईकोर्ट ने बालू घाटों सहित लघु खनिजों के आवंटन पर रोक लगा दी थी। अब राज्य सरकार ने पेसा लागू कर हाई कोर्ट की बातों को मान लिया है।

इसके साथ ही बालू घाटों की नीलामी को लेकर प्रक्रिया तेजी से चल रही है। कई जिलों में बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रक्रिया आगे बढ़ने से राज्य में बालू की दरों में कमी आने लगी है। व्यवसायियों के अनुसार अभी तक 25 प्रतिशत के करीब दरों में कमी आई है। बालू की दरों में कमी आने से राज्य में निर्माण उद्योग राहत महसूस कर रहे हैं। पहले से ही सीमेंट और अन्य आवश्यक सामग्रियों की कीमत स्थिर थी जिस कारण से बालू की मांग भी बढ़ नहीं रही थी। इसी बीच सरकार के निर्णय ने मांग में कमी का लाभ आम लोगों को मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

राज्य की जरूरतों के हिसाब से बालू की कमी कतई नहीं है। अभी सात-आठ वर्षों पहले तक बालू की कीमत जहां 15-20 हजार रुपये प्रति हाइवा थी और इसकी कीमत बढ़कर कीमत 45-50 हजार रुपये तक पहुंच गई थी। अब नए निर्णयों और घाटों की नीलामी से रेट में कमी दिखने लगी है। राज्य सरकार प्रदेश में बालू कारोबार में सफाई अभियान को पूरा करते हुए अवैध बालू को पूरी तरह से बंद कराने के प्रयास में है। हालांकि इसकी संभावना कम ही हैं। पिछले कुछ वर्षों में अवैध कारोबारियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। इसे रोकने में राज्य सरकार कितना सफल होती है उसी से इस कारोबार का भविष्य तय होगा। राज्य में बालू घाटों की नीलामी पर रोक हटने के साथ ही सभी जिलों में इससे संबंधित गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। इससे आनेवाले दिनों में बालू की कीमतों में और कमी आने का अनुमान है। प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद बालू की उपलब्धता लोगों के लिए सामान्य होने की उम्मीद है।

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। शीतकाल के आगमन के साथ ही कुहासे का असर रेलवे परिचालन पर दिखना शुरू हो गया है। घने कोहरे के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है, इसी को देखते हुए समस्तीपुर रेल मंडल ने ट्रैक से लेकर सिग्नल व्यवस्था तक कई एहतियाती कदम उठाए हैं।

अभियंत्रण विभाग ने रेलवे लाइनों की विशेष पेट्रोलिंग शुरू कर दी है, जबकि परिचालन विभाग की ओर से पूरे सेक्शन में पटाखा सिग्नल लगाने की व्यवस्था कर दी गई है, जिससे दृश्यता कम होने पर भी ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

अधिकारियों के अनुसार पटाखा सिग्नल की व्यवस्था होम सिग्नल से लेकर डिस्टेंस सिग्नल तक सुनिश्चित की गई है। समस्तीपुर जंक्शन के भोला टॉकीज के पास स्थित होम सिग्नल से लेकर यार्ड क्षेत्र के 1200 मीटर दूर तक डिस्टेंस सिग्नल लगाया गया है। इसके अलावा रिले पैनल और महत्वपूर्ण स्थानों पर भी ये सिग्नल तैनात हैं।

नाबालिग भाई-बहन को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। बिहार थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में चोरी का आरोप लगाकर नाबालिग भाई-बहन को घर से उठाकर दो दिनों तक कमरे में बंधक बनाकर बेरहमी से मारपीट किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

सोमवार को बच्चों की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों बच्चों को आरोपित दंपती के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस बच्चों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गई।

इस दौरान पुलिस को आता देख मुख्य आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। बच्चों ने पुलिस को बताया कि उनके साथ लगातार मारपीट की गई और उनके साथ छेड़खानी भी हुई है।

आरोपियों ने धारदार हथियार से दोनों नाबालिगों के हाथ पर घातक हमले किए और उन्हें जलाया भी। इतना ही नहीं, उनके हाथ की उंगलियों को भी जलाया गया और जलाए गए जगह पर नमक डाला गया। लोहे को गर्म कर उंगलियां भी दागी गईं, जो हैवानियत का एक और उदाहरण है।

वहीं, आरोपी युवक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसका पति नशे का आदी है। नशे की हालत में ही उसने बच्चों को घर से उठाकर अपने घर ले आया था और कमरे में बंद कर दिया था। महिला ने भी स्वीकार किया कि घर से 70 हजार की चोरी हो गई थी। शायद इसी कारण दोनों बच्चों पर शक होने पर पति बच्चों को घर लेकर आ गए थे। बिहार थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि दोनों बच्चे नाबालिग हैं और उनके पिता का देहांत हो चुका है। बच्चों की मां दूसरों के घरों में कामकाज कर जीवन यापन करती है। घटना की सूचना मां को दे दी गई है। इलाज के बाद दोनों बच्चों को थाना लाया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

दो से अधिक बच्चों वाले नहीं लड़ पायेंगे निकाय चुनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। नगर निकाय चुनाव 26 की प्रशासनिक तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से निकाय स्तर पर अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों के अभ्यर्थियों की योग्यता को लेकर कई प्राविधान जारी किए हैं।

इसके अनुसार निकाय चुनाव में दो से अधिक संतान वाले चुनाव में उम्मीदवार नहीं बन सकते हैं। अगर आखिरी संतान का जन्म 9 फरवरी 2013 के बाद हुआ है, वे चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

आयोग ने इसे झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत लागू कर दिया है। सभी निकायों के चुनाव पहली बार एक साथ होंगे। इसकी तैयारियां पूरी की जा रही है। दो से अधिक संतान वाले उम्मीदवारों के मामले में निर्धारित प्रविधानों को कड़ाई से अनुपालन के लिए आयोग ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त को निर्देश जारी कर दिया है।

दो से अधिक संतान वाले व्यक्ति केवल तब अयोग्य होंगे, जब उनकी संतानों की संख्या 9 फरवरी 2013 के बाद दो से अधिक हुई हो। गोद ली गई संतान और जुड़वा संतान की संख्या को भी शामिल किया जाएगा। अभ्यर्थियों को नामांकन पत्र के साथ स्वघोषणा से संबंधित शपथ पत्र भरकर संलग्न करना अनिवार्य किया गया है।

नगर निकाय चुनाव 2026 में बकाया कर, शुल्क या किराया चुकाए बिना कोई भी व्यक्ति नामांकन दाखिल नहीं कर सकेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 9 फरवरी 2013 से पूर्व लंबित राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लगेगा। लेकिन मूल बकाया और सरल ब्याज का भुगतान अनिवार्य होगा।

स्वघोषणा पत्र और सत्यापन के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर नामांकन रद कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को हरहाल में वर्ष 2024- 25 तक का बकाया टैक्स भुगतान करना होगा। अध्यक्ष या वार्ड पार्षद का नामांकन वहीं व्यक्ति दाखिल कर सकेगा, जिसने निकाय का बकाया टैक्स, चुनाव शुल्क या किराया चुका दिया हो।

आयोग ने साफ किया है कि उम्मीदवारों को न केवल मूल बकाया राशि जमा करनी होगी, बल्कि उस पर लगने वाले साधारण ब्याज का भुगतान भी हर हाल में करना होगा।

गोड्डा नगर परिषद और महागामा नगर पंचायत में अध्यक्ष का पद क्रमशः ओबीसी वन व एसटी के लिए आरक्षित किया गया है। इस कारण उक्त सीटों पर चुनाव लड़ने के अरमान रखने वाले सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के सपने चकनाचूर हो गए हैं।

अय्यर के पास सुनहरा मौका, 34 रन बनाते ही रच देंगे नया इतिहास

● सचिन-कोहली-रोहित को भी छोड़ देंगे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला श्रेयस अय्यर के लिए खास होने वाला है. बुधवार को राजकोट में खेले जाने वाले मैच में भारतीय उपकप्तान श्रेयस अय्यर के पास इतिहास रचने का बड़ा मौका है. अय्यर अपने वनडे करियर के 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 34 रन दूर हैं. अगर वह यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वह ऐसा

कारनामा कर दिखाएंगे, जो उनसे पहले कई दिग्गज भारतीय बल्लेबाज नहीं कर पाए हैं.

सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने का मौका

श्रेयस अय्यर ने अब तक 68 वनडे पारियों में 2,966 रन बनाए हैं. अगर वह दूसरे वनडे में 34 रन बना लेते हैं, तो वह महज 69 पारियों में 3,000 रन पूरे कर लेंगे. इसके साथ ही वह भारत की ओर से सबसे कम पारियों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे. अभी यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में 3,000 रन पूरे किए थे. विराट कोहली को इस मुकाम तक पहुंचने में 75 पारियां लगी थीं, जबकि रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर भी इस सूची में उनसे पीछे हैं.

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए घोषित की टी20 टीम

● होप की गैरमौजूदगी में इसे मिली कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जो 19 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप की गैरमौजूदगी में ब्रैंडन किंग टीम की कप्तानी करेंगे, जो अपन कमिटमेंट्स के कारण उपलब्ध नहीं हैं। होप उन चार खिलाड़ियों में से एक हैं जो इस कारण से सीरीज से बाहर हैं, उनके साथ रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी हैं।

25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है। अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद एहतियात के तौर पर लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वकर्लोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

● टी20 वर्ल्ड कप से पहले दुनिया की सबसे सफल क्रिकेटर का संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ खेलेंगी आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और आठ वर्ल्ड कप खिताब के साथ अब तक की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली को 2023 के आखिर में मेग लैनिंग की जगह फुल टाइम कप्तान बनाया गया था। वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगी ताकि ऑस्ट्रेलिया साल के आखिर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी शुरू कर सके, लेकिन वह वनडे मैच खेलेंगी और फिर 6-9 मार्च को वाका में होने वाले डे-नाइट मैच में अपने 11वें टेस्ट मैच के साथ अपने करियर का अंत करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने संन्यास का ऐलान करते हुआ कहा कि पिछले कुछ महीने मानसिक रूप से बहुत थकाने वाले रहे हैं क्योंकि उन्हें चोटों से जूझना

पड़ा। इस साल के आखिर में इंग्लैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में न खेलने का फैसला करने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 'सबसे बड़ी सीरीज' में से एक के बाद रिटायर होने का फैसला किया है।

पॉडकास्ट में किया संन्यास का ऐलान– हीली ने विलोटॉक क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, 'मैं इसे पॉडकास्ट के लिए बचाकर रखना चाहती थी क्योंकि पिछले कुछ समय में यह मेरे लिए काफी मजेदार रहा है जिसका मैं हिस्सा रही हूं। आधिकारिक तौर पर आज जब आप यह सुन रहे हैं तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज के आखिर में क्रिकेट से रिटायर हो रही हूं। प्लीज मुझे रुलाओ मत। यह आसान फैसला नहीं था, लेकिन कभी न कभी तो लेना ही था। '

स्टार्क को गोल्फ में हराने के लिए संन्यास

हीली ने मजाक में कहा कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके पति और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने हाल ही में गोल्फ में एक स्ट्रोक में होल किया तो उनको लगा कि उन्हें हराने के लिए इस खेल को फुल टाइम अपनाना होगा। हीली ने आगे मानसिक थकान के बारे में विस्तार से बताया जो हाल ही में उन्हें महसूस हो रही थी।

हीली का करियर

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को तीन टी20 मैचों से शुरू होगा। इसके बाद तीन वनडे और फिर पर्थ के वाका में टेस्ट मैच होगा, जो हीली के शानदार करियर का आखिरी मैच होगा। हीली ने अबतक 123 वनडे खेले हैं जिसमें 7 शतक के साथ 3563 रन बनाए हैं और 162 टी20 में एक शतक के साथ 3054 रन बनाए हैं। उन्होंने 10 टेस्ट मैच भी खेले हैं। सबसे खास बात यह है कि वह 2020 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थीं, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। 2022 वनडे वर्ल्ड कप में भी वह प्लेयर ऑफ द मैच थीं जब उन्होंने इंग्लैंड को हराया था।

टी20 विश्व कप : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी बात पर अड़ा

भारत में खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी बात पर अड़ा हुआ है और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में अपने मैच खेलने को लेकर फिर से इनकार कर दिया है। इस मुद्दे पर दोनों संस्थाओं के बीच

उच्चस्तरीय बातचीत हुई, लेकिन फिलहाल बांग्लादेश ने अपने रुख में कोई बदलाव नहीं किया है। आने वाले दिनों में यह विवाद टूर्नामेंट की योजना पर बड़ा असर डाल सकता है। मंगलवार दोपहर बीसीबी और आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी पर चर्चा हुई। बैठक में बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष शकावत हुसैन और फारूक अहमद, क्रिकेट ऑपरेशंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल आबेदीन और सीईओ निजामुद्दीन चौधरी शामिल रहे।

भारत न जाने के फैसले पर बीसीबी कायम

इस बैठक में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि वह सुरक्षा चिंताओं के चलते भारत में खेलने के फैसले पर पुनर्विचार नहीं करेगा। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि बांग्लादेश के मैच भारत के बाहर किसी अन्य देश में आयोजित करने पर विचार किया जाए। हालांकि आईसीसी ने यह कहते हुए असमर्थता जताई कि टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका है।

आईसीसी की सुरक्षा रिपोर्ट और बीसीबी की आपत्ति

आईसीसी की ओर से बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए जोखिम आकलन में भारत में टूर्नामेंट के लिए खतरे को कम से मध्यम श्रेणी में रखा गया है। आईसीसी सूत्रों के अनुसार, यह जोखिम स्तर अन्य बड़े वैश्विक खेल आयोजनों के समान है और बांग्लादेश के लिए कोई विशेष खतरा नहीं दर्शाता।

बांग्लादेश सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया

इससे पहले बांग्लादेश के युवा और खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने दावा किया था कि भारत में टी20 वर्ल्ड कप खेलने का 'माहौल नहीं है।' उन्होंने आईसीसी की सुरक्षा टीम के एक कथित पत्र का हवाला देते हुए कहा कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों और समर्थकों को भारत में गंभीर सुरक्षा जोखिम हो सकता है।

गौतम गंभीर कर रहे हैं पक्षपात?

● आयुष बदोनी के सेलेक्शन पर लगी सवालों की झड़ी...

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया में यंग ऑलराउंडर आयुष बदोनी की एंट्री हुई है, वो न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी दो वनडे मैचों में चुने गए हैं. उनका पहली बार टीम इंडिया में सेलेक्शन हुआ है. लेकिन उनकी इस एंट्री के साथ ही हेड कोच गौतम गंभीर पर पक्षपात के आरोप लगने

लगे हैं. सोशल मीडिया पर फैन्स सवाल उठा रहे हैं कि क्या बदोनी वाकई इस चयन के हकदार थे या फिर यह गंभीर की निजी पसंद का नतीजा है. दरअसल, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले वनडे में गेंदबाजी के दौरान बाएं निचले पसली हिस्से में दर्द की शिकायत के बाद सीरीज से बाहर हो गए. उनकी जगह टीम मैनेजमेंट ने आयुष बदोनी को स्क्वॉड में शामिल किया. इसके बाद से ही सेलेक्शन को लेकर बहस छिड़ गई. फैन्स का गुस्सा इसलिए भी बढ़ा है, क्योंकि लिस्ट- क्रिकेट में बदोनी के आंकड़े कुछ खास प्रभावशाली नहीं रहे हैं. उन्होंने अब तक 22 पारियों में 693 रन बनाए हैं, जिसमें उनका एवरेज 36.47 का है.

विजय हजारे ट्रॉफी में फ्लॉप बदोनी

मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी 2025–26 में भी 26 साल के बदोनी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है. उन्होंने तीन पारियों में सिर्फ 16 रन बनाए हैं, एवरेज मात्र 8 का रहा. इसी वजह से फैन्स सेलेक्शन पर सवाल उठा रहे हैं.

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड से सगाई की: सोफी शाइन अमेरिकी कंपनी में वाइस

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर शिखर धवन ने सोमवार को गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ सगाई की घोषणा की। धवन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। पिछले साल धवन और सोफी को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान साथ देखा गया था। इसके अलावा दोनों एक मीडिया कॉन्क्लेव में भी नजर आए थे, जहां धवन ने इशारों में दोबारा प्यार मिलने की बात कही थी। शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं। धवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं।

कौन हैं सोफी शाइन?

सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब् श्व में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर)हैं। उन्होंने आयरलैंड के लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कैसलरॉय कॉलेज से पूरी की। सोफी, धवन के इंस्टाग्राम पर आने वाले कई मजेदार वीडियो में भी नजर आती रहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मुलाकात यूएई में हुई थी।

SA20 : बोनस पॉइंट जीत से प्रिटोरिया कैपिटल्स टॉप पर पहुंचा

सेंचुरियन , एजेंसी। केप टाउन पर 53 रन की बोनस-पॉइंट जीत के बाद प्रिटोरिया कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई, यह उनकी लगातार तीसरी जीत थी। इस हार से एमआई सीटी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे आ गई और प्लेऑफ में पहुंचने की सभी उम्मीदें खत्म हो गईं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद पावरप्ले में सिफ ́41 रन बनाए। कॉनर एस्टरहुइजन ने ट्रेंट बोल्ट के दूसरे ओवर में तीन चौके लगाकर शुरुआत की, जबकि शाई होप ने तीसरे ओवर में लिंडे की गेंद पर छक्का लगाया। हालांकि, बाएं हाथ के स्पिनर ने तुरंत वापसी करते हुए अगली ही गेंद पर होप को आउट कर दिया। एस्टरहुइजन अपनी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए और पांचवें ओवर में कगिसो रबाडा की गेंद पर बोल्ड हो गए। पावरप्ले के बाद के तीन ओवर बिना किसी बाउंड्री के शांति से निकल गए। 10वें ओवर में राशिद खान की गेंद पर विहान लुब्बे के छक्के ने गियर बदलने का संकेत दिया, लेकिन वह दो गेंद बाद एक और बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गए। जॉर्डन कॉक्स, जो अपनी पूरी पारी में लय के लिए संघर्ष करते रहे, उन्होंने एक छक्का और एक चौका लगाया, इससे पहले कि 13वें ओवर में रबाडा की यॉर्कर पर बोल्ड हो गए। हालांकि, क्रीज पर डेवाल्ड ब्रेविस और शेरफेन

रदरफोर्ड के आने से पारी का रुख बदल गया। छ्रऋ का इस्तेमाल करके पगबाधा के फैसले को पलटने के बाद रदरफोड ́ने 16वें ओवर में बोल्ट को 20 रन मारकर अपना हमला शुरू किया। इसके बाद ब्रेविस ने अपने पार्टनर की नकल की और 17वें ओवर की शुरुआत में रबाडा को दो छक्के जड़े। 18वें ओवर में रदरफोर्ड का दो बार कैच छूटा और उन्होंने एमआईसीटी को इसका खामियाजा भुगतने पर मजबूर किया और अगले ओवर में 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर में ब्रेविस और आखिरी गेंद पर रदरफोर्ड के आउट होने के बावजूद कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 64 रन बनाकर जोरदार फिनिश किया।

छ्रऋ केप टाउन की पारी की शुरुआत रसी वैन डेर डुसेन ने की, जिन्होंने स्ट्राइक पर हावी रहते हुए तीसरे ओवर में लॉन्ग-ऑन पर आउट होने से पहले एक छक्का और दो चौके लगाए। रीज़ा हेंड्रिक्स ने लिज़ाद विलियम्स को दो चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन हाल ही में शतक लगाने वाले रयान रिकेल्टन कुछ खास नहीं कर पाए और छठे ओवर में आउट हो गए। निकोलस पूरन ने अपनी पारी की शुरुआत एक छक्के और एक चौके से की, जिससे केप टाउन का पावरप्ले स्कोर लगभग 40/2 हो गया, लेकिन वह भी क्रीज पर ज़्यादा देर नहीं टिक पाए और अगले ही ओवर में एक और छक्का लगाने के तुरंत बाद आउट हो गए।

पूरन के विकेट से मिडिल ऑर्डर में बड़ी गिरावट आई और 10वें ओवर के अंत तक एमआईसीटी का स्कोर 46/2 से गिरकर 55/6 हो गया। गिदोन पीटर्स, जिन्होंने पहले रिकेल्टन को आउट किया था, ने उसी ओवर में कॉर्बिन बॉश और करीम जनत दोनों को आउट किया, जबकि केशव महाराज ने लिंडे को आउट किया। हेंड्रिक्स दूसरे छोर पर यह सब देखते रह गए और उनकी 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन की पारी एमआईसीटी की लड़खड़ाती हुई चेज को फिर से पटरी पर लाने के लिए काफी नहीं थी।

IPL 2026: इन दो शहरों में हो सकते हैं आरसीबी के घरेलू मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपना घरेलू मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं खेलेगी। राजस्थान रॉयल्स का भी घरेलू मैदान जयपुर का सवाईमान सिंह स्टेडियम नहीं होगा। दोनों फ्रेंचाइजी घरेलू मैचों के लिए नए वेन्यू की तलाश में हैं। इस बीच खबर है कि आरसीबी नवी मुंबई और रायपुर में मैच खेल सकती है।

राजस्थान रॉयल्स के मुकाबले पुणे में हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम और रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में हो सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स के मैच पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हो सकते हैं। बीते दिनों एमसीए ने जानकारी दी थी कि आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स ने उनसे मैच कराने के लिए संपर्क किया है।

नवी मुंबई में पांच मैच और रायपुर में दो मैच– सूत्र के हवाले से बताया, ' आईपीएल 2026 में आरसीबी नवी मुंबई में पांच मैच और रायपुर में दो मैच खेलेगी। आरसीबी के अधिकारियों ने संबंधित

अधिकारियों के साथ मीटिंग के बाद हाल ही में इस व्यवस्था को फाइनल किया है।'

आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के कारण चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैचों के आयोजन पर रोक लगी है। विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान कुछ मैच यहां होने थे, लेकिन स्टेडियम को प्रशासन से मंजूरी नहीं मिली।

सवाईमान सिंह स्टेडियम को लेकर क्या है पेंच

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का चुनाव न होने के कारण सवाईमान सिंह स्टेडियम में आईपीएल के मैच नहीं होने की संभावना है। आरसीए के पिछले दो साल से राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक एड–हॉक कमेटी चला रही है। बता दें कि आईपीएल 2026 का आयोजन टी20 वर्ल्ड कप के बाद मार्च के अंत से मई अंत तक होने की संभावना है।

टीएमसी के आरोप पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा चुनाव आयोग से जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमसी सांसद डोला सेन ने चुनाव आयोग पर मनमानी का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग से एक हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है और इसे पारदर्शिता की बड़ी चुनौती बताया है। डोला सेन की याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेशिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान वैलिड दस्तावेजों को मानने से इनकार कर दिया, जिससे ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम काट दिए गए। सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग विभिन्न चुनाव अधिकारियों को व्हाट्सऐप मैसेज या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निर्देश दे रहा है, जो गलत है। सिब्बल ने कहा कि ऐसे सभी निर्देश लिखित रूप में होने चाहिए ताकि वोटर लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमल्या बागची की बेंच ने चुनाव आयोग के वकील एकलव्य द्विवेदी से कहा कि शनिवार तक याचिका पर जवाब दें। मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को तय की गई है। सेन ने 15 जनवरी की डेडलाइन को बढ़ाने की मांग की है। ये क्लेम और ऑब्जेक्शन देने की आखिरी तारीख है। याचिकाकर्ता की ओर से मांग की गई कि परमानेंट रेसिडेंस सर्टिफिकेट, पंचायत रेसिडेंस सर्टिफिकेट और फैमिली रजिस्टर जैसे दस्तावेजों को वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए वैलिड माना जाए। बंगाल की ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल 16 दिसंबर को पब्लिश हुई थी, जिसमें 58,20,898 नाम हटाए गए। सेन का आरोप है कि ये नाम बिना किसी नोटिस या पर्सनल हियरिंग के काट दिए गए। 2025 की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद वोटर्स की कुल संख्या 7,66,37,529 थी, जो अब घटकर 7,08,16,616 रह गई है। याचिका में कहा गया है कि एसओपी के उलट, कई असेंबली कंस्टीट्यूएंसी में एब्सेंटी, शिफ्टेड, डेड और डुप्लिकेट (एएसडीडी) कैटेगरी के वोटर्स के नाम सेंट्रली प्रोसेस हो रहे हैं और डिस्पोज्ड – फॉर्म 7 मार्क कर दिए जा रहे हैं। सेन को आशंका है कि फाइनल रोल के बाद बंगाल असेंबली इलेक्शन तुरंत अनाउंस हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट से मांग की कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह वोटर लिस्ट रिवीजन प्रोसेस को ठीक करे और सभी योग्य वोटर्स को शामिल करने की कोशिश करे।

पहलवान सुशील कुमार ने सागर धनखड़ हत्याकांड में डाली नियमित जमानत याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलवान सुशील कुमार ने सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में नियमित जमानत के लिए नई याचिका दाखिल की है। उन्होंने बदले हुए हालातों का हवाला देते हुए कहा है कि अब रोहिणी कोर्ट ने सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज कर लिए हैं। ऐसे में अब सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित किए जाने की कोई गुंजाइश नहीं बची है। पहलवान सुशील कुमार की ओर से रोहिणी की अदालत में नियमित जमानत की मांग करते हुए याचिका दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता सुशील कुमार की ओर से बताया गया है कि रोहिणी कोर्ट ने सभी अहम गवाहों से पूछताछ कर ली है। मौजूदा सूरते हाल काफी बदल गए हैं क्योंकि सभी अहम गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। ऐसे में आरोपी के पास सबूतों में हेरफेर करने या गवाहों को प्रभावित करने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में याचिकाकर्ता को नियमित जमानत दी जानी चाहिए। बता दें कि सुशील कुमार 2021 में मॉडल टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में आरोपी हैं। उनको मार्च 2025 में दिल्ली हाई कोर्ट ने रेगुलर बेल दी थी। हालांकि, 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए इस नियमित जमानत को रद्द कर दिया था कि अहम गवाहों से अभी तक पूछताछ नहीं हुई है। ऐसे में आरोपी सुशील कुमार को रेगुलर बेल नहीं दी जा सकती है। हालांकि तब सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार को उम्मीद की एक किरण भी दिखला दी थी। सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि हालात बदलने पर या जब भी नए आधार सामने आएं तो संबंधित अदालत में नई बेल अर्जी दाखिल की जा सकती है। अब सुशील कुमार की ओर से कहा गया है कि जिस आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने रेगुलर बेल रद्द की थी वह अब मौजूद नहीं है। सुशील कुमार की ओर से अदालत को बताया गया है कि अब सभी अहम गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया है कि मामले में 222 गवाह हैं जिनमें से 42 अहम गवाहों जिनमें घायल भी शामिल हैं।

लॉरेंस गैंग ने सोशल मीडिया पर ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पश्चिम विहार में आरके फिटनेस जिम पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। हमले में किसी के भी घायल होने की खबर नहीं है। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात की गई फायरिंग में गोलियां जिम के शीशे पर लगी हैं। बताया जा रहा है कि बदमाश बाइक पर सवार थे। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट के अनुसार, जिम को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि जिम का मालिक गैंग द्वारा फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा था।

दिल्ली सरकार 2029 तक बनाएगी 50 नए स्कूल

मंत्री ने भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार हर साल 10 नए स्कूल बनाएगी। वर्ष 2029 तक सरकार ने 50 नए स्कूल बनाने का लक्ष्य रखा है ताकि अन्य स्कूलों पर छात्रों के अतिरिक्त भार को कम किया जा सके। इसके साथ ही 75 सीएमश्री स्कूल बनाने की तैयारी भी है, लेकिन मौजूदा एजेंसी अतिरिक्त भार होने के चलते तेजी से इस कार्य को पूरा नहीं कर पा रही हैं। इन कामों को जल्द पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने 5 पीएसयू कंपनियों को निर्माण कार्य के लिए अपने साथ जोड़ने की योजना बनाई है। दिल्ली में कई स्थानों पर

स्कूलों की इमारत जर्जर हालत में है। कई इलाकों में टीन शेड में स्कूल चल रहा है। दिल्ली में कुल 799 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें से 284 स्कूलों में दो शिफ्ट में क्लास लगती हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए शिक्षा निदेशालय की ओर से नए स्कूल की इमारत, अतिरिक्त क्लासरूम, लैब, स्टॉफ रूम आदि का निर्माण जल्द किया जाना है।

पीडब्ल्यूडी एवं दिल्ली सरकार के पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम की ओर से यह निर्माण कार्य किया जाता है, लेकिन अतिरिक्त भार होने के चलते इन निर्माण कार्यों को उनके द्वारा समय पर पूरा नहीं किया जा पा रहा है। उनके पास ऐसे कई निर्माण एवं मरम्मत कार्य लंबित पड़े हुए हैं। इस वजह से न केवल ये कार्य प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा पर भी असर पड़ रहा है जो स्कूल तैयार होने पर यहां पढ़ते। इसलिए शिक्षा विभाग ने तय किया है कि ये कार्य अन्य एजेंसियों के माध्यम से करवाए जाएं क्योंकि विभाग अधिकांश कार्य मार्च 2029 तक पूरा करना चाहता है। शिक्षा विभाग को एनबीसीसी, एनपीसीसी, डब्ल्यूएपीसीओएस, ईपीआईएल और यूपीआरएनएलएल की ओर से प्रस्ताव दिए गए हैं। शिक्षा विभाग ने इस पर सहमति जताते हुए प्रस्ताव शिक्षा मंत्री आशीष सूद के माध्यम से कैबिनेट में भिजवाया है।

खराब हालत में हैं 129 सरकारी स्कूल

दिल्ली सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में 129 सरकारी स्कूल खराब हालत में हैं जिन्हें जल्द ठीक किया जाना है। इनमें से 9 स्कूलों में अतिरिक्त कमरे बनाने की आवश्यकता है। 68 ऐसे स्कूल हैं जहां एक या ज्यादा इमारत बदाहाल हैं। उधर, डीयू के किरोड़ीमल कॉलेज में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की अपील की। 1709 मेधावियों को मुख्यमंत्री ने छात्रवृत्ति सौंपी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को त्यागराज स्टेडियम में 'दिल्ली उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सहायता योजना' के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षा निदेशालय की ओर से लाई गई इस योजना के तहत दिल्ली के 1709 विद्यार्थियों को कुल 25.25 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति राशि वितरित की।स्कूल बैंड प्रतियोगिता उत्तरी जोन 2025-26 का शुभारंभ हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह प्रतियोगिता नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्र-निर्माण के मूल्यों को विकसित करने का मंच है।

केजरीवाल के कहने पर आतिशी को छिपा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी पर लगे कथित बेअदबी के आरोपों के बाद से देश के राजधानी की राजनीति गरमाई हुई है। 6 जनवरी को गुरु तेग बहादुर के अपमान में कथित अपमानजनक शब्दों के बाद से आतिशी विधानसभा तो दूर मीडिया के सामने भी नहीं आई हैं। आज इस मुद्दे पर दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कपिल मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल को भी कटघरे में रखते हुए कहा कि उनके इशारे पर आतिशी को छिपा दिया गया है और हमपर पंजाब पुलिस झूठे मुकदमे कर रही है।

कपिल मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 6 जनवरी को दिल्ली विधानसभा में एक पाप हुआ था, जब विपक्ष की नेता ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर चर्चा के दौरान अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उस दिन से आतिशी लापता हैं; उन्हें आदेश दिया गया है कि वे मीडिया के सामने न आएं।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इस पाप को छिपाने के लिए अरविंद केजरीवाल के आदेश पर पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस की मशीनरी का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। मैं भगवंत मान जी से कहना चाहता हूं कि इस पाप के भागीदार न बनें। जिस तरह से आतिशी इसके बाद गायब हो गई हैं, उसका मतलब है कि उन्होंने जो किया वह जानबूझकर किया था। हम इस मुद्दे पर चुप नहीं रहेंगे।

गाजियाबाद में देर रात 2 बदमाशों और पुलिस के बीच हुआ एनकाउंटर

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के लोनी इलाके की ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस की सोमवार देर रात हरमपुर के जंगल में दो बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। इसमें दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस बदमाशों को जंगल में दिल्ली निवासी साथी की हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए लेकर गई थी। इस दौरान बदमाशों ने झाड़ियों में छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी। पुलिस को मौके से दो तमंचे और दो कारतूस बरामद हुए हैं। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र की इलायचीपुर जैन कॉलोनी के एक खाली प्लॉट में 6 जनवरी को दिल्ली निवासी 25 वर्षीय सुफियान का शव पड़ा मिला था। उसके सीने में दो गोली मारकर हत्या की गई थी।

दिल्ली में कुत्तों से बचने को बढ़ाई बाइक की रफ्तार, हादसे में एक युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में शनिवार देर रात आवारा कुत्तों के एक झुंड ने बाइक सवार दो युवकों पर हमला कर दिया। कुत्तों से बचने के लिए बाइक सवार युवक ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी, जिसके चलते हुए हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, वहीं उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पहुंची कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घायल के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 29 वर्षीय तुषार कुमार उर्फ एटीएस अपने परिवार के साथ मदनपुर खादर इलाके में रहता था। घायल 29 वर्षीय सुधाकर सिंह भी अपने परिवार के साथ मदनपुर खादर इलाके में रहता है। पुलिस को दिए बयान में सुधाकर सिंह ने बताया कि 10 जनवरी की रात करीब 10-30 बजे वह अपना मेडिकल स्टोर बंद कर बाहर निकला था, तभी उसकी मुलाकात दोस्त तुषार से हुई। सुधाकर ने तुषार को बताया कि उनके मामा का लड़का घर से झगड़ा करके कही चला गया है। युवक को ढूंढने के लिए दोनों बाइक से निकले। सुधाकर ने बताया कि इस दौरान वहां अचानक 4-5 कुत्ते उनकी ओर दौड़े, जिससे घबराकर तुषार ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। इससे हादसा हो गया। दिल्ली नगर निगम ने लावारिस कुत्तों की समस्याओं के संबंध में योजना तैयार की है। इसके तहत निगम ने 735 डॉग फीडिंग प्वाइंट की पहचान की है। इन निर्धारित स्थानों पर लावारिस कुत्तों को लोग खाना खिला सकेंगे।

जेपी विश टाउन में फंसे 6 हजार खरीदारों को जल्द मिलेगा फ्लैट का कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में जेपी इंफ्राटेक में फंसे करीब 6 हजार खरीदारों को जल्द ही फ्लैट पर कब्जा मिलेगा। सुरक्षा कंपनी ने जेपी विशटाउन के करीब 63 टावर का निर्माण पूरा कर लिया है, जिनमें से 31 टावर के 3135 फ्लैटों के ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा ग्रुप ने जून 2024 में जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की जेपी विशटाउन परियोजना को संभाला था। उस वक्त परियोजना के सिर्फ 62 टावरों में निर्माण कार्य चल रहा था, जिनमें 6200 खरीदार जुड़े थे, लेकिन 97 टावर में काम या तो पूरी तरह बंद थे या कभी शुरू ही नहीं हुआ था। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की 10 परियोजनाओं में करीब 20 हजार से अधिक खरीदार फंसे हैं। कंपनी के अनुसार हैंडओवर के 10 महीने के भीतर यानी अप्रैल 2025 तक 1149 खरीदारों को फ्लैट पर मालिकाना हक दिया जा चुका है। इन दस परियोजनाओं में कुल 159 टावर हैं। वर्तमान में 63 टावरों का काम पूरा हो चुका है, इनमें 31 को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुके हैं, जबकि 32 टावर की ओसी के लिए आवेदन किया हुआ है। दावा किया गया है कि कंपनी 63 टावर में अब तक 5989 फ्लैट पूरे कर चुकी है। इनमें से 31 टावरों (3135 फ्लैट) को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुके हैं, जल्द ही खरीदारों को इनका कब्जा दिया जाएगा। वहीं, शेष 32 टावर, जिनकी ओसी के लिए आवेदन किया हुआ है, उनमें 2854 फ्लैट हैं। इन फ्लैट के लिए अगले दो महीने में ओसी मिलने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने सोमवार को गौतमबुद्ध नगर समेत 6 जिलों में 12 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें कुल 7,147 फ्लैट, विला और दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इससे करीब 4,100.18 करोड़ का निवेश आएगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि बैठक में गौतमबुद्धनगर, मथुरा, आगरा, वाराणसी, झांसी और लखनऊ में 12 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। गौतमबुद्धनगर में तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसमें 2,460.59 करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत 1,937 आवासीय इकाइयों निर्माण किया जाएगा। वहीं, लखनऊ में 1,091.16 करोड़ के कुल निवेश के साथ पांच परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इन परियोजनाओं के माध्यम से कुल 3,569 इकाइयों का विकास किया जाएगा, जिनमें 2,964 आवासीय इकाई और 605 व्यावसायिक इकाइयां शामिल हैं।

ईरान का भविष्य ईरान के लोग ही खुद बनाएं : मलाला यूसुफजई

काबुल, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ये विरोध अचानक नहीं हुए। ईरान में सरकार ने बहुत पहले से ही लड़कियों और महिलाओं की आजादी पर सख्त पाबंदियां लगा रखी हैं। खासकर शिक्षा में उन्हें बहुत कम अधिकार मिलते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया की बाकी लड़कियों की तरह ईरानी लड़कियां भी सम्मान और गरिमा के साथ जीना चाहती हैं। वे सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि पूरी जिंदगी में अपनी मर्जी से फैसले लेना चाहती हैं।' मलाला यूसुफजई ने कहा, 'ईरान के लोग कई सालों से इस अन्याय के खिलाफ बोलते आ रहे हैं। लेकिन अपनी जान जोखिम में डालकर भी उनकी आवाज दबा दी जाती रही है। ये नियम सिर्फ स्कूल तक सीमित नहीं हैं। पूरे समाज में महिलाओं पर अलग तरह के नियंत्रण हैं - जैसे अलग-अलग बैठना, हर समय निगरानी रखना और गलती करने पर सजा मिलना।' उन्होंने कहा कि इन सबकी वजह से महिलाओं को अपनी पसंद की जिंदगी जीने, फैसले लेने और सुरक्षित महसूस करने का हक नहीं मिल पाता। ईरानी महिलाएं और लड़कियां अब अपनी आवाज सुनाई देने और अपना भविष्य खुद तय करने की मांग कर रही हैं। ईरानी महिलाओं के समर्थन में क्या कहा मलाला यूसुफजई ने साफ कहा कि वे ईरान की जनता और खासकर लड़कियों के साथ खड़ी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का भविष्य ईरान के लोग ही खुद बनाएं और इसमें महिलाओं व लड़कियों की अहम भूमिका हो। कोई बाहर का देश या दमनकारी सरकार इसमें दखल न दे। मालूम हो कि अभी ईरान में महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के अधिकारों पर रोक के खिलाफ बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं।

वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने कैबिनेट में किया बड़ा बदलाव

मादुरो के बॉडीगार्ड को मिला ये अहम पद

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने सत्ता संभालने के बाद मंत्रिमंडल में पहला बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के बॉडीगार्ड रहे कैप्टन जुआन एस्केलोना को कैबिनेट में शामिल कर लिया है।

डेल्सी रोड्रिग्ज ने कैप्टन जुआन को राष्ट्रपति भवन का मंत्री नियुक्त किया है, जो तमाम एजेंसियों के बीच संपर्क स्थापित करने के साथ-साथ नेताओं की बैठक आयोजित करेंगे।

कैप्टन जुआन मादुरो के पूर्व बॉडीगार्ड हैं। मादुरो से पहले वो पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के बॉडीगार्ड रह चुके हैं, जिसके बाद उन्होंने मादुरो की सुरक्षा की कमान संभाली थी। वहीं, अब जुआन वैनेजुएला के कैबिनेट मंत्री बन चुके हैं। बता दें कि 3 जनवरी को जब अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया, तब भी कैप्टन जुआन मादुरो की सुरक्षा टीम में शामिल थे। इस हमले में मादुरो की टीम के 55 सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें 32 क्यूबा के नागरिक भी शामिल थे।

पिछले कुछ दिनों से खबरें सामने आ रही थीं कि अमेरिका के हमले में कैप्टन जुआन की भी मौत हो गई है। हालांकि, जुआन को कैबिनेट मंत्री के पद पर नियुक्त करके डेल्सी ने सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हीं के करीबियों में से किसी ने धोखा दिया है। यही वजह है कि सत्ता संभालने के चंद दिनों बाद ही डेल्सी ने मंत्रिमंडल में फेरबदल शुरू कर दिया है। डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रपति के गार्ड का प्रमुख भी बदल दिया है। इसके अलावा सेना के अधिकारी एनीबल कोरोनाडो को पर्यावरण मंत्री नियुक्त किया गया है। डेल्सी ने टेलीग्राम पर इन बदलावों की घोषणा करते हुए कैप्टन जुआन के अनुभव और निष्ठा की प्रशंसा की है।

जेलेंस्की की चेतावनी: ईरान में क्रांति चल रही

दुनिया मौका न गंवाए, ईरानियों की तानाशाह से आजादी को हर देश आगे आए

कीव, एजेंसी। ईरान की सड़कों पर उठती बगावत को यूक्रेन युद्ध से जोड़ते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दुनिया को चेताया है। उनका साफ संदेश है अगर यह लम्हा चूक गया, तो सिर्फ ईरान ही नहीं, वैश्विक सत्ता संतुलन भी बदलने का मौका हाथ से निकल जाएगा। जेलेंस्की ने ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों को महज विरोध नहीं, बल्कि एक क्रांति करार देते हुए दुनिया से इस ऐतिहासिक मौके को न गंवाने की अपील की है। जेलेंस्की ने कहा कि ईरान में जो कुछ हो रहा है, वह

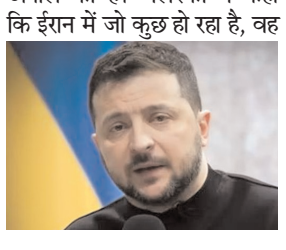

सत्ता के खिलाफ जनविद्रोह का स्पष्ट संकेत है और इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। उनके मुताबिक, अगर ईरानी शासन कमजोर पड़ता है या गिरता है, तो रूस के लिए हालात और मुश्किल हो जाएंगे।जेलेंस्की ने साफ शब्दों में कहा,जो कुछ इस वक्त ईरान में हो रहा है, वह वास्तव में एक क्रांति है। यह इस बात का संकेत भी है कि रूस के लिए आगे चीजें आसान नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर आम इंसान चाहता है कि ईरान की जनता उस शासन से आज़ाद हो, जिसने न सिर्फ अपने लोगों के लिए बल्कि यूक्रेन और अन्य देशों के लिए भी भारी नुकसान और हिंसा पैदा की है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से खुली अपील करते हुए कहा, यह बेहद ज़रूरी है कि दुनिया इस मौके को न गंवाए, जब बदलाव संभव है। हर नेता, हर देश और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को अब आगे आकर मदद करनी चाहिए। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया है जब यूक्रेन पर ईरान निर्मित ड्रोन लगातार हमलों में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यूक्रेन पहले ही कई बार आरोप लगा चुका है कि ईरान ने रूस को ड्रोन और सैन्य तकनीक देकर युद्ध को लंबा खींचा है।

मिनियापोलिस में महिला की मौत के बाद सामने आया नया वीडियो

न्यूयार्क एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस में महिला की मौत के बाद से हंगामा खड़ा हो गया है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के एजेंट्स ने कार न रोकने पर महिला के सिर में गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद अमेरिका में कई जगहों पर ट्रंप और आइसीइ एजेंट्स के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं, अब घटना से जुड़ा नया वीडियो सामने आया है।

अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने 3 मिनट से ज्यादा का वीडियो जारी करते हुए आइसीइ एजेंट्स की तरफ से सफाई पेश की है। उनका कहना है कि महिला ने अपनी कार से रास्ता ब्लॉक कर दिया था, जिसके कारण कई कारों को निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा था। ऐसे में जब आइसीइ एजेंट ने महिला की कार का दरवाजा खोलने की कोशिश की, जो उसने गाड़ी भगानी चाही और आइसीइ एजेंट ने गोली

चला दी। डीएचएस की ओर से शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि एक काली रंग की एसयूवी सड़क के बीच में खड़ी है, रेने गुड नामक महिला बैठी है। रेने लगातार कार का हॉर्न बजाते हुए दिखाई दे रही है। 1 मिनट बाद रेने कार को थोड़ा पीछे खींचते हुए रास्ता देती है। हालांकि, इस वीडियो में ये साफ नहीं है कि घटना के दौरान रेने गुड कहां पर थी। वीडियो के आखिर में आइसीइ एजेंट्स का ट्रक गुड की कार के पास आकर रुकता है और इस दौरान 2 अधिकारी नीचे उतरते हैं।

इससे पहले सामने आए वीडियो में आइसीइ एजेंट को गुड पर गोली चलाते हुए देखा गया था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया है। आइसीइ का कहना है कि उनके एजेंट ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। हालांकि, कई लोग इसे लापरवाही करार दे रहे हैं।

उपायुक्त ने की जल सेवा मूल्यांकन को लेकर समीक्षा बैठक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक, अधिकारियों को दिया स्पष्ट निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में संचालित जल सेवा मूल्यांकन की समीक्षा एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा हुई।

जल सेवा मूल्यांकन को लेकर विस्तृत जानकारी साझा

बैठक में कार्यपालक अभियंता श्री राम प्रवेश राम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, यूनिसेफ टीम के प्रतिनिधि, दोनों प्रमंडलों के ब्लॉक वॉश कोऑर्डिनेटर आदि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन माध्यम से उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारी बैठक में शामिल हुए। कार्यपालक अभियंता द्वारा पीपीटी के माध्यम से अधिकारियों को जल सेवा मूल्यांकन की प्रक्रिया, उद्देश्य एवं अपेक्षित परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई।

समस्या क्षेत्रों की पहचान पर दिया गया विशेष जोर

उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कम से कम एक पंचायत के ग्राम सभा में अवश्य हिस्सा लें ताकि जल आपूर्ति, गुणवत्ता एवं सेवा स्तर में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल कनेक्शन देना नहीं, बल्कि सतत एवं गुणवत्तापूर्ण जल सेवा सुनिश्चित करना है।

अन्य अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के अन्य अधिकारी भी किसी न किसी कार्यक्रम के अंतर्गत जल जीवन मिशन से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें, जिससे मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति समयबद्ध तरीके से हो सके।

27 पंचायतों के 35 गांवों में होगा जल सेवा मूल्यांकन

बैठक में जानकारी दी गई कि बोकारो जिले में दिसंबर 2024 तक रिपोर्ट की गई 27 पंचायतों के कुल 35 गांवों में जल सेवा मूल्यांकन किया जाना है। इसके लिए सर्वेक्षण की तिथि 15 जनवरी 2026 से निर्धारित की गई है। सर्वेक्षण कार्य को गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से होगी रिपोर्टिंग

उपायुक्त द्वारा पंचायत सचिवों को निर्देशित किया गया कि सर्वेक्षण से संबंधित सभी रिपोर्टिंग ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से समय पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोर्टल पर की गई रिपोर्टिंग के आधार पर ही आगे की योजना एवं सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने किया जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में कड़ाके की ठंड से बचाव हेतु जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस क्रम में मनईटांड़ स्थित सिंघाड़ा तालाब, गांधीनगर, कुम्हारपट्टी (मनईटांड़) एवं जटूडीह-मुनिडीह क्षेत्रों में सैकड़ों जरूरतमंद माताओं, बहनों एवं बुजुर्गों को विधायक राज सिन्हा के कर कमलों द्वारा कंबल प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान विधायक राज सिन्हा ने स्वयं उपस्थित होकर लाभार्थियों से संवाद किया और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मनईटांड़ मंडल अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा, धनबाद प्रखंड मंडल अध्यक्ष श्री गौतम चौधरी, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अजय नारायण लाल, विभा रानी सिंह, मौसम सिंह, चुन्ना सिंह, दीपक गुप्ता, शीशम राउत, जीत सोनी लाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, पंचायत समिति सदस्य रेणुका सिंह, मुखिया रमेश सिंह सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं। कंबल वितरण से क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों में राहत और संतोष का वातावरण देखा गया। स्थानीय लोगों ने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए विधायक राज सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि, वे जनता के सेवक हैं और उनकी प्राथमिकता है कि भीषण ठंड में कोई भी गरीब बुजुर्ग यह असहाय व्यक्ति गर्म कपड़ों के बिना ना रहे। जरूरतमंदों की मदद करना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं बल्कि इससे आंतरिक खुशी की अनुभूति होती है कड़ाके की ठंड में समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद परिवारों की सेवा करना हमारा नैतिक दायित्व है। कोई भी माता, बहन या बुजुर्ग ठंड के कारण परेशान न हो, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा की सोच सेवा, समर्पण और संवेदना की है, और आगे भी हम हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़े रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दो परिवारों के बीच खूनी संघर्ष

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भोजूडीह ओपी क्षेत्र के पोलकेरी गांव में दो परिवार के बीच खूनी संघर्ष हो गई। जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। सभी का इलाज सदर अस्पताल बोकारो में चल रहा है। दोनों तरफ से लोग गंभीर रूप से घायल है।घटना पुराने विवाद को लेकर होने की बात कहीं जा रही है। क्रिकेट मैच के बाद हुए विवाद में पहले कल मारपीट की घटना हुई। उसके बाद पुलिस के समक्ष मामले का सुलह कल हुआ और आज आरोपी पक्ष ने पीड़ित पक्ष पर लाठी डंडे और हरवे हथियार के साथ हमला कर दिया।वहीं आरोपी पक्ष में पीड़ित पक्ष के ऊपर घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष के घर में दो आर्मी के जवान भी हैं जो छुट्टी में घर आए थे जिनके साथ पहले कल मारपीट की घटना हुई थी इसके बाद थाने में शिकायत की गई पुलिस ने दोनों पक्ष में समझौता कराया था।

जलस्त्रोत पर स्नान के दौरान बरतें विशेष सतर्कता

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नदी, तालाब एवं अन्य जलस्त्रोतों में स्नान की परंपरा को देखते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने जिले वासियों से जलस्त्रोत पर स्नान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचने के लिए पूरी सतर्कता बरतें और सुरक्षा नियमों का विशेष रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न घाटों, तालाबों, नदियों एवं डैम क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए इन सभी चिन्हित स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे लगातार निगरानी रखें और भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। लोगों को विशेष रूप से गहरे पानी में जाने से बचने, नशे की हालत में स्नान न करने तथा बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष निगरानी रखने की अपील की है। इसके अलावा, जिले के स्थानीय गोताखोरों को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

मकर संक्रांति पर चाइनीज मांझा का प्रयोग नहीं करने की अपील

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने मकर संक्रांति पर्व को लेकर जिले के नागरिकों से सतर्क और जिम्मेदार व्यवहार अपनाने तथा पतंग उड़ाते समय चाइनीज मांझा (चाइनीज धागा) का प्रयोग नहीं करने की अपील की है। उपायुक्त ने कहा कि चाइनीज मांझा न केवल बेजुबान पक्षियों के लिए जानलेवा है, बल्कि आम लोगों के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है। इसकी तेज धार के कारण हर वर्ष कई हादसे होते हैं। धागे की चपेट में आकर लोग गंभीर रूप से जख्मी हो जाते हैं। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह बेहद घातक साबित हो सकता है। गले में चाइनीज धागा फंसने से व्यक्ति की मौत तक की घटना होने की आशंका बनी रहती है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसी दर्दनाक घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इसलिए पतंग उड़ाते समय सुरक्षित और सामान्य सूती धागों का ही उपयोग करें, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी न हो।

धनबाद रेड क्रॉस भवन में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर धनबाद के रेड क्रॉस भवन में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्घाटन एसडीओ लोकेश बरांगे ने किया और स्वामी विवेकानंद की जयंती पर जिले वासियों को शुभकामनाएं दीं। एसडीओ ने कहा, "आज युवा दिवस है और हम स्वामी विवेकानंद की जयंती मना रहे हैं। इस अवसर पर मैं जिले वासियों को शुभकामनाएं देता हूं। रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित इस ब्लड डोनेशन कैंप में 50 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है।" उन्होंने आगे कहा, "रक्तदान महादान है और इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। जब भी कोई दुर्घटना होती है, तो रक्त की जरूरत पड़ती है। यहां पर सदस्य अस्पताल और एसएनएमएमसीएच है, जहां लोग अपना इलाज करवाने जाते हैं।" एसडीओ ने लोगों से अपील की, "मैं धनबाद वासियों से अपील करता हूं कि वे रक्तदान में भाग लें और दूसरों की जान बचाएं। यह एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन इससे किसी की जान बचाई जा सकती है।" इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कैंप में अब तक 4 यूनिट रक्त एकत्रित किया जा चुका है। सोसाइटी के सदस्य रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र देंगे और उनका सम्मान करेंगे। एसडीओ ने कहा, "मैं उम्मीद करता हूं कि इस कैंप में अधिक से अधिक लोग रक्तदान करेंगे और दूसरों की जान बचाएंगे।

जल सेवा आकलन को लेकर पंचायतों में हुई व्यापक समूह चर्चा

दोनों प्रमंडल के विभिन्न पंचायतों में हुई समूह चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था की स्थिति को परखने और उसे और बेहतर बनाने के उद्देश्य से जल सेवा आकलन कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे सप्ताह में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) के सदस्यों के साथ विशेष बैठक एवं समूह चर्चा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संबंधित पंचायतों के मुखिया ने की। इस दौरान जल सेवा आकलन से जुड़े प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जलापूर्ति योजना किस प्रकार संचालित हो रही है, पानी आपूर्ति का समय क्या है, जल की गुणवत्ता कैसी है तथा ग्रामीणों को नियमित और सुरक्षित पेयजल मिल रहा है या नहीं-इन सभी बिंदुओं पर समिति के सदस्यों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

तेनुघाट प्रमंडल की तीन पंचायतों में ग्रुप चर्चा

जल सेवा आकलन के तहत तेनुघाट प्रमंडल की तीन पंचायतों में समूह चर्चा आयोजित की गई। इसमें पेटारवार प्रखंड के तेनुघाट पंचायत, गोमिया प्रखंड के कथारा पंचायत तथा नावाडीह प्रखंड के चिरूडीह पंचायत शामिल रहें। इन पंचायतों में आयोजित चचाओं में वीडब्ल्यूएससी सदस्यों, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और जलापूर्ति से संबंधित समस्याओं, चुनौतियों एवं समाधान के उपायों पर खुलकर बातचीत की।

चास प्रमंडल के विभिन्न पंचायतों में हुई चर्चा

इसी क्रम में चास प्रखंड के हैसाबातू एवं अन्य पंचायतों में भी ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की समूह चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें जल सेवा आकलन के विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुए भविष्य में जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर पेयजल व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन करना, समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना तथा सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

सीटीसी मीटिंग का आयोजन तीन माह में सुनिश्चित करे प्रबंधन : बीएकेएस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने सेल कापोर्रेट कार्यालय के अधिशासी निदेशक मानव संसाधन को पत्र लिखकर सीटीसी मीटिंग को हर हाल में तीन माह में बुलाना सुनिश्चित करने का मांग किया है । अपने पत्र में यूनियन ने लिखा है कि सेल कारपोरेट कार्यालय द्वारा कर्मियों के एक यूनिट से दूसरे यूनिट में स्थांतरण हेतु सीटीसी गाईडलाईन जारी किया गया है । परंतु वर्तमान में उस गाईडलाईन का नियमतः पालन नही किया जा रहा है। जिसका कुछ उदाहरण निम्नलिखित है -

1. सीटीसी की अनियमित बैठक - सीटीसी गाईडलाईन में प्रत्येक तीन माह में बैठक बुलाने का उल्लेख है, परंतु पिछले कई वर्षो से 9-12 माह में एक बैठक आयोजित की जा रही है। जिसके कारण कार्मिकों को स्थांतरण हेतु काफी इंतजार करना पड़ रहा है।
2. सीटीसी आवेदनो पर समयबद्ध निर्णय नही लेना - सीटीसी आवेदन किए हुए सेल कार्मिको के द्वारा दिए गए रुझान के अनुसार कई कार्मिकों के आवेदन को बगैर कारण बताए वर्षो से लंबित रखा जा रहा है । साथ ही बगैर कारण बताए ही कई आवेदनो को रद्द कर दिया जा रहा है। एक पारदर्शी व्यवस्था में यह ठिक व्यवस्था नही है । लंबित तथा रद्द आवेदनो का पुर्ण कारण सीटीसी हेतु बने केयर पोर्टल में अवश्य प्रदर्शित की जानी चाहिए। जबकि सीटीसी गाईडलाईन में आवेदन के प्रत्येक स्तर की मंजुरी देने का स्पष्ट गाईडलाईन बना हुआ है।
3. टाईमलाईन प्रक्रिया का पालन नही होना- आवेदन को अग्रसारित करने की प्रक्रिया में सीसीएस की ड्राईवर (सेल कारपोरेट कार्यालय) स्तर पर ही लटकाया जा रहा है।
4. सीटीसी पोर्टल (केयर /एचआरएमएस) पर सभी आवेदनो का स्टेटस डालने का उल्लेख सीटीसी गाईड लाईन में किया गया है , परंतु अपडेट या तो बहुत दिनो बाद किया जाता है या बहुत ही सिमित शब्दो में किया जाता है जबकि नियमानुसार सभी अपडेट जैसे आवेदन रिजेक्ट का कारण, आवेदन रिजेक्ट करने वाले अधिकारी का नाम , पदनाम भी स्पष्ट अंकित होने चाहिए था।
5. सीटीसी मीटिंग का मिनट्स जारी नही किया जाता है। जिसमें शामिल होने वाले अधिकारीगणो के नाम/पदनाम का विवरण , कुल आवेदनो की संख्या, मंजुर आवेदनो का विवरण, लंबित आवेदनो का विवरण आदि दिए जाने चाहिए थे ।
6. सीटीसी गाईडलाईन के बिंदु संख्या 11 में कंपीटेंट अथॉरिटी के पदनाम तथा रोल का जिक्र है । जो ए6 ग्रेड के आवेदन की मंजूरी या रिजेक्ट के लिए निदेशक कार्मिक तथा उससे उपर के ग्रेड के लिए चेयरमैन को कंपीटेंट अथॉरिटी बनाया गया है। यूनियन द्वारा यह विश्वास करना मुश्किल है कि कंपीटेंट अथॉरिटी द्वारा सही मानसिकता से निर्णय लिया जायेगा। वही कंपीटेंट अथॉरिटी बगैर उचित कारण के एक ही नेचर के आवेदन को मंजूरी और रिजेक्ट नही कर सकते है। यूनियन ने मांग किया है कि सीटीसी रुट में बताए गई खाँमियों को निश्चित समय में दूर करे, समयबद्ध सीटीसी बैठक आयोजित करे ताकि एक पारदर्शी प्रणाली सभी के लिए उपलब्ध हो । बीएकेएस के अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि सेल में कई मामलो का अध्ययन करने से एक बात स्पष्ट है कि नियमों के पालन की जगह उच्च अधिकारियों की मनमर्जी से नियमों की व्याख्या की जाती है ।

अनंत दास की 38वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के चंदनकियारी पोलकिरी में आज सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय अनंत दास की 38वीं पुण्यतिथि सादगी और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जवाहर लाल महथा समेत कई गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशे से दूर रहने और माता-पिता के सम्मान की प्रेरणा दी गई। आयोजित इस पुण्यतिथि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो कांग्रेस जिलाध्यक्ष जवाहर लाल महथा शामिल हुए। उन्होंने स्व. अनंत दास के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनके साथ चंदनकियारी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष जलेश्वर दास और विधायक उमाकांत रजक के पुत्र मुकेश कांत रजक ने भी माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस मौके पर स्थानीय मुखिया रेखा देवी, सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य अमल दास और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने स्व. अनंत दास के सामाजिक योगदान की चर्चा की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने बताया कि आजकल के नवयुवकों को अपने माता-पिता के बताए रास्ते पर चलने की अत्यंत आवश्यकता है। युवाओं को हर प्रकार के व्यसन (नशे) से दूर रहना चाहिए और अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वोही कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों वृद्ध महिलाओं के बीच कंबल वितरण किया गया ओर प्रसाद के रूप में खिचड़ी खिलाया गया। कार्यक्रम के अंत में सुकन्या फाउंडेशन के अमल दास और उपस्थित लोगों ने स्व. अनंत दास के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

टावर से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने में कामयाबी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बालीडीह थाना पुलिस ने गाड़ी और टावर से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने में कामयाबी पाई है ।इस चोर गिरोह के पास से 46 बैटरी को बरामद किया गया है। चोरी में इस्तेमाल किया जाने वाला टोटो और पल्सर बाइक के साथ कटर मोबाइल सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें चार चोर और एक खरीददार शामिल है । एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड धीरज कुमार वर्मा है ,जो चार लोगों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दे रहा था। इस चोर गिरोह ने बालीडीह थाना क्षेत्र में दो, सेक्टर 12 थाना क्षेत्र में तीन पिंडराजोरा थाना क्षेत्र में एक और बीएस सिटी थाना क्षेत्र में एक चोरी की घटना को अंजाम देने का काम किया था। ि

बाघमारा थाना का डीआईजी ने किया औचक निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो प्रक्षेत्र के डीआईजी आनंद प्रकाश ने धनबाद के बाघमारा थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना डायरी, लंबित मामलों तथा पुराने वारंटी केसों की गहन समीक्षा की। डीआईजी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबे समय से लंबित वारंटी मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।

बोकारो स्टील सिटी झारखंड में श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात नगर के बैशाली मैदान में श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ बोकारो स्टील सिटी झारखंड में आयोजित होनेवाले भागवत कथा के सप्तम दिवस में श्रद्धेय सचिन कौशिक महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण के एकादश स्कंध (11वें खंड) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहाँ राजा निमि के प्रश्नों के उत्तर नौ सिद्ध योगियों (कवि, हरि, अंतरिक्ष, प्रबुद्ध, पिप्पलायन, आविर्होत्र, द्रुमिल, चमस, करभाजन) द्वारा दिए जाते हैं, जो परम कल्याण और आत्मज्ञान के साधन, विशेषकर भक्ति योग और वैराग्य के सिद्धांतों का विस्तृत वर्णन करते हैं, जिसमें भगवान तक पहुंचने के सहज मार्ग बताए गए हैं। सूर्यवंशी राजा निमि एक यज्ञ कर रहे थे, जब ये नौ योगीश्वर वहां आए। भागवत कथा में दत्तात्रेय मुनि के 24 गुरुओं (पृथ्वी, वायु, आकाश, जल, अग्नि, चंद्रमा, सूर्य, कपोत, अजगर, सिंधु, पतंग, मधुकर, गज, हरिण, पिंगला, कुमारी, कृषक, सर्प, शल, बालक, कन्या, तीतर, मकड़ी, भृंग) से प्राप्त उपदेशों का सार है कि प्रकृति के कण-कण से शिक्षा लेकर मनुष्य अपने जीवन को विवेकपूर्ण, निष्काम और आनंदमय बना सकता है, भौतिक आसक्तियों से मुक्त होकर आत्म-ज्ञान प्राप्त कर सकता है, जैसे कि पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति, और सूर्य से निष्काम कर्म के उपदेश मिलते हैं, जो भागवत के उद्धव गीता खंड (स्कंध ११) में वर्णित हैं। राजा परीक्षित का उद्धार, शुकदेव गोस्वामी द्वारा सुनाई गई श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से हुआ, जिससे उन्हें मृत्यु के भय से मुक्ति मिली और वे सात दिनों के भीतर ही भगवान श्री कृष्ण के धाम को प्राप्त कर गए, यह कथा कलियुग में भक्ति और वैराग्य का मार्ग दिखाती है. श्राप और समय सीमा राजा परीक्षित को श्रृंगी ऋषि के श्राप के कारण सात दिनों में तक्षक नाग के डसने से मरना था, जिससे उन्हें मृत्यु का भय सताने लगा, शुकदेव जी का आगमन इसी दौरान, शुकदेव गोस्वामी वहां पधारे. परीक्षित ने उनसे अपनी मुक्ति का उपाय पूछा. श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण शुकदेव जी ने उन्हें सात दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई, जिसमें भगवान कृष्ण की लीलाओं का वर्णन था. भगवत-प्राप्ति कथा के प्रभाव से परीक्षित का मन पूरी तरह भगवान में लग गया.

बीएसएल में नव-स्थापित कोल ब्लेंड कैटेलिस्ट डोज़िंग स्टेशन का उद्घाटन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र ने परिचालन उत्कृष्टता एवं तकनीकी नवाचार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है. कोक एवं कोल केमिकल्स विभाग के कोल हैंडलिंग प्लांट में नव-स्थापित कोल ब्लेंड कैटेलिस्ट डोज़िंग स्टेशन का उद्घाटन बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त द्वारा किया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कोक एवं कोल केमिकल्स) श्री भास्कर प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) श्री शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) गुलशन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (आरसीएल) श्री मनोहर लाल, मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) श्री प्रकाश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) श्री हर्ष निगम सहित वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित रहे. यह उन्नत एवं आधुनिक प्रणाली कोल ब्लेंड में कैटेलिस्ट की पूर्णतः स्वचालित एवं सटीक डोज़िंग सुनिश्चित करेगी. यह प्रणाली कन्वेयर बेल्ट -18 पर कोयले की फीड दर के अनुरूप नियंत्रित मात्रा में कैटेलिस्ट का निष्कासन करती है, जिससे कोक की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार के साथ-साथ संयंत्र की समग्र उत्पादकता में भी सकारात्मक वृद्धि सुनिश्चित होगी. यह परियोजना मुख्य महाप्रबंधक (कोक एवं कोल केमिकल्स) श्री भास्कर प्रसाद के नेतृत्व तथा महाप्रबंधक एवं हेड ऑफ ऑपरेशंस श्री पी. एस. कुमार के मार्गदर्शन में पूरी की गई है. उल्लेखनीय है कि इस कैटेलिस्ट डोज़िंग स्टेशन का डिजाइन, निर्माण एवं स्थापना पूर्णतः विभागीय टीम द्वारा इन-हाउस संसाधनों के माध्यम से की गई है, जो विभाग की तकनीकी दक्षता, नवाचार क्षमता एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है. इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन में कोक एवं कोल केमिकल्स विभाग के महाप्रबंधक श्री अशरफ सिद्दीकी, महाप्रबंधक श्री अंजनी कुमार,सहायक महाप्रबंधक श्री राज कुमार दास, सहायक महाप्रबंधक श्री ओम प्रकाश तथा सहायक महाप्रबंधक श्री के. एस. सोरेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही. इसके अतिरिक्त सीईडी, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन सहित अन्य केंद्रीय विभागों का भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ. कोल ब्लेंड कैटेलिस्ट डोज़िंग स्टेशन का शुभारंभ बोकारो इस्पात संयंत्र की नवाचार-प्रधान कार्यसंस्कृति, आत्मनिर्भरता तथा उत्पादन प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है.

बीएसएल में सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 13 जनवरी 2026 को सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया. यह मानव श्रृंखला संयंत्र के प्लांट प्लाजा रोड पर सीआरएमझक्कक से गोल चक्कर तक बनाई गई. इस पहल का प्रमुख उद्देश्य कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति उत्तरदायित्व, सतर्कता तथा सामूहिक प्रतिबद्धता की भावना को सशक्त करना था. कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनूप कुमार दत्त की उपस्थिति रही. उन्होंने इस्पात कर्मियों को संबोधित करते हुए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर प्रकाश डाला. उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति निरंतर सजग रहने, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने तथा स्वयं एवं सहकर्मियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षाएवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी. के. सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) श्री शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (रीफ्रैक्ट्रीज) श्री एन. श्रीकांत, मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम) श्री अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागीय सुरक्षा अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे. प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेशों एवं नारों से युक्त तख्तियों के माध्यम से सुरक्षित आचरण, जिम्मेदारी और सतर्कता का संदेश दिया. उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात संयंत्र अपनी मूल भावना ह्यसुरक्षा सर्वप्रथमह्न को निरंतर सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षा संस्कृति का सक्रिय भागीदार बनाने हेतु सतत प्रयासरत है. सामूहिक जागरूकताऔर सहभागिता के माध्यम से संयंत्र ह्यशून्य दुर्घटनाह्न के लक्ष्य की दिशा में अपने प्रयासों को निरंतर मजबूती प्रदान कर रहा है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com